आम्रपाली दुबे का बिग बॉस में जाने पर खुलासा, विवादों और करियर पर खुलकर की बात

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 34
न्यूनतम - 29

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 249 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर मंगलवार 08 सितम्बर 2026 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 27 विक्रमी सम्वत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपय

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026

लखनऊ ने इंदौर को पछाड़ा

टॉप 5 में मप्र का जलवा, 21वें स्थान पर दिल्ली

नईदिल्ली (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 में पहला स्थान हासिल कर इतिहास रचा है। लखनऊ नगर निगम को 1.50 करोड़ का नकद पुरस्कार मिला है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इस बार के नतीजों में यूपी की राजधानी लखनऊ ने बाजी मार ली है। वहीं, एमपी के इंदौर ने दूसरा और जबलपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

इस श्रेणी में देश की राजधानी दिल्ली 172 अंकों के साथ 21वें स्थान पर और मुंबई 160.8 अंकों के साथ 28वें स्थान पर रही। वहीं छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर ने 189 अंकों के साथ छठा स्थान प्राप्त किया है। दुर्ग-भिलाई 175.3 अंकों के साथ 17वें स्थान पर रहा।

10 लाख से अधिक आबादी वाले टॉप-5 शहर- केटेगरी-फर्स्ट- जिसमें 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहर शामिल हैं, उसमें यूपी की राजधानी लखनऊ को पहला स्थान, एमपी के इंदौर को दूसरा स्थान, जबलपुर को तीसरा,

भोपाल और आगरा को संयुक्त रूप से चौथा और गुजरात के सूरत को पांचवा स्थान मिला है।

● लखनऊ (उत्तर प्रदेश)- 198 अंक (रैंक 1) ● इंदौर (मध्य प्रदेश)- 197 अंक (रैंक 2) ● जबलपुर (मध्य प्रदेश)- 195 अंक (रैंक 3) ● भोपाल (मध्य प्रदेश) / आगरा (उत्तर प्रदेश)- 192 अंक (संयुक्त रूप से रैंक 4) ● सूरत (गुजरात)- 191 अंक (रैंक 5)

कैटेगरी-सेकेण्ड- 3 से 10 लाख तक की आबादी वाले शहर- केटेगरी-सेकेण्ड- जिसमें 3 से 10 लाख की आबादी वाले शहर हैं, में ओडिशा के राउरकेला ने 198.5 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। दूसरे स्थान पर फिरोजाबाद और गुंटूर 195 अंकों के साथ रहे।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामीण इलाकों में भी 25 दिन में सिलेंडर बुकिंग होगी

अभी 45 दिन में हो रही थी, अब शहर-गांव में एक जैसे नियम

नईदिल्ली (एजेंसी)। अब गांवों में भी लोग 25 दिन में गैस सिलेंडर बुक कर सकेंगे। केंद्र सरकार ने ग्रामीण इलाकों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर बुक करने का 45 दिन का नियम खत्म कर दिया है। शहरी क्षेत्रों में सिलेंडर रिफिल बुकिंग का अंतराल 25 दिन है। केंद्रीय पेट्रोलियम राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने सोमवार को बताया कि सरकार ने सभी

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को इस नए नियम को तुरंत प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने मंत्रालय का एलपीजी सिलेंडर बुकिंग के नियमों में बदलाव का नोटिफिकेशन सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

ईरान जंग के दौरान पाबंदियां लगाई थीं सुरेश गोपी ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच जंग के दौरान एलपीजी सप्लाई पर दबाव था। इसके चलते 9 मार्च 2026 को शहरी इलाकों में रिफिल बुकिंग का अंतर 25 दिन और 12 मार्च को ग्रामीण इलाकों में 45 दिन कर दिया गया था।

मानसून सत्र को 'वेंटिलेटर' पर रखा गया

25 दिन का जिक्र कर कांग्रेस ने सरकार पर लगाए ये आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि संसद का मानसून सत्र अभी तक आधिकारिक रूप से खत्म क्यों नहीं किया गया। संसद की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित किए 25 दिन हो चुके हैं, फिर सत्र को औपचारिक रूप से समाप्त नहीं किया गया है। कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया

कि संसद के मानसून सत्र का सत्रावसान करने के बजाय अब तक इसे 'वेंटिलेटर' पर रखा गया है क्योंकि गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में परिसीमन संबंधी विधेयक को पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश में लगे हैं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि गृह मंत्री इस वास्तविकता को कब स्वीकार करेंगे कि धमकी और डराने-धमकाने की उनकी राजनीति अपनी सीमा तक पहुंच चुकी है। जयराम रमेश ने X पर पोस्ट करते हुए कहा कि संसद को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए 25 दिन हो चुके हैं, लेकिन अब तक उसका सत्रावसान नहीं किया गया है।

जहरीली शराब से मप्र-सागर में

अब तक 22 मौतें

112 की हालत बिगड़ी, सागर-भोपाल में भर्ती, शराब ठेकेदार समेत 30 पर केस, 10 गिरफ्तार

भोपाल/सागर (एजेंसी)। सागर में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या 22 हो गई है। मरने वालों में पिता-पुत्र भी शामिल हैं। 112 लोग ऐसे हैं, जिनकी जहरीली शराब पीने से हालत बिगड़ी है। उन्हें सागर और भोपाल के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मामले में शराब बेंचने वाले ठेकेदार समेत 30 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से 10 को अरेस्ट कर लिया गया है। सोमवार सुबह महेश रावत (55), श्याम बाई अहिरवार (50) और कृष्ण कुमार लोधी ने दम तोड़ा। इससे पहले एयरलिफ्ट कर भोपाल लाए गए राम प्रसाद लोधी की रविवार देर रात को मौत हुई थी। उनके पिता गोविंद लोधी ने भी रविवार को दम तोड़ दिया था। रामप्रसाद का छोटा भाई भूरे लोधी सागर में भर्ती है। वहीं, दोपहर में गूगरा खुर्द निवासी भगवान सिंह (35), खटोरा निवासी गोपाल आदिवासी (40) और देश कुमार लोधी, निवासी मुड़ना पैरा की भी मौत हुई है।

जीतू पटवारी का दावा- 50 से ज्यादा लोगों की मौत

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा- इस त्रासदी के कारण कई परिवारों में मातम छा गया है, जहां छोटे-छोटे बच्चों और बेटियों के सिर से पिता का साया उठ चुका है। पटवारी ने दावा कि जहरीली शराब से 50 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

एसपी पर तत्काल एफआईआर हो

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने एसपी अनुराग सुजानिया के पुराने रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा कि मुरैना में हुई जहरीली शराब त्रासदी के दौरान भी वे एसपी थे। अब सागर में भी ऐसी घटना हुई है। पटवारी ने एसपी पर तत्काल एफआईआर दर्ज कर उन्हें जेल भेजने की मांग की।

दिल्ली 5 मंजिला बिल्डिंग हादसा

मालिक राजस्थान से हिरासत में लिया गया, अब तक 7 मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हॉस्टल के हॉस्टल के मालिक हरिराम बंसल को पुलिस ने राजस्थान के भिवाड़ी से हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। रेस्क्यू टीम ने सोमवार सुबह मलबे से एक और शव निकाला। उधर 12 लोगों को बचाया गया है। इनमें 5 की हालत गंभीर है। अभी भी कुछ लोगों के दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू डॉग और कैमरे के सहायता से लोगों की तलाश की जा रही है।

सरकार जिम्मेदारी से नहीं बच सकती, घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण, एमसीडी- और डीयू जिम्मेदार : हाईकोर्ट

दिल्ली हाईकोर्ट ने सत्य निकेतन इलाके में हुए दर्दनाक इमारत हादसे पर गहरी नाराजगी और दुख जताया है। अदालत ने सोमवार को इस घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि इसके लिए केवल इमारत के मालिक ही नहीं, बल्कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) भी समान रूप से जिम्मेदार हैं।

हादसे के बाद सीएम रेखा गुप्ता का बड़ा फैसला, पीजी वाली इमारतों के लिए सरकार लाएगी नई पॉलिसी

दिल्ली सरकार पेइंग गेस्ट आवासों के लिए नई सुरक्षा नीति लाने की योजना बना रही है। हालांकि राजधानी में पीजी को रेगुलेट करने के प्रयास 1993 से ही चल रहे हैं। दिल्ली सरकार का यह कदम सत्य निकेतन में बिल्डिंग ढहने की घटना के बाद आया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार एक ऐसी नीति तैयार कर रही है, जिसके तहत पुरानी इमारतों के मालिकों को स्ट्रक्चरल ऑडिट रिपोर्ट जमा करनी होगी और उनकी सुरक्षा का प्रमाण पत्र देना होगा, तभी उन्हें पेइंग गेस्ट आवास, नर्सिंग होम, स्कूल या अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा।

36 हजार फीट पर प्लेन का ऑयल प्रेशर कम हुआ

अबू धाबी जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट कोच्चि लौटी, एक इंजन के सहारे इमरजेंसी लैंडिंग

नईदिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में तकनीकी खराबी के कारण एक इंजन के सहारे कोच्चि लौटना पड़ा और यहां इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। मीडिया सूत्रों के हवाले से बताया कि यह बोइंग 737 विमान अबू धाबी जा रहा था। करीब 50 मिनट की उड़ान के बाद पायलट ने इसके एक इंजन में ऑयल प्रेशर कम पाया।

तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल की पांच सीटों पर उपचुनाव का मतदान 6 अक्टूबर को

नईदिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीख की घोषणा कर दी है। साथ ही आयोग ने असम की एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा की है। इस सभी सीटों पर चुनाव एक ही दिन 6 अक्टूबर होंगे, जबकि वोटों की गिनती 9 अक्टूबर को होगी।

दिनेश शर्मा बने अंडमान-निकोबार के नए उपराज्यपाल

नईदिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राज्यसभा सांसद और यूपी के पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा को अंडमान-निकोबार का नया उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति भवन ने इसकी घोषणा की। 62 साल के दिनेश शर्मा कार्यभार संभालने के दिन से पद पर होंगे।

डिफेंस सेक्टर में बड़ा कदम

1.10 लाख करोड़ रुपये के रक्षा सौदे को मंजूरी : भारतीय सेना की बढ़ेगी ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने सोमवार को लगभग 1.10 लाख करोड़ रुपये के रक्षा खरीद प्रस्तावों के लिए मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन मंजूरियों में भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना की जरूरतें शामिल हैं। खबर है कि लगभग 98 प्रतिशत खरीद भारतीय उद्योगों से ही की जाएगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 7 सितंबर को डीएसी की बैठक की अध्यक्षता की। सेना को सीबीआरएन वाहन, हेलीकॉप्टर और ब्रिजिंग सिस्टम मिलेंगे। सेना के लिए, डीएसी ने केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर रेकी वाहनों, हाई मोबिलिटी वाहनों, सेल्फ-प्रोपेल्ड मैकेनिकल माइन लेयर्स, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टरों, ट्रॉवल टैंकों और सर्वत्र ब्रिज सिस्टम के प्रस्तावों को मंजूरी दी।

सरकार ने कहा शुद्धिकरण मामले की होगी निष्पक्ष जांच

सुरक्षित रखेंगे इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, हाईकोर्ट ने निस्तारित की याचिका

नैनीताल (एजेंसी)। उत्तराखंड हाईकोर्ट में हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा के बाद सभा स्थल का 'शुद्धिकरण' के चर्चित मामले में आज सुनवाई हुई। मामले में आज हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि मामले में 2 एफआईआर दर्ज हुई हैं। इनमें एक हल्द्वानी में और दूसरी मीडिया में छपी खबर के आधार पर जीरो एफआईआर बेंगलुरु में दर्ज हुई है। शुद्धिकरण मामले की याचिका हाईकोर्ट ने निस्तारित की: कोर्ट को बताया गया कि बेंगलुरू में दर्ज हुई एफआईआर जांच के लिए हल्द्वानी में ट्रांसफर की जानी है। सरकार ने कोर्ट को आश्वस्त किया है कि पुलिस मामले में निष्पक्ष जांच करेगी। सरकार ने सीसीटीवी फुटेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को भी सुरक्षित रखने की बात कही है।

कश्मीर के बाद

अब उत्तराखंड में बर्फबारी

बिहार के 12 जिलों में बाढ़, 23 लाख लोग प्रभावित

नई दिल्ली/लखनऊ/पटना/श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी के बाद अब उत्तराखंड के पिथौरागढ़ की पंचाचूली, हरदेवल, नंदा देवी और नंदा कोट के साथ चमोली में बद्रीनाथ-हेमकुंड की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी हुई है। बारिश और बर्फबारी के बाद ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड बढ़ गई है।

बिहार में गंगा, कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और बागमती नदियों के उफान से बाढ़ की स्थिति बन गई है। राज्य के 12 जिलों में 22.42 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। भागलपुर में रिंग बांध ओवरफ्लो होने से सुल्तानगंज के करीब 4 हजार घर पानी में डूब गए।

वहीं, यूपी में मानसूनी बारिश का दौर लगातार जारी है। बरेली में रविवार दोपहर से रुक-रुककर हो रही बारिश के चलते फायर स्टेशन में 3 फीट तक पानी भर गया। घरों के किचन और बेडरूम तक घुटनों तक पानी पहुंच गया।

महाराष्ट्र में दही हांडी के दौरान 2 की मौत, मुंबई में 306 गोविंदा घायल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में दही हांडी के दौरान हादसों में 2 लोगों की मौत हो गई। मुंबई में 7 साल के रुद्र कदम पर ईंटों का खंभा गिर गया। वहीं पुणे में लोहे का ढांचा गिरने से एक महिला की जान चली गई। मुंबई में 306 गोविंदा घायल हुए। घायलों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

एएसआई अफसर मस्जिद के नीचे मिले कुएं में उतरे

अंदर उतरकर जांच की, सहारनपुर में कहा- 250 साल पुराना होने की संभावना

सहारनपुर (एजेंसी)। यूपी में सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में ढहाई गई मस्जिद के नीचे मिले कुएं की जांच के लिए एएसआई की टीम पहुंच गई है। भारतीय पुरातत्व

सर्वेक्षण के 3 अफसर सोमवार दोपहर 2 बजे कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। कुएं के अंदर उतरकर जांच की। फीता डालकर उसकी गहराई मापी। एएसआई अफसर ने कहा- कुआं 200 से 250 साल पुराना हो सकता है।

अनमोल वचन

किसी कार्य में सफलता कैसे हो अथवा बहुरूपी सफलता के क्या-क्या कारक हैं? यह सर्वथा निश्चित है कि ऐसे किसी भी कार्य का वातावरण के अनुकूल होने पर ही परिणाम प्राप्त हो सकता है। जब तक एक दूसरे के प्रति सद्भाव एवं ईमानदारी से कार्य किया जाएगा, तब तक ही प्रत्येक कार्य कल्याणकारी सिद्ध होगा। हम सब प्रत्यक्ष रूप से एक ही स्थान पर परस्पर साथ रहते हैं, जिससे कठिनाई के इस रास्ते में विघ्न-बाधाएं उत्पन्न न हों, इसलिए हम सबको परस्पर एक-दूसरे का सहयोगी होना चाहिए।प्राणी मात्र के कल्याण के लिए केवल उपदेश देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस पर आचरण करना अति आवश्यक है। स्वामी जी महाराज के द्वारा दिए गए उपदेशों के कारण ही श्रद्धालुओं के मन में भक्ति भावना का प्रादुर्भाव हुआ। स्वामी जी महाराज के जाने के बाद जीवन-मृत्यु का चक्र रुकता नहीं है। इसके लिए निरंतर अभ्यास की आवश्यकता है। समाज में सुख-समृद्धि एवं अनुशासन के साथ जीवन-यापन करने हेतु चरित्र निर्माण की आवश्यकता है। जीवन में संयम एवं नियमबद्धता का पालन करके ही इंसान अपने लक्ष्य (मोक्ष/ज्ञान) को प्राप्त कर सकता है। इसके लिए सतसंग का आश्रय लेना अनिवार्य है। ईश्वर की भक्ति ही जीव को सभी सांसारिक बंधनों से मुक्त कराती है तथा परम शांति का अनुभव कराती है। इसके लिए अपने मन में श्रद्धा-भक्ति का भाव बनाए रखना चाहिए तथा सेवा-स्मरण करते रहना चाहिए। मन के भाव में भगवान के प्रति प्रेम और भक्ति की भावना जागृत होने से मनुष्य के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। व्यक्ति जीवन के अंतिम समय में भगवान के नाम का सुमिरन करता है तो उसका कल्याण होता है। इसलिए भक्ति के इस मार्ग को समझकर उस पर निरंतर अग्रसर रहना चाहिए।

ड्यूटी में लापरवाही पर एसएसपी का बड़ा एक्शन, चार दरोगा और नो कांस्टेबल निलंबित

रात्रि गश्त, पिकेट और विशेष कानून-व्यवस्था ड्यूटी में लापरवाही का आरोप; विवादित होर्डिंग और सांसद हरेंद्र मलिक की निगरानी से जुड़े मामलों में भी कार्रवाई की चर्चा

मुजफ्फरनगर। जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने सख्त रुख अपनाते हुए ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले 13 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। एसएसपी की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, चार उपनिरीक्षक और नो आरक्षी, कुल 13 पुलिसकर्मियों के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। इन पुलिसकर्मियों पर रात्रि गश्त, पिकेट ड्यूटी तथा विशेष कानून एवं शांति व्यवस्था ड्यूटी में लापरवाही बरतने का आरोप है। विवादित होर्डिंग मामले में भी लापरवाही की चर्चा सूत्रों के अनुसार, निलंबित पुलिसकर्मियों में कुछ पुलिसकर्मियों की ड्यूटी विवादित होर्डिंग प्रकरण से जुड़ी हुई थी। इस मामले में ड्यूटी के दौरान अपेक्षित सतर्कता नहीं बरतने की बात सामने आने के बाद विभागीय स्तर पर कार्रवाई की गई है। हालांकि, पुलिस की ओर से जारी आधिकारिक सूचना में सभी 13 पुलिसकर्मियों के नाम और उनकी ड्यूटीवार भूमिका का विस्तृत विवरण फिलहाल सार्वजनिक नहीं किया गया है। वहीं, सूत्रों के मुताबिक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद हरेंद्र मलिक से जुड़े निगरानी/निगेहबंदी प्रकरण

में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा लापरवाही बरते जाने की बात भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि इस प्रकरण में दो उपनिरीक्षक और पांच पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। सूत्रों के अनुसार, इस मामले में संबंधित पुलिसकर्मियों को सांसद की निगरानी के लिए लगाया गया था, लेकिन ड्यूटी के दौरान अपेक्षित सतर्कता नहीं बरतने की शिकायत/रिपोर्ट के बाद विभाग ने कड़ा कदम उठाया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक कार्रवाई की जद में थाना सिविल लाइन और शहर कोतवाली में तैनात पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। सिविल लाइन से जुड़े नामों में उपनिरीक्षक पंकज कुमार, उपनिरीक्षक मुकुल कुशवाहा, कांस्टेबल महेंद्र प्रताप सिंह, रिक्रूट कांस्टेबल विवेक कुमार, विशाल कुमार, मोनू कुमार और अमित शर्मा बताए जा रहे हैं। वहीं, शहर कोतवाली से जुड़े पुलिसकर्मियों में उपनिरीक्षक नितिन कुमार, यशपाल सिंह, कांस्टेबल नदीम, निशांत कुमार, दीपक गौतम और दिनेश कुमार के नाम सामने आए हैं। हालांकि, उपलब्ध आधिकारिक सूचना में सभी नामों का पद एवं थाना-वार विवरण स्पष्ट रूप से जारी नहीं किया गया है। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने स्पष्ट संदेश दिया है कि कानून-व्यवस्था से जुड़ी ड्यूटी में किसी भी स्तर पर लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विशेषकर संवेदनशील परिस्थितियों में रात्रि गश्त, पिकेट और कानून-व्यवस्था ड्यूटी को लेकर पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी तय की जा रही है। 13 पुलिसकर्मियों का एक साथ निलंबन जनपद पुलिस महकमे में बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। इससे पुलिसकर्मियों में भी हड़कंप की स्थिति है। विभागीय स्तर पर आगे की जांच और कार्रवाई के बाद पूरे मामले की तस्वीर और स्पष्ट होने की उम्मीद है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की इस कार्रवाई से साफ है कि ड्यूटी के दौरान लापरवाही करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ अब विभागीय स्तर पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। खासतौर पर कानून एवं शांति व्यवस्था से जुड़े मामलों में पुलिसकर्मियों की जवाबदेही तय करने पर जोर दिया जा रहा है।

मेरठ-करनाल हाईवे पर खड़े तीन महिलाओं को टेंपो ने मारी जोरदार टक्कर, एक की मौत, दो गंभीर घायल

फुगाना क्षेत्र के सराय गांव के पास हुआ दर्दनाक हादसा, इलाज के लिए ले जाते समय जाहिदा ने तोड़ा दम; टेंपो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। फुगाना थाना क्षेत्र के मेरठ-करनाल हाईवे पर ग्राम सराय के निकट 31 अगस्त की शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो अन्य महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे में जान गंवाने वाली महिला को अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने मृतका के भाई की तहरीर पर टेंपो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जौला जाने वाले कट पर खड़ी थीं तीनों महिलाएं

ग्राम सराय निवासी खालिद पुत्र मेहंदी हसन ने फुगाना थाने में दी तहरीर में बताया कि 31 अगस्त 2026 को शाम करीब 5:25 बजे उसकी बहन जाहिदा पत्नी अहसान, सबीला पत्नी इंतजार तथा मुनाजरा पत्नी स्वर्गीय शौकत, मेरठ-करनाल हाईवे पर ग्राम सराय के निकट जौला की तरफ जाने वाले कट पर खड़ी थीं। इसी दौरान मेरठ की ओर से तेज गति से एक टेंपो वहां पहुंचा। आरोप है कि टेंपो चालक ने वाहन को तेजी और लापरवाही से चलाते हुए सड़क किनारे खड़ी तीनों महिलाओं को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों महिलाएं गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ीं।

सीएचसी बुढ़ाना से जिला अस्पताल किया गया रेफर

हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों और परिजनों ने आनन-फानन में तीनों घायल महिलाओं को उपचार के लिए सीएचसी बुढ़ाना पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए तीनों को जिला अस्पताल मुजफ्फरनगर रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार जिला अस्पताल ले जाते समय जाहिदा की हालत और बिगड़ गई तथा रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद जाहिदा को मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में घायल सबीला और मुनाजरा का उपचार जारी है। सबीला का इलाज आयुष्मान अस्पताल, झिंझाना में तथा मुनाजरा का इलाज अंजलि अस्पताल, मेरठ में चल रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने अपनी आंखों से देखा हादसा

शिकायतकर्ता खालिद ने पुलिस को बताया कि घटना के समय वह स्वयं मौके पर मौजूद था। उसके साथ इरफान पुत्र स्वर्गीय शौकत भी वहां मौजूद था। दोनों ने टेंपो द्वारा महिलाओं को टक्कर मारने की घटना को अपनी आंखों से देखा। खालिद ने बताया कि हादसे के बाद वह गहरे सदमे में था और परिवार में मेहमानों के आने-जाने के कारण तत्काल थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज नहीं करा सका।

इसके बाद छह सितंबर को उसने फुगाना थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और आरोपी टेंपो चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। टेंपो नंबर के आधार पर कार्रवाई शुरू तहरीर में हादसे में शामिल टेंपो का नंबर यूपी12 डीटी -0826 बताया गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी टेंपो चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब पुलिस हादसे की परिस्थितियों की जांच करने के साथ वाहन और उसके चालक के संबंध में आवश्यक कार्रवाई कर रही है। पुलिस की ओर से तहरीर पर नियमानुसार अभियोग पंजीकृत किया गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जांच के आधार पर की जाएगी।

जाट महासभा मुजफ्फरनगर की बैठक में प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप, 27 सितंबर को होगा आयोजन

मुजफ्फरनगर। जाट महासभा मुजफ्फरनगर की कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक जाट महासभा के अध्यक्ष धर्मवीर बालियान के आवास पर आयोजित हुई। बैठक में आगामी 27 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाले प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं के अलंकरण समारोह की तैयारियों एवं कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) के हाईस्कूल में 80 प्रतिशत या उससे अधिक तथा इंटरमीडिएट में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मान समारोह में शामिल किया जाएगा। इसी प्रकार सीबीएसई बोर्ड के हाईस्कूल में 90 प्रतिशत या उससे अधिक तथा इंटरमीडिएट में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

खेल के क्षेत्र में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को भी समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, हर वर्ष की परंपरा के अनुसार समाज में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पांच प्रतिभाशाली व्यक्तियों को जाट गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय और लिया गया है। जाट समाज के अतिरिक्त अन्य समाजों के ऐसे दो व्यक्तियों को भी जाट महासभा द्वारा सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने देश एवं समाज के प्रति महत्वपूर्ण योगदान दिया है और सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। समारोह की अध्यक्षता एवं अतिथिगण 27 सितंबर को आयोजित होने वाले भव्य अलंकरण समारोह की अध्यक्षता चौधरी नरेश टिकैत, चौधरी बालियान खाप करेंगे। समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. सुनील तेवतिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुजफ्फरनगर तथा मुख्य अतिथि श्रीमती जेसमीन फौजदार, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र रहेंगी। इसके अतिरिक्त विशिष्ट अतिथि डॉ. अनीता चौधरी, शाहपुर एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. लोकिंदर बालियान, शाहपुर समारोह में उपस्थित रहेंगे। बैठक में कार्यक्रम में आने वाले अतिथियों के भव्य स्वागत की तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अतिथियों को कार्यक्रम स्थल के गेट से रिसीव करने से लेकर उन्हें मंच तक सम्मानपूर्वक लाने की व्यवस्था, स्वागत की प्रक्रिया तथा मंच पर सम्मान समारोह की पूरी व्यवस्था को अंतिम रूप दिया गया। छात्र-छात्राओं, खिलाड़ियों, जाट गौरव सम्मान से सम्मानित होने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तियों तथा अन्य समाज के विशिष्ट व्यक्तियों को किस प्रकार सम्मानित किया जाएगा, इस पर भी कार्यकारिणी सदस्यों ने विस्तार से विचार-विमर्श किया और आवश्यक निर्णय लिए। बैठक में सभी पदाधिकारियों ने कहा कि इस वर्ष का अलंकरण समारोह हर वर्ष की अपेक्षा और अधिक भव्य एवं ऐतिहासिक बनाया जाएगा। सभी सदस्यों ने एक स्वर में कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने और इसे सफल बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने का भी निर्णय लिया गया।

हाउस अरेस्ट में पुलिस को चकमा ! मुजफ्फरनगर से निकलकर सहारनपुर पहुंचे सांसद हरेंद्र मलिक

सपा के राष्ट्रीय महासचिव ने सुरक्षा घेरा तोड़ा, जिलाध्यक्ष जिया चौधरी भी साथ

मुजफ्फरनगर/सहारनपुर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासत में सोमवार को उस समय अचानक हलचल तेज हो गई, जब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुजफ्फरनगर सांसद हरेंद्र मलिक हाउस अरेस्ट के बावजूद पुलिस को चकमा देकर सहारनपुर पहुंच गए। मुजफ्फरनगर में पुलिस द्वारा सांसद को उनके आवास पर ही रोककर रखा गया था, लेकिन इसके बावजूद वह सहारनपुर पहुंचने में कामयाब रहे। उनके साथ समाजवादी पार्टी के मुजफ्फरनगर जिलाध्यक्ष जिया चौधरी भी मौजूद हैं। सांसद के सहारनपुर पहुंचने की सूचना मिलते ही राजनीतिक गलियारों में चचाओं का दौर शुरू हो गया। जिस समय मुजफ्फरनगर पुलिस सांसद की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी, उसी दौरान उनका सहारनपुर पहुंच जाना पुलिस की निगरानी व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े कर रहा है।

सहारनपुर मस्जिद प्रकरण बना वजह

सांसद हरेंद्र मलिक और जिया चौधरी के सहारनपुर पहुंचने की मुख्य वजह वहां सामने आया मस्जिद ध्वस्तीकरण प्रकरण बताया जा रहा है। दोनों नेता मामले की वास्तविक स्थिति जानने और

घटनाक्रम से जुड़े तथ्यों को जुटाने के लिए सहारनपुर पहुंचे हैं। हरेंद्र मलिक ने सहारनपुर पहुंचकर मीडिया से बातचीत में कहा कि वह मामले की पूरी जानकारी लेने, मौके की स्थिति देखने तथा संबंधित अधिकारियों और स्थानीय लोगों से बातचीत करने के उद्देश्य से यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि प्रकरण से जुड़े सभी तथ्यों और घटनाक्रम की जानकारी जुटाने के बाद ही वह इस संबंध में आगे अपनी बात रखेंगे।

मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा

सांसद और सपा जिलाध्यक्ष के सहारनपुर पहुंचने के बाद उनकी गतिविधियों पर राजनीतिक दलों और स्थानीय लोगों की निगाहें टिक गई हैं। दोनों नेताओं का प्रयास मामले से जुड़े लोगों से बातचीत कर घटनाक्रम की जानकारी हासिल करना है। सांसद ने मीडिया से बातचीत में किसी जल्दबाजी में निष्कर्ष पर पहुंचने के बजाय मौके की वास्तविक स्थिति और पूरे घटनाक्रम के तथ्यों को समझने पर जोर दिया।

मुजफ्फरनगर में हाउस अरेस्ट, फिर भी सहारनपुर पहुंचना बना चर्चा

हरेंद्र मलिक को मुजफ्फरनगर में हाउस अरेस्ट किए जाने की कार्रवाई के बाद उनके सहारनपुर पहुंचने की खबर ने पूरे घटनाक्रम को और ज्यादा राजनीतिक बना दिया है। सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि जब सांसद को पुलिस ने घर पर रोक रखा था तो वह सहारनपुर तक कैसे पहुंचे? उनके साथ सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी का भी पहुंचना इस घटनाक्रम को और महत्वपूर्ण बना रहा है। सांसद के सहारनपुर पहुंचने के बाद पुलिस प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, इस संबंध में पुलिस की ओर से तत्काल कोई विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सहारनपुर मस्जिद ध्वस्तीकरण प्रकरण को लेकर पहले से ही राजनीतिक बयानबाजी का दौर जारी है। ऐसे समय में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद का मौके पर पहुंचना राजनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सपा नेताओं का कहना है कि किसी भी मामले की वास्तविकता जानने के लिए मौके पर पहुंचकर संबंधित लोगों से बातचीत करना जरूरी है। इसी उद्देश्य से हरेंद्र मलिक और जिया चौधरी सहारनपुर पहुंचे हैं।

अधिकारियों और स्थानीय लोगों से बातचीत करेंगे

सांसद हरेंद्र मलिक ने स्पष्ट किया है कि वह प्रकरण से जुड़े अधिकारियों, स्थानीय लोगों और अन्य संबंधित पक्षों से बातचीत कर पूरी जानकारी जुटाएंगे। इसके बाद ही वह मामले को लेकर अपनी विस्तृत प्रतिक्रिया सामने रखेंगे। यानी फिलहाल सपा की ओर से इस पूरे मामले पर अंतिम राजनीतिक रुख सामने नहीं आया है।

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुजफ्फरनगर

पत्रांक / समग्र शिक्षा / प्रशि / 551 / 2026–27 / दिनांक 07.09.2026

महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना कार्यालय निशातगंज लखनऊ के पत्रांकः गुण0वि0/ए0आर0पी0/2058/2026–27 दिनांक 24.06.2026 के अनुपालन में आगामी शैक्षिक सत्र 2025–26 से अकादमिक रिसोर्स पर्सन के चयन संवन्धी नवीन शासनादेश संख्या– 68–5099/2025 902/68–5–2019 बेसिक शिक्षा अनुभाग-5 आई/1358920/2026 लखनऊ दिनांक 15 जून 2026 के द्वारा समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत जनपद मुजफ्फर-नगर के प्रत्येक विकास खण्ड एवं नगर क्षेत्र में निम्न विवरणानुसार अकादमिक रिसोर्स पर्सन (ए0आरपी) के चयन हेतु बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित प्राथमिक/उच्च प्राथमिक/कम्पोंजिट विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक/शिक्षिकाओं में निम्नांकित प्रतिबन्धों के अधीन निर्धारित प्रारूप पर आवेदन पत्र डाक से अथवा व्यकिगत रूप से दिनांक–18.09.2026 तक कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी निकट एम0जी0पब्लिक स्कूल के पते पर प्राप्त कराये जा सकते है।

क्र0 सं0	ए0आर0पी0/विषय विशेषज्ञ के पदनाम	कूल पदों की संख्या	चयन हेतु न्यूनतम अनिवार्य शैक्षिक योग्यता	विकास क्षेत्रवार पदो की संख्या
2	ए0आर0पी0	11	स्नातक उपाधि के साथ अध्यापक प्रशिक्षण योग्यता	बघरा(01), जानसठ (01), खतौली (01), मोरना (02), पुरकाजी (01), शाहपुर(01), नगर मुजफ्फरनगर (03) चरथावल (01)

अहर्ता एवं शर्तें–

1. स्नातक उपाधि के साथ अध्यापक प्रशिक्षण योग्यता।
2. प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों में न्यूनतम 05 वर्ष का शिक्षण अनुभव।
3. सेवा निवृत्ति होने में न्यूनतम 05 वर्ष शेष हो।
4. किसी भी प्रकार की जांच गतिमान न हो न ही पूर्व में किसी भी प्रकार की अनुशासनात्मक कार्यवाही की गयी हो।
5. ए0आर0पी0 के रूप में अधिकतम 03 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण कर चुके ए0आर0पी0 पुनः चयन हेतु अनर्ह होंगे, परन्तु यदि समग्र शिक्षा के अन्तर्गत स्थापित ब्लाक संसाधन केन्द्रों पर ए0आर0पी0 के चयन हेतु निर्धारित पद के सापेक्ष कम आवेदन प्राप्त होते है तो इस स्थिति में 03 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण कर चुके ए0आर0पी0 द्वारा आवेदन किये गये आवेदनो को स्वीक्रार किया जायेगा।
6. विषयवार लिखित परीक्षा 70 अंक।
7. साक्षात्कार (विषयगत जानकारी, स्वप्रेरणा, लीडरशिप कमिटमेन्ट, प्रारम्भिक शिक्षा के प्रति विजन इत्यादि) 30 अंक।
8. लिखित परीक्षा में 60 प्रतिशत या 60 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले अभ्यर्थी ही साक्षात्कार के लिए अर्ह होंगे।
9. लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार में प्राप्तांकों के आधार पर चयन हेतु मेरिट सूची तैयार की जायेगी।
10. यदि जनपद में रिक्त पदों के सापेक्ष अधिक अभ्यर्थी क्वालीफाई करते है तो उस स्थिति में मेरिट के आधार पर चयन किया जायेगा।
11. चयनित ए0आर0पी0 को वेतन उनके मूल विद्यालय से ही आहरित होगा।
12. ए0आर0पी0 का कार्यकाल 01 वर्ष हेतु निर्धारित होगा। प्रत्तिक वर्ष परफारमेंन्स अप्रेजल के आधार पर जनपद स्तरीय समिति द्वारा अनुमोदन के पश्चात् नवीनीकरण किया जायेगा, अधिकतम 03 वर्ष के पश्चात् पुनः चयन प्रक्रिया की जायेगी।
13. आवेदन पत्र के लिफाफे के ऊपर लाल रोशनाई से मोटे अक्षरों में आवेदित पद एवं विषय का नाम सुस्पष्ट रूप से अंकित होना चाहिए।
14. समस्त आवेदन करने वाले अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र खण्ड शिक्षा अधिकारी से अग्रसारित कराने के उपरान्त ही पंजीकृत डाक से कार्यालय को प्रेषित करेंगे।
15. शिक्षण अनुभव की गणना हेतु विज्ञापित तिथि को आधार माना जायेगा।
16. विज्ञप्ति में संशोधन तथा निरस्त करने का सम्पूर्ण अधिकार समग्र शिक्षा अभियान उ0प्र0 के निर्देशानुसार अधोहस्ताक्षरी का होगा।
17. अपूर्ण हस्ताक्षर रहित/संलम्नक रहित एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा अग्रसारित किये बिना आवेदन पत्र निरस्त कर दिये जायेगे।
18. ए0आर0पी0 चयन हेतु अन्य शर्तें शासनादेश संख्या– 68–5099/2025 902/68–5–2019 बेसिक शिक्षा अनुभाग–5 आई/1358920/2026 लखनऊ दिनांक 15 जून 2026 के प्राविधानों के अर्न्तनिहित है।
19. आवेदन पत्र का प्रारूप समस्त बी0आर0सी0 एवं जिला कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

(संदीप कुमार)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
मुजफ्फरनगर।

संस्कृत सामान्यज्ञान प्रतियोगिता में कशिश ने जनपद में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का किया नाम रोशन

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादमी द्वारा प्रायोजित संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के अंतर्गत संस्कृत सामान्यज्ञान प्रतियोगिता में जनता इंटर कॉलेज मुस्तफाबाद पचेंडा में अध्ययनरत अष्टमी कक्षा की छात्रा कशिश ने जनपद में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है तथा साथ ही मंडलस्तर प्रतियोगिता के लिए भी स्थान सुनिश्चित किया है। विद्यालय प्रधानाचार्य देवेश कुमार की सत्प्रेरणा तथा संस्कृत अध्यापक गौरव नौटियाल के प्रशिक्षण व प्रयास से यह प्रथम अवसर है जब विद्यालय परिवार से दो छात्राओं ने प्रतिभाग किया तथा जनपद मुजफ्फरनगर में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति सहित प्रधानाचार्य जी ने बालिका को शुभकामनाएं प्रदान कर उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है तथा अन्य छात्रों को भी कशिश से प्रेरणा लेकर जीवन में उन्नतिपथ पर अग्रसर होने हेतु प्रेरित किया है।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादकः
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
मंगलवार 08 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

ना भूले हैं, ना भूलेंगे...2013 दंगे की बरसी पर मुजफ्फरनगर में विवादित होर्डिंग से मचा हड़कंप

प्रकाश चौक से रोडवेज बस अड्डे के बीच लगाए गए तीन होर्डिंग चर्चा का केंद्र बने, एक होर्डिंग में अखिलेश यादव सोफे पर बैठे तो सामने महिला कलाकारों का नृत्य दिखाया गया, दूसरे होर्डिंग में दंगे से जुड़ी अखबारों की कटिंग

मुजफ्फरनगर। 7 सितंबर का दिन मुजफ्फरनगर के लिए वर्ष 2013 की उन घटनाओं की याद दिलाता है, जिसने पूरे देश का ध्यान जिले की ओर खींच दिया था। 2013 के सांप्रदायिक दंगों की बरसी के बीच सोमवार को शहर के व्यस्त मार्ग पर अचानक लगाए गए तीन होर्डिंग ने हलचल पैदा कर दी। प्रकाश चौक से रोडवेज बस अड्डे के बीच लगाए गए इन होर्डिंग को देखकर राहगीर भी ठिठकते नजर आए और कुछ ही देर में यह शहर में चर्चा का विषय बन गए। इन होर्डिंग में 2013 की घटनाओं को लेकर अलग-अलग संदेश और तस्वीरें प्रदर्शित की गई थीं। एक होर्डिंग पर ह्लना भूले हैं, ना भूलेंगेह्व जैसे शब्द प्रमुखता से लिखे गए थे। वहीं कुछ अखबारों में प्रकाशित 2013 के दंगे से संबंधित खबरों की कटिंग भी होर्डिंग पर प्रदर्शित की गई थी।

अखिलेश यादव की तस्वीर वाले होर्डिंग ने खींचा ध्यान

सबसे ज्यादा चर्चा उस होर्डिंग को लेकर हुई, जिसमें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सोफे पर बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर में उनके सामने कुछ महिला कलाकारों को नृत्य करते हुए दशार्या गया है। व्यस्त चौराहे और शहर के प्रमुख मार्ग पर इस तरह का होर्डिंग अचानक सामने आने से वहां से गुजरने वाले लोगों की निगाहें उस पर टिक गईं। होर्डिंग की तस्वीर और उसके प्रस्तुतिकरण को देखकर कई लोग हैरान भी नजर आए। कुछ ही समय में इसकी चर्चा आसपास के क्षेत्र में फैल गई।

2013 के दंगे की अखबारों की कटिंग भी लगाई गई

होर्डिंग में वर्ष 2013 की घटनाओं से संबंधित उस समय प्रकाशित अखबारों की खबरों की कटिंग भी लगाई गई थी। 7 सितंबर की तारीख और 2013 की घटनाओं का संदर्भ होने के कारण इन होर्डिंग को लेकर राजनीतिक और सामाजिक चचाएं शुरू हो गईं। मुजफ्फरनगर में वर्ष 2013 के दौरान हुए सांप्रदायिक दंगों की यादें आज भी लोगों के बीच संवेदनशील विषय मानी जाती हैं। ऐसे में दंगे से जुड़ी पुरानी खबरों को सार्वजनिक होर्डिंग के माध्यम से प्रदर्शित किए जाने से मामला और अधिक चर्चा में आ गया।

पुलिस ने तत्काल उतरवाए होर्डिंग

होर्डिंग की जानकारी पुलिस तक पहुंचते ही मुजफ्फरनगर पुलिस ने मामले में बिना देरी किए कार्रवाई की और होर्डिंग उतरवा दिए। व्यस्त मार्ग पर लगे इन होर्डिंग को पुलिस की मौजूदगी में हटाया गया, जिसके बाद मौके पर स्थिति सामान्य हो गई। पुलिस की त्वरित कार्रवाई के बाद अब चर्चा इस बात को लेकर भी है कि आखिर ये होर्डिंग किसने लगवाए थे और इन्हें लगाने का उद्देश्य क्या था। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के आधार पर होर्डिंग लगाने वाले व्यक्ति या संस्था की ओर से कोई स्पष्ट आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

राहगीरों में भी बनी चर्चा का विषय

प्रकाश चौक और रोडवेज बस अड्डे के बीच का इलाका शहर के व्यस्त हिस्सों में शामिल है। दिनभर यहां बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। ऐसे में अचानक तीन होर्डिंग लगाए जाने के बाद वहां से गुजरने वाले लोगों ने उन्हें देखा और मोबाइल कैमरों में भी तस्वीरें कैद कीं। ना भूले हैं, ना भूलेंगे जैसे संदेश के साथ 2013 की घटनाओं की कटिंग और राजनीतिक तस्वीरों के इस्तेमाल ने लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी। हालांकि पुलिस द्वारा होर्डिंग हटाए जाने के बाद मामला फिलहाल शांत हो गया, लेकिन शहर में दिनभर इसकी चर्चा होती रही।

संवेदनशील तारीख पर होर्डिंग ने बढ़ाई हलचल

7 सितंबर को 2013 की घटनाओं की बरसी के बीच शहर के प्रमुख मार्ग पर लगाए गए इन होर्डिंग ने एक बार फिर पुराने घटनाक्रम की यादें ताजा कर दीं। एक तरफ दंगे से जुड़ी पुरानी अखबारी खबरों को प्रदर्शित किया गया, तो दूसरी तरफ राजनीतिक संदर्भ वाली तस्वीर सामने आने से मामला और भी चर्चित हो गया। फिलहाल पुलिस द्वारा बिना देरी किए होर्डिंग हटाए जाने के बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इन होर्डिंग को लगाने के पीछे किसका हाथ था और इन्हें किस उद्देश्य से लगाया गया था।

7 सितंबर 2013: मुजफ्फरनगर के इतिहास का वो काला दिन, 13 साल बाद भी नहीं भूलीं दंगे की कड़वी यादें

कवाल की घटना से शुरू हुआ तनाव, नंगला मंदौड़ की महापंचायत के बाद भड़की हिंसा ने बदल दिया पश्चिमी यूपी का माहौल; हजारों परिवार हुए प्रभावित, आज भी 7 सितंबर आते ही ताजा हो जाती हैं पुरानी यादें

मुजफ्फरनगर। तारीख थी 7 सितंबर 2013। पश्चिमी उत्तर प्रदेश का मुजफ्फरनगर अचानक ऐसी हिंसा की चपेट में आ गया, जिसने न सिर्फ जिले बल्कि पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। आज उस भयावह घटनाक्रम को 13 साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन 7 सितंबर की तारीख आते ही वर्ष 2013 की घटनाओं की यादें एक बार फिर लोगों के जेहन में ताजा हो जाती हैं। करीब डेढ़ दशक के करीब पहुंच चुके इस घटनाक्रम के बावजूद मुजफ्फरनगर के लिए 7 सितंबर महज कैलेंडर की एक तारीख नहीं है। यह वह तारीख है, जो हिंसा, भय, पलायन, राहत शिविरों और प्रभावित परिवारों की लंबी कहानी अपने भीतर समेटे हुए है।

वर्ष 2013 में जिले के कवाल गांव में हुई एक घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बनना शुरू हुआ था। घटना के बाद कई स्थानों पर पंचायतें हुईं और राजनीतिक-सामाजिक गतिविधियां तेज हो गईं। देखते ही देखते दोनों समुदायों के बीच तनाव बढ़ता चला गया। हालात को सामान्य करने के प्रयासों के बीच 7 सितंबर 2013 को नंगला मंदौड़ में बड़ी महापंचायत आयोजित हुई। महापंचायत के बाद लौट रही भीड़ और विभिन्न स्थानों पर बने तनावपूर्ण माहौल के बीच हिंसा भड़क गई। इसके बाद हालात तेजी से बिगड़ते चले गए। हिंसा का असर केवल मुजफ्फरनगर शहर तक सीमित नहीं रहा। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ आसपास के इलाकों और शामली जनपद में भी इसका असर दिखाई दिया। कई गांवों में तनाव और हिंसा की घटनाएं सामने आईं। कानून-व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन को बड़े स्तर पर पुलिस और सुरक्षा बल तैनात करने पड़े। कई क्षेत्रों में कर्फ्यू जैसे प्रतिबंध लगाए गए और बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

हजारों लोगों को छोड़ना पड़ा अपना घर

2013 की हिंसा का सबसे बड़ा मानवीय प्रभाव विस्थापन के रूप में सामने आया। हिंसा से प्रभावित बड़ी संख्या में परिवारों ने अपने गांव और घर छोड़कर राहत शिविरों में शरण ली। कई परिवारों के लिए यह विस्थापन सिर्फ कुछ दिनों या महीनों की समस्या नहीं रहा। लोगों के सामने घर, रोजगार, बच्चों की पढ़ाई और दोबारा सामान्य जीवन शुरू करने जैसी बड़ी चुनौतियां खड़ी हो गईं। राहत शिविरों में रहने वाले लोगों की तस्वीरें और उस दौर की खबरें राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बनी थीं। सरकार और प्रशासन की ओर से राहत एवं पुनर्वास के प्रयास किए गए, लेकिन प्रभावित परिवारों के लिए उस दौर से बाहर निकलना आसान नहीं था।

2013 की हिंसा में बड़ी संख्या में लोगों की जान गई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 60 से अधिक लोगों की मौत हुई और सैकड़ों लोग घायल हुए। हिंसा के बाद दर्ज हुए मुकदमों और कानूनी प्रक्रिया का दौर लंबे समय तक चलता रहा। दंगे से जुड़े कई मामलों में जांच, मुकदमे और अदालतों में सुनवाई हुई। समय के साथ अनेक मामलों का निस्तारण भी हुआ, लेकिन दंगे से जुड़े सवाल और इसकी राजनीतिक-सामाजिक व्याख्या आज भी चर्चा में रहती है।

13 साल बाद भी 7 सितंबर बन जाता है चर्चा का दिन

वर्ष 2026 में 7 सितंबर को 2013 की हिंसा के 13 वर्ष पूरे हो रहे हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी इस तारीख को लेकर शहर और जिले में चचाएं तेज हैं। 2013 की घटनाओं से संबंधित पुराने अखबारों की कटिंग, तस्वीरें और संदेश सोशल मीडिया पर भी दिखाई देने लगते हैं। शहर के कुछ हिस्सों में लगाए गए होर्डिंग ने भी इस बार 7 सितंबर से पहले माहौल को चर्चा में ला दिया। एक होर्डिंग पर ह्लना भूले हैं, ना भूलेंगेह्व जैसे शब्दों के साथ 2013 की घटनाओं से संबंधित अखबारों की कटिंग प्रदर्शित किए जाने की बात सामने आई। वहीं एक अन्य होर्डिंग में राजनीतिक तस्वीर को लेकर भी चर्चा हुई। पुलिस ने मामले की जानकारी मिलते ही होर्डिंग हटवा दिए। 2013 के दंगों की बरसी पर हर साल यह सवाल उठता है कि क्या इतने वर्षों बाद भी उस घटना को राजनीतिक और सामाजिक बहस से अलग किया जा सकता है। एक पक्ष इसे पीड़ित परिवारों की पीड़ा और इतिहास को याद रखने का विषय मानता है, जबकि दूसरा पक्ष ऐसी सामग्री को सामाजिक माहौल के लिए संवेदनशील मानता है।

भोकरहेड़ी में दंगों की बरसी पर हवन-यज्ञ और पुष्पांजलि: दिवंगत सोहनवीर सिंह को दी श्रद्धांजलि

मोरना। कस्बा भोकरहेड़ी के मोहल्ला नेहरू चौक स्थित स्वर्गीय सोहनवीर सिंह के आवास पर सोमवार को एक भावुक व गरिमामयी वातावरण में श्रद्धांजलि सभा एवं हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। वर्ष 2013 की दुखद घटना की बरसी पर आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, समाजसेवियों और स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

हवन-यज्ञ से हुई कार्यक्रम की शुरूआत

सोमवार सुबह मोहल्ला नेहरू चौक में स्वर्गीय सोहनवीर के परिजनों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ संपन्न हुआ। पंडित रमेन्द्र शर्मा उर्फ काका जी तथा अंशुल शर्मा ने धार्मिक रीति-रिवाज एवं पूर्ण विधि-विधान के साथ आहुतियां दिलवाकर यज्ञ संपन्न कराया। इसके पश्चात उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत सोहनवीर सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

महापंचायत से लौटते समय हुआ था हादसा

उल्लेखनीय है कि सात सितंबर 2013 को नंगला मंदौड़ में आयोजित महापंचायत से ट्रैक्टर-ट्रालियों द्वारा वापस लौटते समय जौली गंग नहर की पटरी पर हुए सांप्रदायिक उपद्रव व हिंसा में कई बेकसूर लोगों की जान चली गई थी। उन्हीं की स्मृति और तेहरवीं बरसी के अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्धांजलि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के लोगों ने मृतकों के घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी।

सोहनवीर सिंह के विचार सदैव प्रेरणादायक

श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल एवं युवा भाजपा नेता अमित राठी ने स्वर्गीय सोहनवीर सिंह के चित्र पर नमन करते हुए कहा कि उच्च विचारों और संस्कारों से ही एक समृद्ध समाज का निर्माण होता है। स्व. सोहनवीर सिंह ने जीवनभर समाज हित में जो कार्य किए और जो उच्च संस्कार छोड़े हैं, वे आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव मार्गदर्शक और प्रेरणादायक बने रहेंगे।

क्षेत्र के नागरिकों की रही उपस्थिति

इस अवसर पर मुख्य रूप से राजवीर सिंह अमीन, बिजेन्द्र लम्बरदार, जोगिंदर कुमार, योगेश कुमार, जोगिंद्र सिंह वर्मा, हरेन्द्र सिंह, विरेन्द्र सिंह, निर्मला देवी, अर्चना, रजनी वर्मा, आशीष कुमार, शुभम कुमार, कविराज वर्मा, संगीता देवी, जयवीर सिंह तथा डॉ. राजेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। सभी ने परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

मंडावली में शराब की दुकान से नकदी और बोतलें चोरी: सीसीटीवी में कैद हुई चोरो की करतूत, पुलिस जांच में जुटी

खतौली (मुजफ्फरनगर)। जनपद के रतनपुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत मंडावली बांगर गांव में अज्ञात चोरों ने दुस्साहस दिखाते हुए एक शराब की दुकान को निशाना बनाया। शातिर चोर दुकान का ताला और शटर तोड़कर अंदर दाखिल हुए और देशी-अंग्रेजी शराब, बीयर सहित हजारों रुपये की नकदी लेकर रफूचक्कर हो गए। चोरी की यह पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

सुबह दुकान खोलने पहुंचे तो उड़े होश

जनपद के रतनपुरी थाना क्षेत्र के मंडावली बांगर में बिजनौर के थाना रेहड़ क्षेत्र के गांव फतेहपुर निवासी रवि कुमार की दुकान की है। पीड़ित रवि कुमार द्वारा पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, रात को अज्ञात चोरों ने उनकी दुकान का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। घटना की जानकारी अगले दिन की सुबह उस वक्त हुई, जब दुकान के कारिंदे रोजमर्रा की तरह दुकान खोलने पहुंचे। दुकान का टूटा हुआ शटर देख उनके होश उड़ गए।

क्या-क्या ले गए चोर?

दुकान स्वामी के मुताबिक चोर दुकान के अंदर रखी सामग्री और गल्ले पर हाथ साफ कर गए। चोरी गए सामानों में देशी शराब की 2 पेटी, बडवाइजर बीयर की 1 पेटी, एंटीक्विटी ब्लू (अंग्रेजी) के 12 क्वार्टर और 9,000 (गल्ले से) की नकदी शामिल है;

चोरी की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोरों की संदिग्ध गतिविधियां साफ दिखाई दे रही हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्थानीय पुलिस हरकत में आई। रतनपुरी थाना पुलिस ने देर रात इस मामले में आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी करते हुए बताया कि चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

फर्जी अस्पतालों पर कार्रवाई की मांग, सीएमओ से मिला शिवसेना प्रतिनिधिमंडल

निजी अस्पतालों व मेडिकल सेंटरों की नियमित जांच के साथ अचानक निरीक्षण कराने की उठाई मांग

मुजफ्फरनगर। जनपद में संचालित निजी अस्पतालों और मेडिकल सेंटरों में मानकों की अनदेखी तथा उपचार के दौरान होने वाली मौतों के मामलों को लेकर शिवसेना ने स्वास्थ्य विभाग से सख्त कार्रवाई की मांग की है। सोमवार को पश्चिम प्रदेश प्रमुख ललित मोहन शर्मा के निर्देश पर शिवसेना जिला अध्यक्ष बिट्टू सिखेड़ा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार तेवतिया से मुलाकात कर विभिन्न शिकायतों से अवगत कराया।

प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि जनपद में कई स्थानों पर निर्धारित मानकों को पूरा किए बिना अस्पताल और मेडिकल सेंटर संचालित किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। वहीं, कुछ निजी अस्पतालों में उपचार के दौरान लगातार मौत होने के मामलों को लेकर भी लोगों में चिंता बनी हुई है। पदाधिकारियों ने ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

शिवसेना पदाधिकारियों ने कहा कि जनपद में संचालित सभी निजी अस्पतालों और मेडिकल सेंटरों की नियमित जांच के साथ-साथ अचानक निरीक्षण भी कराया जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान संस्थानों के पंजीकरण, चिकित्सकीय स्टाफ, भवन, चिकित्सा उपकरण, अग्निशमन व्यवस्था, साफ-सफाई और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं सहित सभी निर्धारित मानकों की गहनता से पड़ताल की जाए।

प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि जांच में जो अस्पताल अथवा मेडिकल सेंटर निर्धारित मानकों को पूरा नहीं करते पाए जाएं, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही कथित रूप से फर्जी तरीके से संचालित अस्पतालों और सेंटरों को चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए सील किया जाए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार तेवतिया ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से निजी अस्पतालों और मेडिकल सेंटरों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों एवं सेंटरों की जांच व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जाएगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सीएमओ ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य जनपद में ऐसे किसी भी अस्पताल या मेडिकल सेंटर को संचालित नहीं होने देना है, जो निर्धारित नियमों और मानकों को पूरा नहीं करता। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुरक्षा और बेहतर चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विभागीय स्तर पर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

जनपद से छह युवतियों-किशोरियों के लापता होने से हड़कंप, अलग-अलग थानों में दर्ज हुए मुकदमे

कहीं शादी का झांसा देकर युवती को ले जाने का आरोप, कहीं फोन कर बेटी के अपने पास होने की दी जानकारी—परिजनों ने पुलिस से बरामदगी की लगाई गुहार

मुजफ्फरनगर। जनपद में अलग-अलग थाना क्षेत्रों से युवतियों और किशोरियों के लापता होने के छह मामलों में पुलिस ने मुकदमे दर्ज किए हैं। ककरौली, खतौली, फुगाना, पुरकाजी, रतनपुरी और सिखेड़ा थाना क्षेत्रों में सामने आए इन मामलों में परिजनों ने संबंधित युवकों पर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मुकदमे दर्ज कर लापता युवतियों एवं किशोरियों की तलाश शुरू कर दी है।

ककरौली थाना क्षेत्र—युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

ककरौली थाना क्षेत्र के गांव ढांसरी से करीब 21 वर्षीय युवती के लापता होने की शिकायत पुलिस से की गई है। तहरीर के अनुसार घटना 31 अगस्त की सुबह करीब तीन बजे की है। आरोप लगाया गया है कि युवती को उसके रिश्ते में लगने वाला फैजान पुत्र शहजाद निवासी ग्राम ककरौली बहला-फुसलाकर घर से अपने साथ ले गया। परिजनों के अनुसार आसपास के लोगों ने युवती को फैजान और एक अन्य व्यक्ति के साथ जाते हुए देखने की बात बताई। शिकायतकर्ता उस समय तमिलनाडु में काम करता था और परिवार से घटना की जानकारी मिलने के बाद थाने पहुंचा। पुलिस से युवती की बरामदगी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

खतौली थाना क्षेत्र के सैनी नगर से करीब 15 वर्षीय किशोरी के लापता होने का मामला सामने आया है। तहरीर के मुताबिक 5 सितंबर की शाम करीब छह बजे किशोरी दुकान पर सामान लेने गई थी, लेकिन घर वापस नहीं लौटी। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। उसी रात करीब दस बजे एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने अपना नाम यश निवासी टवीटा बताया और कहा कि किशोरी उसके पास है। इसके बाद फोन कट गया। परिजनों ने किशोरी के साथ किसी अप्रिय घटना की आशंका जताते हुए पुलिस से उसे जल्द बरामद कराने और यश के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

फुगाना—15 साल से साथ रह रही 20 वर्षीय युवती को ले जाने का आरोप

फुगाना थाना क्षेत्र के गांव खरड़ से करीब 20 वर्षीय युवती के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई गई है। तहरीर में बताया गया है कि युवती पिछले करीब 15 वर्षों से शिकायतकर्ता के साथ रह रही थी। आरोप है कि 2 सितंबर को गोविन्द निवासी ग्राम कंडेला, थाना कोतवाली शामली युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन युवती का पता नहीं चला। इसके बाद थाने पहुंचकर पुलिस से कानूनी कार्रवाई की मांग की गई।जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

पुरकाजी: बीमार किशोरी रात में घर से गायब, अज्ञात पर शक

पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव कम्हेड़ा में करीब 17 वर्षीय किशोरी के रात में घर से लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों के अनुसार किशोरी को बुखार था। 29-30 अगस्त की रात परिवार के सो जाने के बाद वह बिना बताए घर से चली गई। सुबह करीब चार बजे परिजनों को उसके घर में नहीं होने की जानकारी हुई। इसके बाद रिश्तेदारियों और आसपास के संभावित स्थानों पर तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इस मामले में किसी व्यक्ति का नाम तहरीर में नहीं दिया गया है। परिजनों ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका जताते हुए पुलिस से किशोरी को बरामद करने की मांग की है।

रतनपुरी: शादी का झांसा देने का आरोप, अयान और अरमान के नाम

रतनपुरी थाना क्षेत्र के गांव सिकन्दरपुर से करीब 16-17 वर्षीय किशोरी के लापता होने की शिकायत की गई है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि अयान पुत्र समशाद निवासी ग्राम सिकन्दरपुर शादी का झांसा देकर किशोरी को 4 सितंबर को अपने साथ ले गया। तहरीर में अयान के साथी अरमान पुत्र सलमुद्दीन का नाम भी दिया गया है। शिकायत के मुताबिक दो लोगों ने दोनों युवकों को किशोरी के साथ जाते हुए देखने का दावा किया है। परिजनों ने पुलिस से किशोरी की सकुशल बरामदगी और दोनों आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है।पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है।

सिखेड़ा: शादाब पर 18 वर्षीय युवती को ले जाने का आरोप

सिखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव निराना से करीब 18 वर्षीय युवती के लापता होने की शिकायत सामने आई है। तहरीर के मुताबिक 6 सितंबर की सुबह करीब चार बजे युवती घर से लापता हुई। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। तहरीर में गांव के ही शादाब पुत्र यामीन निवासी ग्राम निराना पर युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया गया है। पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर युवती की सकुशल बरामदगी की मांग की गई है।परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर युवती की बरामदगी के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

एक साथ जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सामने आए इन मामलों के बाद पुलिस ने लापता युवतियों और किशोरियों की तलाश तेज कर दी है। पुलिस संबंधित नामजद आरोपियों की भूमिका की जांच करने के साथ-साथ संभावित ठिकानों और अन्य सुरागों के आधार पर कार्रवाई कर रही है।

पत्नी की हत्या के दोषी पति को आठ साल बाद फांसी की सजा, एक लाख का जुमार्ना

शहजादी हत्याकांड में मुजफ्फरनगर न्यायालय का बड़ा फैसला, न्यायालय की मार्मिक टिप्पणी

मुजफ्फरनगर। दहेज की मांग को लेकर पत्नी को प्रताड़ित करने और फिर मिट्टी का तेल छिड़ककर आग के हवाले करने के करीब आठ वर्ष पुराने मामले में मुजफ्फरनगर न्यायालय ने बड़ा और सख्त फैसला सुनाया है। न्यायालय ने विवाहिता शहजादी की हत्या के दोषी उसके पति नदीम को मृत्युदंड यानी फांसी की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोषी पति पर एक लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। सोमवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर ने सजा सुनाते हुए महिला की गरिमा, स्वतंत्रता और मानवीय पहचान को लेकर बेहद गंभीर और मार्मिक टिप्पणी की। न्यायालय की टिप्पणी में कहा गया कि एक महिला का जीवन केवल उसकी शारीरिक उपस्थिति तक सीमित नहीं है। उसके साथ उसकी गरिमा, स्वतंत्रता और मानवीय पहचान भी जुड़ी होती है। किसी महिला को हिंसक तरीके से जलाकर उसकी मृत्यु कारित करना उसके जीवन पर अंतिम आघात करने के साथ-साथ उसकी मानवीय गरिमा के प्रति गंभीर अवमानना को भी प्रदर्शित करता है।

2015 में निकाह, तीन साल बाद दर्दनाक मौत

अभियोजन के अनुसार बागपत के निवाड़ा निवासी दिलशाद ने शाहपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया था कि उनकी बेटी शहजादी का निकाह 10 जनवरी 2015 को नदीम पुत्र सलीम निवासी सितारा मस्जिद, कस्बा शाहपुर के साथ हुआ था। शादी के बाद शहजादी अपने ससुराल में रहने लगी, लेकिन कुछ समय बाद ही उसके साथ कथित रूप से उत्पीड़न शुरू हो गया। मायके पक्ष का आरोप था कि ससुराल पक्ष के लोग दहेज में बाइक और एक लाख रुपये की मांग करते थे। मांग पूरी न होने पर शहजादी को प्रताड़ित किया जाता था।

बेटे के जन्म के बाद भी जारी रहा कथित उत्पीड़न

मुकदमे के अनुसार शहजादी ने शादी के बाद एक पुत्र को जन्म दिया। परिवार को उम्मीद थी कि बच्चे के जन्म के बाद ससुराल पक्ष का व्यवहार बदलेगा और विवाद समाप्त हो जाएगा, लेकिन अभियोजन के अनुसार ऐसा नहीं हुआ। आरोप है कि बेटे के जन्म के बाद भी शहजादी को दहेज की मांग को लेकर परेशान किया जाता रहा। मायके पक्ष ने आरोप लगाया कि शहजादी लगातार ससुराल में प्रताड़ना झेल रही थी। इसके बाद 23 जुलाई 2018 की रात करीब आठ बजे उसके साथ मारपीट की गई और उस पर मिट्टी का तेल छिड़ककर आग लगा दी गई।

मारपीट के बाद मिट्टी का तेल डालकर जलाने का आरोप

मामले में आरोप लगाया गया था कि घटना के समय शहजादी के पति नदीम के अलावा उसकी ननद और सास भी मौजूद थीं और उसके साथ मारपीट की गई। इसके बाद शहजादी पर मिट्टी का तेल छिड़ककर उसे जला दिया गया। आग में गंभीर रूप से झुलसी शहजादी को उपचार के लिए ले जाया गया, लेकिन उसकी हालत गंभीर बनी रही। उपचार के बावजूद 28 जुलाई 2018 को उसकी मौत हो गई। शहजादी की मौत के बाद मामला गंभीर हत्या के मुकदमे में बदल गया और पुलिस ने विवेचना के बाद न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया।

आठ वर्ष तक न्यायालय में चला मुकदमा

इस मामले की न्यायिक प्रक्रिया करीब आठ वर्षों तक चली। लंबी सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने मामले को साबित करने के लिए न्यायालय के समक्ष 11 गवाह पेश किए। इसके अलावा पोस्टमार्टम रिपोर्ट समेत अन्य दस्तावेजी साक्ष्यों को भी न्यायालय के समक्ष रखा गया। अभियोजन पक्ष ने उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर आरोपी पति को घटना का दोषी साबित करने का प्रयास किया। मामले में दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद न्यायालय ने अपना निर्णय सुनाया।

27 अगस्त को दोषी करार, सोमवार को फांसी की सजा

मामले में न्यायालय ने 27 अगस्त को पति नदीम को दोषी करार दिया था। इसके बाद सजा के बिंदु पर सुनवाई हुई। सोमवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर ने दोषी नदीम को मृत्युदंड की सजा सुनाई।

संपादकीय

हर तरफ सिर्फ तबाही, हिमनद झीलों के खतरे को नजरअंदाज करना पड़ा भारी

नेपाल त्रासदी के बाद की जो तस्वीरें आई हैं वह बेहद ही मार्मिक हैं। इन्हें देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कुदरत की इस तबाही के बाद वहां का हाल कैसा है। न लोगों के पास रहने के लिए घर है और न ही सोने के लिए छत है। हर तरफ तबाही का मंजर था। कुदरत की इस तबाही के बाद वहां का हाल कैसा है। जहां तक नजर जाएगी वहां सिर्फ और सिर्फ टूटे मकान, बिखरे सामान और सड़कों पर रहने के लिए बेबस लोग नजर आएंगे। नेपाल और तिब्बत के सीमांत इलाकों में आई विनाशकारी बाढ़ ने प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। हिमनद टूटने और ग्लेशियल झीलों के बढ़ते खतरे के बीच भारत के हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम जैसे हिमालयी राज्यों के लिए भी यह बड़ी चेतावनी है। नेपाल और तिब्बत के सीमांत इलाकों में आई विनाशकारी बाढ़ के कारणों का विश्लेषण और नतीजों का आकलन अभी जारी रहेगा, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर इस जरूरत को रेखांकित किया है कि आशंकाओं की अनदेखी या उसके प्रति उदासीनता का परिणाम क्या हो सकता है। नेपाल का जो समूचा इलाका हिमनद टूटने की वजह से तबाह हो गया, जानमाल की व्यापक क्षति हुई, उसका आम लोग भले ही ठीक-ठीक अनुमान नहीं लगा सकें होंगे, लेकिन सरकार की नजर स्थानीय उथल-पुथल के संकेतों पर रहनी चाहिए थी।साथ ही अन्य देशों में ऐसी स्थितियों के असर की आशंका हो, तो वहां की एजेंसियों के साथ तालमेल से कुछ एहतियाती कदम उठाए जा सकते थे। खासतौर पर तब, जब नेपाल-तिब्बत के इस इलाके में बर्फ और चट्टानों वाला हिमस्खलन होने और उसकी वजह से बाढ़ आने की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। ऐसे में सावधानी बरतना एक नियमित तकाजा था। हालांकि यह सही है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोकना संभव नहीं है, लेकिन अगर अचानक उपजने वाले खतरों को ध्यान में रख कर बचाव के पूर्व-इंतजाम किए जाएं, तो नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।जाहिर है, अब नेपाल को अगले कुछ समय तक के लिए, तबाह हो गए इलाकों में बचे-खुचे को संभालने, लापता लोगों की खोज, पुनर्वास और पुनर्निर्माण को लेकर कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। बेशक वह अपने स्तर पर यह सब करने की कोशिश करेगा, लेकिन ऐसे समय में दूसरे देशों की सहायता भी काफी मायने रखती है। प्रभावित सभी इलाकों में हुए नुकसान का आकलन सामने आने के बाद पूरी तस्वीर साफ होगी, लेकिन फिलहाल नेपाल के वित्त मंत्री का कहना है कि इस प्रलयंकारी बाढ़ से हुई क्षति की भरपाई के लिए देश को चार-पांच अरब डालर की जरूरत होगी। यह समझा जा सकता है कि अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर पहले ही कई तरह के दबाव झेल रहे नेपाल के सामने अब इस त्रासदी की वजह से जो मुश्किल पैदा होगी, उससे निपटना उसके लिए एक बड़ी चुनौती होगी। इसके अलावा, इस बात का अध्ययन करने की जरूरत है कि व्यापक तबाही वाली इस बाढ़ की प्रकृति, रफ्तार और नुकसान पहुंचाने का दायरा इतना अलग क्यों था और इसकी वजहें क्या होंगी।

शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ शिक्षक की भूमिका भी बदल रही है। कभी शिक्षा को 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात् मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज अनेक बार उसका लक्ष्य केवल 'नियुक्ति' प्राप्त करने तक सिमटता दिखाई देता है। ज्ञान का मूल्य इस आधार पर तय होने लगा है कि उससे कितनी आय और कितना ऊंचा पद प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, लेकिन सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। आज शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। शिक्षा जहां मिशन और सामाजिक दायित्व होनी चाहिए थी, वहां कई स्थानों पर वह व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देती है।

शिक्षा कोरी नियुक्ति ही नहीं, मुक्ति का माध्यम बने

(ललित गर्ग)

महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन-दृष्टि हो सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की इच्छा व्यक्त की थी। तभी से 5 सितंबर देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि भारत की शिक्षा-दृष्टि, शिक्षक की भूमिका और भावी पीढ़ी के निर्माण पर गंभीर आत्ममंथन का दिन है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके विद्यालयों की संख्या, भवनों की भव्यता, पुस्तकों की उपलब्धता या परीक्षाओं के परिणामों से निर्धारित नहीं होता, बल्कि इस बात से तय होता है कि उसके विद्यालयों से निकलने वाला मनुष्य कितना ज्ञानवान, विवेकशील, संवेदनशील, चरित्रवान और उत्तरदायी है। इसलिए आज देश में केवल शिक्षा क्रांति की नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति की भी आवश्यकता है। यदि शिक्षा का स्वरूप बदलना है तो शिक्षा देने वाले व्यक्ति की चेतना, दृष्टि और कार्यशैली में भी परिवर्तन लाना होगा। पूरे देश में समान गुणवत्ता वाली शिक्षा की दिशा में प्रयास तभी सफल होंगे, जब प्रत्येक बच्चे को समान अवसर के साथ योग्य, संस्कारवान और प्रतिबद्ध शिक्षक मिलें। भारत की परंपरा में शिक्षा का अर्थ कभी केवल सूचना और रोजगार प्राप्त करना नहीं रहा। हमारी ज्ञान-परंपरा में गुरु वह था जो अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता था। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' भारतीय शिक्षा-दृष्टि की मूल चेतना को भी व्यक्त करता है। विद्या वह है जो मनुष्य के भीतर विवेक जगाए, उसके आचरण को परिष्कृत करे, उसे आत्मसंयम सिखाए और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी बनाए। आज यदि शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी, पद, वेतन और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होता जा रहा है तो हमें शिक्षा की आत्मा को पुनः खोजने की आवश्यकता है।

शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ शिक्षक की भूमिका भी बदल रही है। कभी शिक्षा को 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात् मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज अनेक बार उसका लक्ष्य केवल 'नियुक्ति' प्राप्त करने तक सिमटता दिखाई देता है। ज्ञान का मूल्य इस आधार पर तय होने लगा है कि उससे कितनी आय और कितना ऊंचा पद प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, लेकिन सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। आज शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। शिक्षा जहां मिशन और सामाजिक दायित्व होनी चाहिए थी, वहां कई स्थानों पर वह व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देती है। जब ज्ञान की कीमत बाजार तय करने लगे और शिक्षक की सफलता केवल परिणाम तथा वेतन से मापी जाने लगे, तब शिक्षा के मानवीय और संस्कारात्मक पक्ष का कमजोर होना स्वाभाविक है। इसके साथ गुरु-शिष्य संबंधों में भी अनेक स्तरों पर दूरी दिखाई दे रही है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच दुर्व्यवहार, अनुशासनहीनता और हिंसा की घटनाएं हमें चेताती हैं कि केवल पाठ्यक्रम बदलने से शिक्षा का संकट समाप्त नहीं होगा। हमें संबंधों की संस्कृति, संवाद की परंपरा और पारस्परिक सम्मान को भी पुनर्जीवित करना होगा।

महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन-दृष्टि हो सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की इच्छा व्यक्त की

थी। तभी से 5 सितंबर देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि शिक्षक का सम्मान केवल इसलिए नहीं कि वह पढ़ाता है, बल्कि इसलिए कि वह समाज की चेतना को दिशा देता है। वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। विद्यार्थी के सामने आज पुस्तक के अतिरिक्त इंटरनेट, सामाजिक माध्यम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और असंख्य डिजिटल स्रोत उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षक की उपयोगिता कम नहीं हुई, बल्कि और बढ़ी है। अब शिक्षक को केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सही जानकारी और गलत सूचना में अंतर समझाने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। उसे विद्यार्थी को यह सिखाना होगा कि ज्ञान का उपयोग किस उद्देश्य से और किस जिम्मेदारी के साथ किया जाए। तकनीक शिक्षा का विकल्प नहीं, शिक्षक के हाथ में एक प्रभावी साधन बननी चाहिए।

महात्मा गांधी ने सर्वांगीण विकास में आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म के संतुलन को महत्व दिया था। स्वामी विवेकानंद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के भीतर निहित शक्तियों को जागृत करना है। इन दोनों दृष्टियों को आज की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थी का मस्तिष्क ज्ञान से समृद्ध हो, हाथ कौशल से सक्षम हों, हृदय करुणा से भरा हो और चरित्र सत्य तथा ईमानदारी पर आधारित हो-यही वास्तविक सर्वांगीण शिक्षा है। केवल प्रतिभाशाली मनुष्य नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाना शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। आचार्य महाप्रज्ञ ने व्यक्तित्व-निर्माण को अत्यंत कठिन कार्य माना और इसके लिए निःस्वार्थ तथा जागरूक शिक्षक की आवश्यकता बताई। वास्तव में शिक्षक का सबसे प्रभावी पाठ उसकी पुस्तक नहीं, उसका अपना जीवन होता है। विद्यार्थी शिक्षक की कही बात से अधिक उसके व्यवहार को ग्रहण करता है। शिक्षक सत्यनिष्ठ है तो सत्य का संस्कार देता है, समय का सम्मान करता है तो अनुशासन सिखाता है, विनम्र है तो विनम्रता पैदा करता है और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित है तो समर्पण का उदाहरण बनता है। इसलिए शिक्षक प्रशिक्षण केवल नई शिक्षण पद्धतियों और तकनीकों तक सीमित नहीं होना चाहिएय उसमें चरित्र, संवेदनशीलता, संवाद-कौशल, मानसिक संतुलन, नैतिक नेतृत्व और भारतीय मूल्य-दृष्टि का भी प्रशिक्षण होना चाहिए।

शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों के दायरे से बाहर निकालना भी समय की मांग है। अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन अच्छे अंक अच्छे मनुष्य होने की गारंटी नहीं हैं। राष्ट्र को कुशल वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता और प्रबंधक जितने चाहिए, उतने ही ईमानदार नागरिक, संवेदनशील परिवारजन, जिम्मेदार सामाजिक कार्यकर्ता और विवेकशील नेतृत्वकर्ता भी चाहिए। इसलिए मूल्यांकन में ज्ञान के साथ रचनात्मकता, समस्या-समाधान, सहयोग, सामाजिक संवेदना, नैतिक निर्णय क्षमता और व्यवहार को भी महत्व मिलना चाहिए। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला, कौशल-आधारित और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार सामने रखे हैं। लेकिन किसी नीति की वास्तविक सफलता उसके दस्तावेज में नहीं, उसके धरातलीय परिणामों में दिखाई देती है। छह वर्ष के अनुभव के बाद यह आवश्यक है कि सरकार, शिक्षाविद, शिक्षक, अभिभावक और समाज मिलकर निष्पक्षता से समीक्षा करें कि नीति के कौन-से उद्देश्य विद्यालयों तक प्रभावी रूप से पहुंचे और कहां अभी दूरी बनी हुई है। केवल पाठ्यक्रम बदलना पर्याप्त नहीं है। शिक्षक, विद्यालयी संस्कृति, परीक्षा प्रणाली, अभिभावकीय अपेक्षाएं और शिक्षा के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण-इन सभी में परिवर्तन आवश्यक है। यदि देश में 'एक जैसी शिक्षा' की बात हो रही है तो उसका अर्थ सांस्कृतिक एकरूपता नहीं, बल्कि समान गुणवत्ता और समान अवसर होना चाहिए। भारत की विविधता उसकी शक्ति है। स्थानीय भाषा, लोकज्ञान, क्षेत्रीय संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करते हुए प्रत्येक बच्चे को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, वैश्विक ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टि की समान सुविधा मिलनी चाहिए।

आज शिक्षक दिवस पर सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि हमारे विद्यालयों से कैसे मनुष्य निकल रहे हैं। यदि शिक्षा मनुष्य को अधिक विवेकशील, विनम्र, निर्भीक, करुणामय, सत्यनिष्ठ और उत्तरदायी बना रही है तो वह सफल शिक्षा है। भारत के पास दुनिया को देने के लिए केवल आधुनिक विज्ञान और तकनीकी प्रतिभा नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की ज्ञान-संपदा, आध्यात्मिक दृष्टि और मानवीय मूल्यों की महान परंपरा भी है। यदि आधुनिक विज्ञान और तकनीक का समन्वय भारतीय जीवन-मूल्यों के साथ कर दिया जाए तो भारत की शिक्षा व्यवस्था विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन की नहीं, चेतना परिवर्तन की है। केवल रोजगारपरक शिक्षा की नहीं, जीवनपरक शिक्षा की है। शिक्षक राष्ट्र का मौन शिल्पकार है। उसके हाथों में केवल एक विद्यार्थी का भविष्य नहीं, आने वाले भारत का चरित्र है। यदि शिक्षक जागेगा तो पीढ़ी जागेगी, पीढ़ी जागेगी तो समाज बदलेगा और समाज बदलेगा तो राष्ट्र नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। यही शिक्षक दिवस का वास्तविक संदेश और विकसित, संस्कारित एवं विश्व का मार्गदर्शन करने वाले भारत की सबसे मजबूत आधारशिला हो सकती है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

उप्र 2027- चुनावी बिसात और बदलते समीकरण

(अशोक भाटिया)

सपा की इस रणनीति के जवाब में भारतीय जनता पार्टी भी खामोश नहीं बैठी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा ने अपनी संगठन मशीनरी को पूरी तरह से चुनावी मोड में डाल दिया है। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका पन्ना प्रमुख और बूथ स्तर का ढांचा माना जाता है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति को भारतीय लोकतंत्र का हृदयस्थल माना जाता है। दिल्ली की गद्दी का रास्ता लखनऊ के गलियारों से होकर गुजरता है, यही कारण है कि देश के इस सबसे बड़े सूबे में होने वाली हर छोटी-बड़ी राजनीतिक हलचल का असर राष्ट्रीय फलक पर साफ दिखाई देता है। वर्ष 2026 की समाप्ति के करीब आते ही और 2027 के विधानसभा चुनावों की आहट के साथ उत्तर प्रदेश में राजनीतिक दलों के बीच शह-मात का खेल पूरी तरह से शुरू हो चुका है। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों ने सूबे की राजनीतिक जमीन को जो नई शक्ल दी थी, उसके बाद हर दल अपनी रणनीतियों को धार देने में जुटा है। एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार तीसरी बार उत्तर प्रदेश की सत्ता पर काबिज होकर इतिहास रचने की कवायद में जुटी है, वहीं दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी अपने 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले के सहारे दस साल के सत्ता के वनवास को खत्म करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। इस बार का चुनाव केवल पारंपरिक नारों या वादों पर आधारित नहीं रहने वाला, बल्कि यह जमीन पर रची जा रही नई सामाजिक और गठबंधन राजनीति की प्रयोगशाला बनने जा रहा है।

इस राजनीतिक उठापटक और नए समीकरणों के निर्माण के बीच हाल ही में लखनऊ से एक बेहद महत्वपूर्ण और रणनीतिक खबर सामने आई, जिसने राज्य के सियासी हलकों में नई बहस छेड़ दी है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव तथा कॉकरोच जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका के बीच लखनऊ में लगभग 90 मिनट यानी डेढ़ घंटे तक चली बंद कमरे की मैराथन मुलाकात ने राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया है। इस मुलाकात के मायने केवल एक शिष्टाचार भेंट तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह 2027 के महासमर से पहले उत्तर प्रदेश की युवा और छात्र राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है। आशुतोष रांका और अखिलेश यादव के बीच हुई इस चर्चा के केंद्र में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के नौजवानों के मुद्दे, लगातार होती परीक्षाओं के पेपर लीक, बेरोजगारी, छात्रों की समस्याएं और उच्च शिक्षा में आ रही गिरावट जैसे विषय शामिल रहे।

पार्टी के भीतर और बाहर इस मुलाकात को प्लान 2027 के एक अहम हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया और बेहद जागरूक मतदाता वर्ग तैयार हो चुका है, जिसे राजनीतिक विश्लेषक जेन-जी या पहली बार मतदान करने वाले युवा कहते हैं। यह युवा वर्ग पारंपरिक जातिगत राजनीति से ऊपर उठकर रोजगार, निष्पक्ष परीक्षाओं और आधुनिक अवसरों की मांग कर रहा है। अखिलेश यादव बखूबी जानते हैं कि केवल पारंपरिक मुस्लिम-यादव समीकरण या केवल सामान्य गठबंधनों के बूते भाजपा जैसी विशाल और साधन-संपन्न चुनावी मशीनरी को मात देना असंभव है। यही वजह है कि लोकसभा चुनाव में मिली सफलता के बाद सपा अब छोटे-छोटे वैचारिक समूहों, छात्र संगठनों और युवाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले चेहरों को अपने पाले में लाकर भाजपा के उस युवा वोट बैंक में सेंध लगाना चाहती है, जो कभी भगवा दल की सबसे बड़ी ताकत हुआ करता था। रांका और अखिलेश यादव की यह मुलाकात इस बात की तस्दीक करती है कि विपक्ष इस बार युवाओं के आक्रोश को एक ठोस राजनीतिक वोट बैंक में बदलने की मुकम्मल तैयारी कर चुका है।

हालांकि, इस मुलाकात पर भाजपा ने भी फौरन तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा प्रवक्ताओं का कहना है कि विपक्ष के पास कोई ठोस नीति या विकास का एजेंडा नहीं है, इसलिए वह केवल भ्रम फैलाने और छोटे-छोटे संगठनों के सहारे अपनी डूबती नैया बचाने का प्रयास कर रहा है। लेकिन राजनीति के जानकार इसे अलग नजरिए से देखते हैं। उनका मानना है कि उत्तर प्रदेश में जब भी कोई बड़ा सत्ता परिवर्तन हुआ है, उसके मूल में युवाओं और छात्रों का आंदोलन या उनका असंतोष ही रहा है। ऐसे में सीजेपी जैसी युवा केंद्रित ताकतों और सपा का करीब आना भविष्य के एक नए और बड़े सामाजिक-राजनैतिक मोर्चे की बुनियाद रख सकता है।

यदि हम उत्तर प्रदेश की समूची राजनैतिक बिसात पर नजर डालें, तो इस समय सबसे बड़ा टकराव नैरेटिव यानी विमर्श गढ़ने को लेकर चल रहा है। समाजवादी पार्टी ने इस बार आरक्षण और संविधान को अपनी राजनीति के केंद्र में रख दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष को संविधान बचाओ के नारे से जो अप्रत्याशित लाभ मिला था, अखिलेश यादव उसे 2027 तक कायम रखना चाहते हैं। हालिया महीनों में उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण की स्थिति, 69000 शिक्षक भर्ती का विवाद और पिछड़े-दलित वर्गों के प्रतिनिधित्व को लेकर सपा ने एक आक्रामक रुख अख्तियार किया है। अखिलेश यादव लगातार जनसभाओं और सोशल मीडिया के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं कि वर्तमान सत्ताधारी दल दलितों और पिछड़ों के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करने की साजिश रच रहा है। इस नैरेटिव के जरिए सपा सीधे तौर पर भाजपा के गैर-यादव ओबीसी और गैर-जाटव दलित वोट बैंक पर निशाना साध रही है।

बिखरते रिश्तों के बीच अकेला पड़ता बचपन, बच्चों के मन पर पड़ रही परिवार की दरार

घर का तनावपूर्ण वातावरण बच्चों के व्यक्तित्व पर गहरा असर डालता है। माता-पिता के बीच रोज-रोज होने वाले झगड़े, कटुता और आरोप-प्रत्यारोप बच्चों को भीतर से अस्थिर कर देते हैं। ऐसे बच्चे कई बार अपने घर के माहौल की तुलना मित्रों और रिश्तेदारों के घरों से करने लगते हैं। जब उन्हें दूसरे परिवारों में सहजता और अपनापन दिखाई देता है, तो उनके भीतर शिकायतों और सवालों का एक संसार जन्म लेने लगता है, लेकिन अक्सर वे अपनी पीड़ा किसी से कह भी नहीं पाते। नकारात्मक व्यवहार और पारिवारिक कलह के बीच बड़े होते बच्चों के मन में अनेक प्रश्न दस्तक देने लगते हैं।

(मोनिका शर्मा)

आज के बच्चे कम उम्र में ही घर के बदलते माहौल को समझने लगे हैं, लेकिन विडंबना यह है कि एकल परिवारों में उनके पास अक्सर कोई मजबूत भावनात्मक सहारा नहीं होता। हाल ही में महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत ने बिखरते पारिवारिक परिवेश और बच्चों के भावनात्मक संसार को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। शुरुआत में खबर आई थी कि आइफोन की चाहत पूरी न होने पर 18 वर्षीय युवक ने पहाड़ी से कूदकर आत्महत्या कर ली। हालांकि पुलिस जांच में घटना के पीछे कहीं अधिक गंभीर और जटिल पारिवारिक परिस्थितियां सामने आईं। जांच के अनुसार, युवक अपने माता-पिता के बीच बढ़ती दूरियों और पारिवारिक संबंधों की उलझनों से मानसिक रूप से परेशान था।

बताया गया कि पारिवारिक विवादों से व्यथित युवक पहाड़ी पर खड़ा होकर माता-पिता को अपनी जान देने की धमकी दे रहा था। उसे बचाने के लिए पुलिस, अग्निशमन दल और परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। लंबे समय तक समझाइश, मिन्नतों और भावनात्मक अपीलों का दौर चलता रहा, लेकिन मानसिक रूप से बेहद तनावग्रस्त युवक पर किसी की बात का असर नहीं हुआ। उसे बचाने के प्रयास में उसके पिता का भी संतुलन बिगड़ गया और दोनों करीब 300 फीट नीचे जा गिरे। इस भयावह दृश्य के बीच वहां मौजूद मां ने भी पहाड़ी से छलांग लगा दी। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत उस भावनात्मक संकट का प्रतीक है, जो परिवारों के भीतर चुपचाप आकार ले रहा है।

आज के बच्चे कम उम्र में ही घर के बदलते माहौल को समझने लगे हैं, लेकिन विडंबना यह है कि एकल परिवारों में उनके पास अक्सर कोई मजबूत भावनात्मक सहारा नहीं होता। कहीं माता-पिता के अलगाव की वर्षों तक चलने वाली कानूनी प्रक्रिया बच्चों को असुरक्षित बना देती है, तो कहीं एक ही छत के नीचे रहते हुए रिश्तों में आई खामोश दरारें उनके मन में भय पैदा करती रहती हैं।

घर का तनावपूर्ण वातावरण बच्चों के व्यक्तित्व पर गहरा असर डालता है। माता-पिता के बीच रोज-रोज होने वाले झगड़े, कटुता और आरोप-प्रत्यारोप बच्चों को भीतर से अस्थिर कर देते हैं। ऐसे बच्चे कई बार अपने घर के माहौल की तुलना मित्रों और रिश्तेदारों के घरों से करने लगते हैं। जब उन्हें दूसरे परिवारों में सहजता और अपनापन दिखाई देता है, तो उनके भीतर शिकायतों और सवालों का एक संसार जन्म लेने लगता है, लेकिन अक्सर वे अपनी पीड़ा किसी से कह भी नहीं पाते।नकारात्मक व्यवहार और पारिवारिक कलह के बीच बड़े होते बच्चों के मन में अनेक प्रश्न दस्तक देने लगते हैं। वे समझ नहीं पाते कि माता-पिता के

बीच रोज-रोज की नाराजगी और तल्खी का कारण क्या है। उनके सामने सबसे बड़ी उलझन यह होती है कि आखिर कौन सही है और कौन गलत। कई बार माता-पिता अनजाने में बच्चों को अपने विवादों का हिस्सा बना लेते हैं और उनसे दूसरे अभिभावक के पक्ष या विपक्ष में खड़े होने की अपेक्षा करते हैं। यह स्थिति बच्चे के मन पर असहनीय दबाव डाल सकती है।कई परिवारों में बच्चों को माता-पिता के हिंसक व्यवहार का भी सामना करना पड़ता है। पहले से तनाव और असुरक्षा से जूझ रहा बालमन ऐसे व्यवहार से आहत होता है। संवेदनात्मक स्तर पर अकेले पड़ते बच्चों में से कुछ घर छोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, तो कुछ गंभीर आत्मघाती विचारों की ओर बढ़ रहे हैं। पारिवारिक विवादों से जुड़े अध्ययनों में संकेत मिला है कि बच्चों के घर छोड़ने के पीछे बड़ों का अपमानजनक व्यवहार और घर का असुरक्षित वातावरण खास कारणों में शामिल होता है।

वास्तव में, बच्चे चाहे छोटे हों या किशोरावस्था में पहुंच चुके हों, उनकी दुनिया माता-पिता से गहराई से जुड़ी होती है। खुशी की चहक हो या सुरक्षा का एहसास, बालमन अपनी अनुभूतियों को परिवार के साये में ही आकार देता है। इसके विपरीत, लंबे समय तक माता-पिता के संबंधों में नकारात्मकता देखने वाले बच्चों का मन और मस्तिष्क इस उहापोह से अछूता नहीं रह सकता। उनका विश्वास टूटने लगता है, उम्मीदें बिखरने लगती हैं और भय तथा असुरक्षा धीरे-धीरे उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाते हैं।

सूचनाओं और तकनीक की भरमार वाले इस दौर में बच्चे पहले की तुलना में अधिक जागरूक हैं। वे घर के तनाव, आर्थिक समस्याओं, रिश्तों की दूरी और माता-पिता के व्यवहार को समझते और महसूस करते हैं। इसलिए अभिभावकों को भी बच्चों के मनोभावों को समझने के लिए अधिक संवेदनशील होना होगा। परिवार का तनावपूर्ण माहौल बच्चे के विकास के हर मोर्चे पर जोखिम पैदा कर सकता है। बच्चे निराशावादी हो सकते हैं और अपने मन की बातें साझा करना बंद कर सकते हैं।

मनोवैज्ञानिक शोध भी पारिवारिक अस्थिरता के बच्चों पर पड़ने वाले प्रभावों की ओर संकेत करते हैं। अस्थिर पारिवारिक वातावरण में बड़े होने वाले बच्चों में चिंता, तनाव और कम आत्मसम्मान जैसी समस्याएं अधिक देखने को मिल सकती हैं। माता-पिता की उदासी, घर में लगातार विवाद, अपमानजनक व्यवहार और असुरक्षित वातावरण उनके विकास को प्रभावित करते हैं। कई बच्चे मानवीय संबंधों, विश्वास और संवाद की स्वस्थ समझ विकसित करने में कठिनाई महसूस करते हैं और अधूरे आत्मविश्वास के साथ बड़े होते हैं।

स्पष्ट है कि माता-पिता का मनमुटाव बच्चों के मन का वातावरण भी बदल देता है। अभिभावकों का अलगाव हो या साथ रहते हुए लगातार चलने वाली कटुता, दोनों ही स्थितियां बच्चों के जीवन को अशांति और उलझनों से भर सकती हैं। माता-पिता के बीच असहमतियों और नकारात्मक टिप्पणियों का प्रतिदिन सामना करने वाले बच्चों की जिंदगी कई बार दिशाहीन हो जाती है।

यह समस्या केवल आम परिवारों तक सीमित नहीं है। चर्चित और संपन्न परिवारों में भी रिश्तों का बिखराव बच्चों को प्रभावित करता है। यही कारण है कि न्यायालय भी वैवाहिक विवादों में बच्चों के हित और उनकी भावनात्मक स्थिरता को विशेष महत्त्व देते रहे हैं। कुछ समय पहले दिल्ली उच्च न्यायालय में एक वैवाहिक विवाद की सुनवाई के दौरान जुड़वां बच्चियों ने माता-पिता के झगड़ों और आपसी हिंसा को लेकर अपनी पीड़ा व्यक्त की थी। बच्चियों की बातों ने यह स्पष्ट कर दिया कि माता-पिता के विवादों की सबसे बड़ी कीमत अक्सर बच्चे चुकाते हैं।

ऐसे में जरूरी है कि अभिभावक केवल तलाक या अलगाव की प्रक्रिया के दौरान ही नहीं, बल्कि साथ रहते हुए भी अपने संबंधों में संयम और सहजता बनाए रखने का प्रयास करें। मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन बच्चों के सामने अपमान, हिंसा और कटुता का प्रदर्शन उनके मन पर स्थायी घाव छोड़ सकता है। अगर रिश्ते बचाना संभव न हो, तो भी बच्चों के हित में सम्मानजनक संवाद और सहयोगपूर्ण सह-अभिभावकत्व आवश्यक है।

बच्चे अक्सर शब्दों से अधिक अपने माता-पिता के व्यवहार से सीखते हैं। इसलिए बड़ों का संवेदनशील, संयमित और संतुलित व्यवहार ही बच्चों के मनोविश्व को सुरक्षित रख सकता है। रिश्तों में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन बच्चों का बचपन मतभेदों की भेंट नहीं चढ़ना चाहिए। आखिर एक सुरक्षित, प्रेमपूर्ण और संवादपूर्ण परिवार ही उस मजबूत पीढ़ी की नींव रख सकता है, जो जीवन की चुनौतियों से टूटने के बजाय उनका सामना करना सीखे।

शामली में गन्ना भुगतान पर डीएम सख्त, सपा नेताओं की नजरबंदी और चोरी की वारदातों से गरमाया माहौल

शामली में प्रशासनिक कड़ाई, राजनीतिक सरगर्मी, सामाजिक कार्यक्रमों और बढ़ते अपराधों की विस्तृत रिपोर्ट

शामलीः जनपद के स्थानीय निमार्ताओं और सामान बेचने वाले विक्रेताओं को जेम पोर्टल चलाने में जो भी परेशानियां आ रही हैं, उनके समाधान के लिए और इस पोर्टल में समय-समय पर जो बदलाव किए जा रहे हैं, उनकी पूरी जानकारी देने के लिए आठ सितंबर को एक वर्चुअल बैठक का आयोजन किया जाएगा। यह महत्वपूर्ण बैठक राज्य जेम प्रकोष्ठ, लखनऊ के निर्देश पर आयोजित की जा रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए उपायुक्त उद्योग रतिका गुप्ता ने बताया कि जेम पोर्टल के जरिए खरीदारी करने वाले खरीदारों की सुविधा को बढ़ाने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर सामान बनाने वाले निमार्ताओं और विक्रेताओं को पोर्टल का इस्तेमाल करने में जो भी दिक्कतें आ रही हैं, उनका समाधान करना ही इस बैठक का सबसे मुख्य उद्देश्य है। इस बैठक में शामली जनपद के ओडीओपी यानी एक जनपद एक उत्पाद योजना के तहत आने वाले बेहतरीन विक्रेताओं को खास तौर पर शामिल कराया जाएगा। उपायुक्त उद्योग रतिका गुप्ता ने शामली जिले के सभी स्थानीय निमार्ताओं और जेम पोर्टल पर पहले से पंजीकृत विक्रेताओं से यह अपील की है कि वे सभी आठ सितंबर को होने वाली इस वर्चुअल बैठक में जरूर हिस्सा लें। इस बैठक में शामिल होकर विक्रेता पोर्टल से जुड़ी जरूरी जानकारियां तो हासिल कर ही सकेंगे, साथ ही अपनी समस्याओं और परेशानियों का समाधान भी मौके पर करा सकेंगे। शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रमशामली शहर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जूनियर हाई स्कूल के छात्र-छात्राओं ने प्रांतीय विज्ञान और वैदिक गणित प्रतियोगिता में बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया है और अपने स्कूल का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता में बाल वर्ग की वैदिक गणित स्पर्धा में स्कूल के छात्रों ने पहला स्थान प्राप्त किया है, जबकि अन्य कई प्रतियोगिताओं में भी छात्रों का प्रदर्शन बेहद सराहनीय रहा। इस प्रांतीय विज्ञान और वैदिक गणित प्रतियोगिता का आयोजन पांच और छह सितंबर को सरस्वती विद्या मंदिर, कल्याणपुर मुरादाबाद में किया गया था। इस प्रतियोगिता में अलग-

अलग जिलों के कई स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया था। शामली के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जूनियर हाई स्कूल के भैया-बहनों ने भी इसमें भाग लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई।इस प्रतियोगिता के परिणामों की बात करें तो शिशु वर्ग की वैदिक गणित स्पर्धा में रत्नेश सिंह, अभि कालखंडे और अक्षित भारद्वाज ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं बाल वर्ग के विज्ञान प्रश्न मंच में हनी चौधरी, मनन कौशिक और मयंक शर्मा चौथे स्थान पर रहे। इसके अलावा बाल वर्ग की वैदिक गणित प्रतियोगिता में निहाल कुमार, सार्थक बंसल और पुरुषोत्तम ने पहला स्थान हासिल करके अपने स्कूल का गौरव बढ़ाया। जब ये विजेता छात्र स्कूल वापस लौटे, तो उनके सम्मान में एक शानदार अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर स्कूल के प्रधानाचार्य संजय सैनी, सुधीर कुमार, राम कुमार और राजीव शर्मा ने सभी विजेता छात्रों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।इसी तरह सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में भी शामली में गतिविधियां जारी हैं। श्री श्वेतांबर जैन स्थानक मंदिर में चल रहे चातुर्मास कार्यक्रम के दौरान संघ संचालक नरेश मुनि गुरुदेव ने श्रद्धालुओं को धर्म, तपस्या और आत्मकल्याण का गहरा संदेश दिया। जैन स्थानक मील रोड पर प्रवचन करते हुए नरेश मुनि गुरुदेव ने कहा कि इंसान के जीवन में उसकी भावनाओं का बहुत बड़ा महत्व होता है। जैसी इंसान की भावना होगी, वैसा ही उसका जीवन बनेगा। उन्होंने कहा कि पर्युषण पर्व बहुत नजदीक हैं, इसलिए सभी को तपस्या, उपासना और व्रत के जरिए धर्म का प्रचार-प्रसार करना चाहिए। नरेश मुनि गुरुदेव ने आगे कहा कि मोक्ष और आत्मकल्याण का रास्ता धर्म से ही होकर जाता है। किसी भी धर्मात्मा व्यक्ति के नियम और संयम हमेशा मजबूत होने चाहिए। इसके साथ ही व्यवहार में कुशलता लाकर भी धर्म का प्रभाव बढ़ाया जा सकता है।नरेश मुनि गुरुदेव ने श्रद्धालुओं को सीख देते हुए कहा कि हर व्यक्ति को शीलवान बनने की कोशिश करनी चाहिए। केवल दवाइयां खा लेने से अच्छा स्वास्थ्य नहीं मिलता, बल्कि एक संयमित और सदाचार से भरा जीवन ही स्वस्थ रहने का असली आधार होता है। उन्होंने इस दौरान भगवान अरिष्ट नेमि की कथा भी सुनाई और उनके जीवन तथा समाज की भलाई के लिए किए गए कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसी कार्यक्रम की कड़ी में निपुण मुनि ने ओशोदीप पब्लिक स्कूल शामली में जाकर बच्चों को नशे के बुरे प्रभावों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बच्चों को नशामुक्त जीवन जीने का संकल्प दिलाया। निपुण मुनि ने कहा कि बचपन में सीखी गई अच्छी आदतें ही इंसान को सफलता की तरफ ले जाती हैं, जबकि बुरी संगत और नशे जैसी आदतें भविष्य को बर्बाद कर देती हैं। उन्होंने बच्चों से कहा कि अगर उनके आसपास कोई भी व्यक्ति नशे की तरफ बढ़ रहा हो, तो उसे नशा छोड़ने के लिए समझाएं। इस मौके पर डॉ. रितु जैन, एसपी सिंह, आशुतोष मलिक, प्रियंका मित्तल, आशीष मित्तल, आस्था संगल, निर्णय ठाकुर, शिवास तोमर, नितिन

अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस पर नगर पंचायत थानाभवन ने चलाया जागरूकता अभियान

सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्परिणामों और कचरा पृथक्करण को लेकर दुकानदारों व नागरिकों को किया जागरूक

थानाभवन। अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर नगर पंचायत थाना भवन द्वारा नगर क्षेत्र में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी श्री जितेंद्र राणा एवं अध्यक्ष महोदया श्रीमती मुशायदा द्वारा दिए गए निदेर्शों के अनुपालन में आयोजित किया गया।

अभियान के प्रथम चरण में नगर के विभिन्न बाजारों एवं दुकानों पर पहुंचकर दुकानदारों को सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग पर्यावरण प्रदूषण को बढ़ावा देता है तथा खुले में प्लास्टिक जलाने से वायु प्रदूषण भी बढ़ता है। दुकानदारों से सिंगल यूज प्लास्टिक के स्थान पर पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को अपनाने की अपील की गई। साथ ही प्रतिबंधित प्लास्टिक/ पॉलिथीन का उपयोग करते पाए गए दुकानदारों से प्रतिबंधित प्लास्टिक को जब्त करते हुए जुमार्ना भी वसूल किया गया कुल जुमार्ना ड्3000 वसूल किया गया।

वहीं, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली 2026 के अंतर्गत नगर के वार्ड 01, एवं मोहल्लों में स्वच्छ भारत प्रोत्साहन समिति की उपस्थिति में नागरिकों को 4 डस्टबिन के माध्यम से कचरा पृथक्करण के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। लोगों को समझाया गया कि घर एवं दुकानों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में पृथक कर निर्धारित डस्टबिन में ही डालें, ताकि कचरे का उचित निस्तारण एवं प्रसंस्करण किया जा सके।

नगर पंचायत की टीम ने नागरिकों एवं दुकानदारों से अपील की कि वे स्वच्छता को अपनी दैनिक आदत का हिस्सा बनाएं, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करें तथा कचरा इधर-उधर न फेंककर नगर पंचायत के स्वच्छता अभियान में सहयोग करें। नगर पंचायत थाना भवन द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छ वायु, स्वच्छ वातावरण और स्वच्छ थाना भवन की दिशा में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस अभियान में नगर पंचायत सभासद दीपांशु , मनीष कुमार शर्मा, वसिक अहमद, कमल, राजीव आदि मौजूद रहें।

श्रीमद्भागवत कथा में वामन अवतार प्रसंग का हुआ भावपूर्ण वर्णन, भक्ति में सराबोर हुए श्रद्धालु

स्वामी राजदास जी महाराज बोले— कलियुग में भगवान के नाम का स्मरण ही मोक्ष का सबसे सरल मार्ग

थानाभवन। कस्बे में चौक बाजार स्थित अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। दोपहर में श्रद्धालुओं का कथा स्थल पर पहुंचना शुरू हो गया। बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं युवाओं ने श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

कथावाचक स्वामी राजदास जी महाराज ने वामन अवतार प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए भगवान विष्णु की दिव्य लीलाओं का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मनुष्य के जीवन को संस्कारवान और आध्यात्मिक बनाने का माध्यम है। भगवान का भजन, सत्संग और कथा श्रवण मनुष्य को जन्म-मरण के बंधन

से मुक्त कर मोक्ष के मार्ग की ओर अग्रसर करता है।

उन्होंने कहा कि कलियुग में भगवान के नाम का स्मरण सबसे सरल और प्रभावी साधना है। जो व्यक्ति सच्चे मन से प्रभु का स्मरण करता है, उसके जीवन के कष्ट दूर होते हैं तथा उसे मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा की प्राप्ति होती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपने दैनिक जीवन में धर्म, सत्य, सदाचार और सेवा के भाव को अपनाने का आह्वान किया। स्वामी राजदास जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मनुष्य भौतिक सुख-सुविधाओं के पीछे दौड़ रहा है, लेकिन वास्तविक सुख केवल ईश्वर की भक्ति और सत्संग में ही मिलता है। उन्होंने लोगों से प्रतिदिन कुछ समय भगवान की आराधना, हरिनाम संकीर्तन और सत्संग के लिए निकालने की अपील की।

आयोजन समिति के अनुसार सात दिवसीय कथा के दौरान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, गोवर्धन लीला, रासलीला, सुदामा चरित्र, उद्धव-गोपी संवाद सहित श्रीमद्भागवत के अनेक प्रेरणादायी प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। कथा के दूसरे दिन धर्मशाला परिसर पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने नियमित रूप से कथा में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर योगेश कोशिक, नरेंद्र कौशिक, नीरज शर्मा ,हरिओम , प्रमोद लाला ,प्रद्युम्न लाला ओमवीर सहित नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं और युवा उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से आगामी दिनों में भी कथा में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की।

सहारनपुर कमिश्नर से मिलने जा रहे सपा नेताओं को पुलिस ने रोका, ठाकुर शेर सिंह राणा हाउस अरेस्ट; बोले- जनता देगी जवाब

सहारनपुर कमिश्नर से मिलने जा रहे सपा प्रतिनिधिमंडल को पुलिस ने उमरपुर में रोका, शेर सिंह राणा नजरबंद

जलालाबादः सहारनपुर कमिश्नर से मुलाकात करने जा रहे समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल को पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया। थाना भवन पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान जलालाबाद क्षेत्र के ग्राम उमरपुर में सपा नेताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया और पूर्व प्रमुख व सपा नेता ठाकुर शेर सिंह राणा को उनके ही आवास पर नजरबंद कर दिया।

रास्ते में रोका गया सपा का प्रतिनिधिमंडल

समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल अपनी बात रखने के लिए सहारनपुर कमिश्नर से मिलने जा रहा था। लेकिन जैसे ही यह प्रतिनिधिमंडल जलालाबाद क्षेत्र के ग्राम उमरपुर पहुंचा, थाना भवन पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक लिया। पुलिस ने इस दौरान पूर्व प्रमुख और सपा नेता ठाकुर शेर सिंह राणा को आगे नहीं जाने दिया और उन्हें उनके ही आवास पर हाउस अरेस्ट कर लिया।लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन का आरोप

पुलिस की इस कार्रवाई के बाद सपा नेता ठाकुर शेर सिंह राणा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने जा रहे जनप्रतिनिधियों और पार्टी कार्यकताओं को रोकना सीधे तौर पर लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पुलिस के माध्यम से विरोध की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है।जनता वोट से देगी जवाब

ठाकुर शेर सिंह राणा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और कार्यकताओं को घरों में बंद करके सरकार जनता से जुड़े मुद्दों को दबा नहीं सकती। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध और अपनी बात रखने का अधिकार सभी को मिला हुआ है। उन्होंने कहा कि जनता हर घटनाक्रम पर नजर रख रही है और समय आने पर अपने मताधिकार के माध्यम से इसका जवाब देगी। उन्होंने साफ किया कि पुलिस का पहरा भले ही सख्त किया जा सकता है, लेकिन जनता की आवाज को हमेशा के लिए दबाया नहीं जा सकता।

जलालाबाद PNB गबन कांड में फूटा पीड़ितों का गुस्सा, बैंक का गेट बंद कर धरना; 20 सितंबर के बाद रकम लौटाने का आश्वासन

जलालाबाद में बैंक मित्र के गबन के खिलाफ फूटा गुस्सा, आश्वासन के बाद धरना समाप्त।

जलालाबाद शाखा में हुए कथित गबन के मामले में सोमवार 7 सितंबर को पीड़ित उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। पूर्व ब्लॉक प्रमुख और समाजवादी पार्टी के नेता ठाकुर शेर सिंह राणा की अगुवाई में बड़ी संख्या में पीड़ितों ने बैंक के बाहर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी इस घोटाले के आरोपी बैंक मित्र अंकुर सैनी के बैंक खाते की स्टेटमेंट देने और अपना डूबा हुआ पैसा वापस दिलाने की मांग कर रहे थे। महिलाओं ने बंद किया बैंक का गेटदोपहर के समय बैंक के बाहर प्रदर्शन कर रहे लोगों का गुस्सा बढ़ गया और उन्होंने बैंक का कामकाज ठप कर दिया। दोपहर करीब दो बजे काफी संख्या में पीड़ित उपभोक्ता बैंक के बाहर जमा होकर धरने पर बैठ बैंक का शटर और मुख्य गेट बंद कर दिया। इससे बैंक के अंदर चल रहा काम पूरी तरह रुक गया। घटना की खबर मिलते ही जलालाबाद पुलिस चौकी के प्रभारी अरविंद कुमार पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाया-बुझाया और बैंक का गेट खुलवाया, जिसके बाद बैंक का कामकाज फिर से सामान्य रूप से शुरू हो सका। धरने के दौरान महिला हुई बेहोश प्रदर्शन के दौरान अचानक एक महिला की तबीयत बिगड़ने से वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जलालाबाद की रहने वाली मेहरुनिशा, जो आरिफ की पत्नी हैं, धरने के दौरान अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ीं। उन्हें गिरता देख मौके पर मौजूद लोग

तुरंत मदद के लिए दौड़े। लोगों ने उन्हें मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया, जिससे कुछ समय बाद उनकी हालत सामान्य हो गई। इसके बाद धरना स्थल पर ही अधिकारियों और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत का दौर शुरू हुआ।अधिकारियों के साथ वार्ता और भाजपा नेताओं पर आरोप पीड़ित उपभोक्ताओं की मांगों को लेकर बैंक अधिकारियों, पुलिस प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच लंबी बातचीत हुई। धरना स्थल पर ही शाखा प्रबंधक मानवेंद्र सिंह, एलडीएम अनिल कुमार और चौकी प्रभारी अरविंद कुमार के साथ पूर्व ब्लॉक प्रमुख ठाकुर शेर सिंह राणा की बातचीत हुई। राणा ने मांग रखी कि आरोपी अंकुर सैनी के बैंक खाते की स्टेटमेंट तुरंत दी जाए, लेकिन बैंक प्रबंधन और पुलिस प्रशासन ने इसे देने से साफ मना कर दिया। इसी दौरान समाजवादी युवजन सभा के आरोप लगाते हुए कहा कि बैंक प्रशासन कुछ स्थानीय भाजपा नेताओं के दबाव में काम कर रहा है और इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख ठाकुर शेर सिंह राणा ने मांग की कि पीड़ित उपभोक्ताओं की जमा की गई रकम जल्द से जल्द वापस दिलाई जाए। इस पर एलडीएम अनिल कुमार ने बताया कि बैंक की जांच अभी चल रही है। 20 सितंबर के बाद जब यह जांच पूरी हो जाएगी, तब पात्र पीड़ितों को उनका पैसा वापस देने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इसके साथ ही राणा ने मांग की कि जिन पीड़ितों को तुरंत पैसों की जरूरत है, उन्हें बैंक 50 हजार रुपये का कर्ज दे।

रंग संसार

आम्रपाली दुबे का बिग बॉस में जाने पर खुलासा, विवादों और करियर पर खुलकर की बात

मुंबईः भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय स्टार आम्रपाली दुबे ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान 'बिग बॉस' के घर में अपने आगामी सफर को लेकर खुलकर बातचीत की है। उन्होंने बताया कि वह शो में अपनी असली और बेबाक छवि के साथ नजर आएंगी, क्योंकि वहां कोई स्क्रिप्टेड परफॉर्मेंस काम नहीं करती, केवल असली व्यक्तित्व ही मायने रखता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह किसी खास हिंदी दर्शक वर्ग तक पहुंचने के लिए नहीं, बल्कि खुद को परखने और चुनौतियों का सामना करने के लिए इस शो का हिस्सा बन रही हैं।किचन के काम और दोस्ती पर बेबाक रायः अपने खान-पान और किचन के कामों पर बात करते हुए आम्रपाली ने हंसते हुए कहा कि उन्हें खिचड़ी, मैगी और चाय बनानी आती है, हालांकि उन्होंने सुना है कि बिग बॉस के घर में मैगी आसानी से नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि वह मुफ्त का खाना पसंद नहीं करतीं और घर के सभी कामों में अपना योगदान देंगी। दोस्ती के मामले में उन्होंने कहा कि वह लोगों की वाइफ को भांप लेती हैं, लेकिन वह जानती हैं कि इस घर में रिश्ते बहुत जल्दी बनते और बिगड़ते हैं। वह सभी के साथ अच्छी रहेंगी, लेकिन अपने आत्मसम्मान से कोई समझौता नहीं करेंगी।विवादों और 'भोजपुरी बवाल' पर जवाबः आम्रपाली ने 'भोजपुरी बवाल' और उन पर लगे आरोपों पर बात करते हुए कहा कि इंडस्ट्री में अगर किसी को आरोप लगाना है, तो उसे सबूत के साथ सामने आना चाहिए, न कि सहानुभूति या विक्टिम कार्ड खेलने के लिए झूठे इल्जाम लगाने चाहिए। किसी का काम छीनने या करियर बर्बाद करने के आरोपों पर उन्होंने स्पष्ट किया कि फिल्म के निमार्ता ने इसे पहले ही गलत साबित कर दिया था। इसके बाद यह मामला सिर्फ चरित्र पर कीचड़ उछालने जैसा बन गया था, जिस पर उन्होंने अपनी परवरिश के चलते चुप्पी साधना बेहतर समझा। उन्होंने कहा कि वह हमेशा से मजबूत इरादों के साथ अपनी लड़ाई खुद लड़ती आई हैं।रीयल और रील लाइफ पर सफाईः दर्शकों द्वारा ऑन-स्क्रीन जोड़ियों को रीयल मानने पर उन्होंने कहा कि वह इसके लिए जनता को नहीं,

राज काज

भू-राजनीतिक तनावों के बीच लाल निशान में बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 383 अंक फिसला, निफ्टी 50 प्रतिशत नीचे

मुंबई। मध्य पूर्व में नए सिरे से उत्पन्न भू-राजनीतिक तनावों के बीच हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस दौरान आईटी, मेटल, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और मीडिया कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट के चलते घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों में 0.50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 382.62 अंक यानी 0.50 प्रतिशत गिरकर 76,132.81 पर आ गया, तो वहीं निफ्टी 50 118.55 अंक यानी 0.50 प्रतिशत गिरकर 23,779.15 पर पहुंच गया।दिन के दौरान, सेंसेक्स अपने पिछले बंद 76,515.43 से मामूली 69 अंक गिरकर 76,446.05 पर खुला। हालांकि, दिन के कारोबारी सत्र में यह 0.71 प्रतिशत यानी 545 अंक फिसलकर 75,970.52 के दिन के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी 50 दिन के दौरान अपने पिछले बंद 23,897.70 से मामूली 14.54 अंक फिसलकर 23,883.15 पर खुला और दिन के दौरान यह 159.8 अंक या 0.66 प्रतिशत गिरकर 23,737.90 के इंट्रा-डे लो पर पहुंच गया।व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप में 0.46 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.02 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की गई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी आईटी, निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मीडिया का प्रदर्शन कमजोर रहा, जबकि निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर का प्रदर्शन बेहतर रहा। निफ्टी50 इंडेक्स में इंफोसिस, एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी लाइफ, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, टेक महिंद्रा और विप्रो के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, जबकि इसके विपरीत अपोलो हॉस्पिटल, एलएंडटी, कोल इंडिया, भारती एयरटेल, मैक्स हेल्थ और सिप्ला के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त देकने को मिली। इसके साथ ही, आयशर मोटर्स, मारुति सुजुकी इंडिया, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, इंडिगो, अदाणी इंटरप्राइजेज, आईसीआईसीआई बैंक और पावरग्रिड के शेयरों में भी तेजी देखने को मिली। मार्केट एक्सपर्ट सुनील शाह ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, "सप्ताह का पहला दिन है और उम्मीद के मुताबिक बाजार गिरावट के साथ खुले हैं।

दैनिक राशिफल मंगलवार 08 सितम्बर 2026

मेष – जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी।

वृष – हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे।

मिथुन : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढड्डे में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

कर्क – किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है।

सिंह– अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं।

कन्या – संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है। अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें।

तुला – महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक – स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें।

धनु – पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा।

मकर – व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा।

कुंभ – जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है।

मीन – मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी।

दैनिक पंचांग

8 सितम्बर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.26 बजे से
चंद्र	कर्क में	तुला	08.37 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.52 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	13.08 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	15.13 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.59 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.32 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.03 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.43 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मिथुन	23.41 बजे से
		कर्क	01.55 बजे से
		सिंह	04.11 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 251 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 14.44 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पुष्य 16.40 बजे को समाप्त। **योग** परिघ 00.41 बजे रात्र को समाप्त। **करण** तैतिल 14.44 बजे तदनन्तर गर 01.36 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 05° 46' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872826 **जूलियन दिन** 2461291.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 25 **विशेष** गोवत्स द्वादशी, प्रदोष व्रत, पर्यूषण प्रारंभ, विश्व साक्षरता दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

झंडे और डंडे के साथ एकजुट हो निषाद समाज, संजय निषाद का कार्यकर्ताओं को बड़ा संदेश

मुजफ्फरनगर में निषाद पार्टी का मंडलीय बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन, 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने पर जोर

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक दलों ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में सोमवार को मुजफ्फरनगर की नई मंडी क्षेत्र में निषाद पार्टी की ओर से मंडलीय स्तरीय बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री संजय निषाद मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया। सम्मेलन में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे कार्यकताओं और पदाधिकारियों के बीच आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन की तैयारियों पर चर्चा हुई। पार्टी नेतृत्व ने बूथ स्तर तक कार्यकताओं की सक्रियता बढ़ाने, संगठन को मजबूत करने और समाज के बीच पार्टी की नीतियों एवं उपलब्धियों को पहुंचाने पर जोर दिया।

निषाद समाज को राजनीतिक रूप से एकजुट होने का आह्वान

कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री एवं निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद ने निषाद समाज से राजनीतिक रूप से एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज को अपनी राजनीतिक ताकत मजबूत करने के लिए संगठित होकर आगे बढ़ना होगा। संजय निषाद ने कहा कि जिस प्रकार दलित और यादव समाज अपने झंडे और डंडे के साथ संगठित होकर अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन करते हैं, उसी तरह निषाद समाज को भी अपने झंडे और डंडे के साथ एकजुट होकर राजनीतिक भागीदारी मजबूत करनी चाहिए। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि समाज के लोगों को एकजुट करते हुए संगठन को गांव-गांव और बूथ स्तर तक मजबूत किया जाए। भाजपा सरकार ने मछुआ समाज को अधिकार और सम्मान दिया संजय निषाद ने पिछली

सरकारों पर मछुआ समुदाय के अधिकारों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों के दौरान मछुआ समाज को उसके अधिकार और सम्मान नहीं मिल पा रहे थे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार ने मछुआ समुदाय के अधिकारों को सम्मान देने का काम किया है। उन्होंने कार्यकताओं से सरकार की योजनाओं और मछुआ समाज के हित में किए गए कार्यों की जानकारी समाज के लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया।2027 के चुनाव को लेकर बूथ स्तर पर रणनीति

सम्मेलन का मुख्य फोकस आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती रहा। पार्टी पदाधिकारियों ने बूथ कमेटियों की स्थिति, कार्यकताओं की सक्रियता और संगठन के विस्तार को लेकर चर्चा की। कार्यकताओं को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में समाज के लोगों से लगातार संपर्क बनाए रखें और संगठन को मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। सम्मेलन में कार्यकताओं की समस्याओं को सुनने तथा उनके समाधान की दिशा में काम करने की बात भी कही गई।

पूर्वांचल के बाद पश्चिमी यूपी में पकड़ मजबूत करने की तैयारी

संजय निषाद ने पूर्वांचल का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां निषाद पार्टी के कई विधायक चुने गए और समाज को राजनीतिक सम्मान दिलाने की दिशा में काम हुआ। उन्होंने कहा कि अब पार्टी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा कि पश्चिमी यूपी में निषाद समाज के साथ-साथ कश्यप समाज और अन्य पिछड़े वर्गों को भी राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सम्मान दिलाने की दिशा में संगठन काम करेगा। इसके लिए बूथ स्तर से संगठन को सक्रिय और मजबूत करना जरूरी है।

कैबिनेट मंत्री ने पार्टी कार्यकताओं को दलालों से सतर्क रहने और किसी के बहकावे में नहीं आने की नसीहत दी।

खतौली में संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में दिखा छात्रों का हुनर: मान्या और रितिका रही अव्वल, 70 मेधावियों ने दिखाई प्रतिभा

जवाहरलाल नेहरू स्मृति इंटर कॉलेज सठेड़ी में जनपद स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित

खतौली (मुजफ्फरनगर)। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ के तत्वावधान में जवाहरलाल नेहरू स्मृति इंटर कॉलेज रवापुरी सठेड़ी में सोमवार को जनपद स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में मुजफ्फरनगर जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए लगभग 70 छात्र-छात्राओं ने संस्कृत गीत एवं सामान्य ज्ञान स्पधाओं में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

संस्कृत गीत स्पर्धा में मान्या वर्मा प्रथम

प्रतियोगिता के दौरान आयोजित संस्कृत गीत स्पर्धा में शारदेन पब्लिक स्कूल मुजफ्फरनगर की छात्रा मान्या वर्मा ने अपनी मधुर प्रस्तुति से प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, केके पब्लिक स्कूल खतौली की निर्झरा शर्मा दूसरे (द्वितीय) स्थान पर रहीं, जबकि सर शादी लाल इंटर कॉलेज मंसूरपुर की छात्रा सोया ने तीसरा (तृतीय) स्थान हासिल किया।

सामान्य ज्ञान में रितिका ने मारी बाजी

दूसरी ओर, संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में मेजबान जवाहरलाल नेहरू स्मृति इंटर कॉलेज की छात्रा रितिका ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए

प्रथम स्थान झटका। जनता इंटर कॉलेज पचैड़ा की कशिश ने द्वितीय तथा सुखदेव इंटर कॉलेज शुक्रताल के छात्र रचित मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय का नाम रोशन किया।

सर्वांगीण विकास के लिए प्रतियोगिताएं जरूरीः डीआईओएस

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक हरिकेश यादव सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने विजेता छात्र-छात्राओं को मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षण संस्थानों में इस प्रकार की आयोजनाएं निरंतर होती रहनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से किताबी ज्ञान के साथ-साथ वृक्षारोपण, जल संरक्षण और अपने नागरिक कर्तव्यों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। गरिमामयी उपस्थिति और राष्ट्रगान के साथ समापन

कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी ज्योति मोहन गोयल ने की। प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए गठित निर्णायक मंडल में सरस्वती आर्य, अर्चना आर्य, राजदुलारी एवं मंजू त्यागी शामिल रहीं। मंच का कुशल संचालन डॉ. मनुराधा एवं रविंद्र शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। अंत में प्रधानाचार्य एवं प्रबंधक सचिन कुमार आर्य ने सभी अतिथियों, अध्यापकों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का औपचारिक समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

खतौली के नूना व भैंसी में लगी किसान पाठशाला: फसलों को कीट व रोगों से बचाने का मिला प्रशिक्षण, फसलों को कीट-रोगों से बचाने दी सीख

सीआईपीएमसी देहरादून ने आयोजित कियाफार्मर फील्ड स्कूल का दूसरा चरण

खतौली मुजफ्फरनगर। कृषि क्षेत्र में बढ़ती लागत को घटाने और रसायनों के अंधाधुंध उपयोग पर रोक लगाने के उद्देश्य से भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के निदेशानुसार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय के अंतर्गत संचालित केंद्रीय एकीकृत कीट प्रबंधन केंद्र (सीआईपीएमसी), देहरादून द्वारा खतौली ब्लॉक के ग्राम नूना और ग्राम भैंसी में 14-सप्ताह के फार्मर फील्ड स्कूल (एफ-एफएस) के द्वितीय सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलता पूर्वक आयोजित किया गया।

नियमित निगरानी और मित्र कीटों की पहचान पर जोर

प्रशिक्षण के दौरान कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को खेतों की नियमित निगरानी करने के लिए प्रेरित किया। विशेषज्ञों ने बताया कि हर कीड़ा फसल का दुश्मन नहीं होता। खेतों

में कई प्रकार के 'मित्र कीट' भी मौजूद होते हैं जो नुकसान पहुँचाने वाले कीटों को प्राकृतिक रूप से नियंत्रित करते हैं। किसानों को हानिकारक कीटों, फसलों में लगने वाले रोगों और मित्र कीटों के बीच अंतर को व्यावहारिक तरीके से समझाया गया।

रासायनिक कीटनाशकों के अनावश्यक प्रयोग से बचें

प्रशिक्षण सत्र में किसानों को रासायनिक कीटनाशकों से होने वाले नुकसान के प्रति सचेत किया गया। अधिकारियों ने सलाह दी कि फसलों में बेवजह रासायनिक दवाइयों का छिड़काव न करें। दवाइयों का इस्तेमाल केवल आर्थिक क्षति स्तर के आधार पर ही किया जाना चाहिए। इसके स्थान पर जैविक, यांत्रिक, भौतिक तथा जैव-नियंत्रण (बायो-कंट्रोल) विधियों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया गया।

विशेषज्ञों ने दी व्यावहारिक तकनीक की जानकारी

इस दौरान सीआईपीएमसी, देहरादून के सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकारी नितिन कुमार एवं धर्मेश ने किसानों को आधुनिक व टिकाऊ कृषि पद्धतियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि इस 14-सप्ताह के कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को फसल सुरक्षा के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना, कीटनाशकों का खर्च कम कर खेती की लागत घटाना और पर्यावरण के अनुकूल जैविक संतुलन को बनाए रखना है।

प्रशिक्षण में स्थानीय किसानों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

आयोजित प्रशिक्षण सत्र में दोनों ग्रामों के किसानों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। ग्राम नूना से विकास, सुमन, राजवीर, संजीव, गौरव, अजय, परवीन एवं रामगोपाल सिंह तथा ग्राम भैंसी से कैथरीना, अनु मलिक, सतेंद्र, अमित कुमार, आकाश, अजय व अर्जुन सहित कई अन्य किसान मौजूद रहे। किसानों ने विशेषज्ञों से अपनी फसलों की समस्याओं पर चर्चा की और समाधान प्राप्त किया।

मुजफ्फरनगर का पहला इनक्यूबेटर बना एसडीसीईटी फोरम: यूपी सरकार के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने दी मान्यता

छात्रों ने विकसित की हाइब्रिड ई-रिक्शा व चैटबॉट 'सारा'

मुजफ्फरनगर। यहां एस.डी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के प्रांगण में एक भव्य एवं गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त जिले के प्रथम एवं एकमात्र 'एसडीसीईटी इंक्यूबेशन फोरम' के आधिकारिक प्रमाणपत्र का विमोचन किया गया।

हाइब्रिड ई-रिक्शा और चैटबॉट 'सारा' का किया अवलोकन

कार्यक्रम के आरंभ में संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए इनोवेटिव हाइब्रिड ई-रिक्शा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चैटबॉट 'सारा' का अवलोकन हुआ।

इस अवसर पर फोरम के डायरेक्टर अनुभव कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार से मिली यह आधिकारिक पहचान संस्थान के लिए मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि फोरम का उद्देश्य केवल किताबी शिक्षा देना नहीं, बल्कि युवाओं में उद्यमिता की भावना जागृत करना है। इस फोरम के माध्यम से नए उद्यमियों को फाइनेंशियल ग्रांट, डिजाइनिंग, मार्केटिंग और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुजफ्फरनगर में जिले के पहले मान्यता प्राप्त इनक्यूबेशन सेंटर की शुरूआत होना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

स्टार्टअप हब के रूप में स्थापित होगा मुजफ्फरनगर निदेशक अनुभव कुमार ने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल मुजफ्फरनगर और आसपास के क्षेत्रों में रोजगार सृजन व नवाचार की दिशा में क्रांतिकारी कदम साबित होगी। यहाँ हर उस विचार को पंख मिलेंगे जो समाज की किसी समस्या का समाधान प्रस्तुत करता हो।

इस अवसर पर संस्था के वाइस चेयरमैन विनोद कुमार, एसडीसीईटी इंक्यूबेशन फोरम की कार्यकारिणी समिति के सदस्य, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

महिला से अश्लील हरकत और मारपीट का आरोप, पड़ोसी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

महिला ने लगाया संवेदनशील अंगों को गलत तरीके से छूने का आरोप, विरोध करने पर आरोपी और उसकी मां पर मारपीट करने का आरोप

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र के अमित विहार कूकड़ा में एक महिला ने अपने पड़ोसी पर अश्लील हरकत करने, यौन उत्पीड़न का प्रयास, अभद्रता और मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाया है। महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता ने घटना से संबंधित वीडियो और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को महत्वपूर्ण साक्ष्य बताते हुए उन्हें सुरक्षित कराने की मांग की है। महिला थाना नई मंडी में दी गई तहरीर के अनुसार, अमित विहार कूकड़ा निवासी एक महिला ने बताया कि उसके पति काम के सिलसिले में बाहर रहते हैं और वह घर पर बच्चों के साथ रहती है। आरोप है कि चार सितंबर 2026 की शाम करीब पांच बजे एक पब्लिक स्कूल के पास उसके पड़ोसी विशाल पुत्र रामपाल प्रजापति ने उसके साथ जबरदस्ती और अश्लील व्यवहार किया।

महिला ने लगाया गलत तरीके से छूने का आरोप

तहरीर में महिला ने आरोप लगाया कि विशाल ने उसके साथ आपत्तिजनक व्यवहार करते हुए उसके शरीर के संवेदनशील हिस्से

को गलत तरीके से छुआ। महिला के मुताबिक उसने आरोपी की हरकत का कड़ा विरोध किया और उसे ऐसा करने से मना किया। आरोप है कि विरोध करने के बाद आरोपी ने अपनी मां के साथ मिलकर महिला के साथ मारपीट शुरू कर दी। महिला ने तहरीर में कहा कि वह लगातार विरोध करती रही और अपनी इज्जत एवं सुरक्षा बचाने का प्रयास करती रही।

बेटे ने मोबाइल से वीडियो बनाने का किया दावा

शिकायत में महिला ने घटना से संबंधित एक अहम साक्ष्य का भी उल्लेख किया है। उसके मुताबिक घटना के दौरान उसके बेटे ने पूरी घटना को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड किया। महिला ने पुलिस को बताया कि उसके पास मौजूद वीडियो में कथित मारपीट और घटना से संबंधित महत्वपूर्ण साक्ष्य हैं। उसने यह वीडियो पुलिस के समक्ष प्रस्तुत करने की बात कही है और इसे साक्ष्य के रूप में सुरक्षित अथवा जब्त किए जाने का अनुरोध किया है।

सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कराने की मांग

महिला ने पुलिस से घटना के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी सुरक्षित कराने की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि आसपास लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग से घटना से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। महिला ने पुलिस से वीडियो और सीसीटीवी फुटेज को जांच का हिस्सा बनाकर निष्पक्ष कार्रवाई करने की मांग की है।

मारपीट में चोट और खरोंच आने का आरोप

महिला ने तहरीर में अपने शरीर पर चोट और खरोंच आने का भी उल्लेख किया है। उसने पुलिस से अपनी मेडिकल जांच और चिकित्सीय परीक्षण कराने तथा शरीर पर आई चोटों और खरोंचों को मेडिकल रिपोर्ट में दर्ज कराने की मांग की है।महिला का कहना है कि घटना के बाद वह आरोपी और उसके परिवार को लेकर भयभीत है।

बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी जताया डर

शिकायतकर्ता ने पुलिस के सामने अपनी और अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है। तहरीर में महिला ने आशंका व्यक्त की कि यदि आरोपियों के खिलाफ समय रहते कठोर कानूनी कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में उसके साथ कोई गंभीर घटना हो सकती है। महिला ने पुलिस से सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग करते हुए शिकायत और एफआईआर की प्रति उपलब्ध कराने का भी अनुरोध किया है। जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कन्फेक्शनरी की दुकान पर सामान लेने गए युवक से गाली-गलौज, फिर कई लोगों ने घेरकर बेरहमी से पीटा

बुढ़ाना में दुकानदार समेत कई लोगों पर गंभीर मारपीट का आरोप, जमीन पर पटक-पटककर पीटने से युवक गंभीर घायल; भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

बुढ़ाना। बुढ़ाना कस्बे में एक युवक के साथ कथित तौर पर गाली-गलौज और मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि कन्फेक्शनरी की दुकान पर सामान लेने पहुंचे युवक के साथ पहले दुकानदार ने बदतमीजी और गाली-गलौज की और विरोध करने पर वहां मौजूद कई लोगों ने उसे घेर लिया। आरोपियों ने युवक को जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से पीटा तथा हाथ-पैर पकड़कर कई बार जमीन पर पटककर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के संबंध में घायल युवक के भाई की तहरीर पर कोतवाली बुढ़ाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दुकान बंद करने के बाद कन्फेक्शनरी पर गया था युवक

बुढ़ाना कस्बे के नंदी मंदिर रोड स्थित मोहल्ला शाहवाड़ा निवासी आकाश सैनी पुत्र शिवकुमार सैनी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका भाई उदित सैनी घर के पास ही "आकृति मोबाइल" के नाम से दुकान संचालित करता है। तहरीर के

अनुसार शाम दुकान बंद करने के बाद उदित करीब रात 10 बजे भारत सिनेमा मार्केट स्थित अंकित की कन्फेक्शनरी की दुकान पर कुछ सामान लेने गया था।

गाली देने का विरोध करने पर विवाद बढ़ा

आरोप है कि दुकान पर दुकानदार अंकित ने उदित के साथ गाली-गलौज करते हुए बदतमीजी शुरू कर दी। उदित ने कथित तौर पर इसका विरोध करते हुए कहा कि उसे गाली क्यों दी जा रही है और गाली न देने के लिए कहा। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि इसके जवाब में अंकित ने कथित तौर पर कहा कि वह ऐसे ही करेगा और उदित से जो बन पड़े कर लेने की बात कही। इसके बाद मामला अचानक विवाद में बदल गया।

कई लोगों ने घेरकर युवक को पीटा

आकाश सैनी की तहरीर के मुताबिक उस समय अंकित की दुकान पर मोहल्ला मंडी निवासी राकेश पाल, कल्लू, विकास पुत्र का नाम अज्ञात तथा दो-तीन अन्य अज्ञात व्यक्ति मौजूद थे। आरोप है कि सभी लोगों ने मिलकर उदित के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और उस पर हमला बोल दिया। आरोपियों ने उसे जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से बुरी तरह पीटा। तहरीर में गंभीर आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने उदित के हाथ-पैर पकड़कर उसे कई बार जमीन पर पटक-पटककर मारा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

सिर, छाती और कान समेत कई जगह चोटें

पीड़ित के भाई के अनुसार मारपीट में उदित के सिर, छाती, कान समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। तहरीर में यह भी कहा गया है कि मारपीट के बाद उदित की हालत बेहद गंभीर हो गई थी। घटना के बाद परिजनों में आक्रोश फैल गया। पीड़ित पक्ष ने पुलिस से मामले में नामजद और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

छह सितंबर को थाने पहुंचकर दी तहरीर

घटना के संबंध में आकाश सैनी ने छह सितंबर 2026 को कोतवाली बुढ़ाना पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर दी। उसने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की।

मीरापुर के सनातन धर्म इंटर कॉलेज में महिला सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीरापुर। सनातन धर्म इण्टर कॉलेज मीरापुर में छात्राओं को महिला सशक्तिकरण, महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में थाना मीरापुर से पहुंची महिला पुलिस कर्मियों ने छात्राओं को साइबर सुरक्षा और महिला अधिकारों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

एसआई ज्योति चौधरी ने छात्राओं को साइबर अपराध के बढ़ते मामलों, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल व संदेश, साइबर बुलिंग तथा व्यक्तिगत जानकारी और फोटो साझा करते समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी या अन्य निजी विवरण किसी के साथ साझा न करें। साइबर अपराध या किसी परेशानी की स्थिति में तत्काल अभिभावकों, शिक्षकों अथवा पुलिस को सूचना देने की सलाह दी गई। महिला पुलिस कर्मियों ने छात्राओं को उनके अधिकारों,

आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करते हुए विपरीत परिस्थितियों में सजग एवं साहसपूर्वक निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान छात्राओं को महिला सशक्तिकरण एवं साइबर सुरक्षा से संबंधित उपयोगी बुकलेट भी वितरित की गई।

प्रवक्ता कल्पना वर्मा ने कहा कि डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना बेहद जरूरी है। प्रधानाचार्य डॉ. विकास कुमार ने कहा कि छात्राओं को सुरक्षित, आत्मनिर्भर और जिम्मेदार नागरिक बनाना विद्यालय की प्राथमिकता है। कार्यक्रम में कांस्टेबल परमवीर, योगेश, महिला कांस्टेबल सलोनी, शिक्षिका कविता कौशिक, रुचि जैन, शिक्षक अवनीश धीमान, अभिषेक गर्ग आदि उपस्थित रहे।

तालाब की भूमि पर कब्जे का आरोप, जल निकासी के लिए प्रशासन ने कराया अस्थायी नाली का निर्माण

मीरापुर। क्षेत्र के ग्राम किथोड़ा में तालाब की भूमि अवैध कब्जे के चलते मोहल्ले के कई स्थानों पर जलभराव की समस्या बनी हुई थी। ग्रामीण लंबे समय से जलभराव से निजात दिलाने की मांग प्रशासन से कर रहे थे। कुछ दिन पूर्व जिलाधिकारी के आदेश पर नायब तहसीलदार अजय सिंह मौके पर पहुंचे थे और समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया था। इसी क्रम में सोमवार को कानूनगो संजीव शर्मा और लेखपाल ओमवीर सिंह ग्राम थोड़ा पहुंचे। उन्होंने ग्राम प्रधान शमीम अहमद को साथ लेकर जलभराव वाले स्थानों का निरीक्षण किया। ग्रामीणों को तत्काल राहत दिलाने के लिए जल निकासी हेतु अस्थायी रूप से चौड़ी नाली का निर्माण कराया गया। नाली के माध्यम से

जलभराव और गंदा पानी अस्थायी रूप से बनाए गए तालाब तक पहुंचाया जाएगा। ग्राम प्रधान शमीम अहमद ने बताया कि तालाब की भूमि के खसरा संख्या 471, 371 व 370 में कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से अवैध कब्जा किए जाने के कारण तालाब का रकबा कम हो गया है। इसके चलते बारिश और गंदे पानी की निकासी प्रभावित होने से गांव में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही थी। उन्होंने बताया कि सैयदों वाली मस्जिद के पास रहने वाले ग्रामीण काफी समय से जलभराव की समस्या से परेशान थे। अस्थायी नाली बनने से फिलहाल ग्रामीणों को जलभराव से राहत मिलने की उम्मीद है। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत करते हुए तालाब की भूमि से अवैध कब्जे हटवाकर स्थायी जल निकासी व्यवस्था कराने की मांग की है।

गढ़ी देशराज के जंगल में तेंदुआ दिखने का दावा, कार सवार ने बनाया वीडियो; सोशल मीडिया पर वायरल

तितावी क्षेत्र में वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीणों में दहशत, जंगल और खेतों की ओर जाने में बरत रहे सावधानी

मुजफ्फरनगर। तितावी थाना क्षेत्र के गढ़ी देशराज गांव के जंगल में तेंदुआ दिखाई देने का दावा सामने आया है। एक व्यक्ति द्वारा कार में बैठकर बनाए गए वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। वीडियो में जंगल क्षेत्र में तेंदुए जैसा दिखाई देने वाला एक जानवर नजर आ रहा है, जिसके बाद ग्रामीणों के बीच चर्चा तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि किसी व्यक्ति ने अपनी कार में बैठकर जंगल की ओर वीडियो बनाया। वीडियो में दूर जंगल के रास्ते के आसपास एक जानवर दिखाई दे रहा है, जिसे तेंदुआ बताया जा रहा है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद गढ़ी देशराज और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी चर्चा होने लगी।

वीडियो वायरल होते ही ग्रामीणों में बढ़ी दहशत

तेंदुए की मौजूदगी की खबर फैलते ही ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई। खेती-किसानी के चलते ग्रामीणों का लगातार खेतों और जंगल की ओर आना-जाना रहता है। ऐसे में जंगली जानवर दिखाई देने की सूचना ने लोगों को सतर्क कर दिया है। ग्रामीण अब अकेले खेतों की तरफ जाने से बच रहे हैं और समूह में जाने की बात कही जा रही है।

वीडियो की पुष्टि का इंतजार

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को लेकर फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि वीडियो गढ़ी देशराज के जंगल का ही है और उसमें दिखाई दे रहा जानवर वास्तव में तेंदुआ ही है या नहीं। इसकी आधिकारिक पुष्टि संबंधित विभाग की जांच के बाद ही हो सकेगी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जंगल में तेंदुए की मौजूदगी है तो वन विभाग को तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच करनी चाहिए। साथ ही आसपास के जंगल और खेतों में निगरानी बढ़ाकर ग्रामीणों को सावधानी बरतने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए।

खेतों में जाने वाले ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह

तेंदुए की संभावित मौजूदगी को देखते हुए ग्रामीणों में सतर्कता बढ़ गई है। लोग बच्चों को अकेले बाहर न भेजने और जंगल की ओर अकेले न जाने की सलाह दे रहे हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर वायरल वीडियो की जांच करे और यदि तेंदुए की पुष्टि होती है तो उसे सुरक्षित तरीके से पकड़ने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए। फिलहाल वायरल वीडियो ने गढ़ी देशराज और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है, जबकि तेंदुए की वास्तविक मौजूदगी की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

मीशो कोरियर कार्यालय में चोरी का पुलिस ने किया खुलासा, चार शातिर चोर गिरफ्तार

भोपा पुलिस ने गिरोह का पदार्फाश कर 40 चोरी किए गए मीशो पैकेट बरामद किए, वारदात में इस्तेमाल ई-रिक्शा भी कब्जे में; अथाई रोड से दबोचे गए आरोपी

मोरना। थाना भोपा क्षेत्र में मीशो ब्रांड के कोरियर कार्यालय में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए 40 मीशो पैकेट/पार्सल और एक ई-रिक्शा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने कोरियर कार्यालय को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। चारों आरोपियों की गिरफ्तारी अथाई रोड से की गई। पुलिस ने सभी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

रात के अंधेरे में कोरियर कार्यालय को बनाया था निशाना

भोपा थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार ने बताया कि भोपा क्षेत्र में 4/5 सितंबर 2026 की रात अज्ञात

चोरों ने मीशो ब्रांड के कोरियर कार्यालय में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। इस संबंध में थाना भोपा पर मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने घटना के खुलासे के लिए टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण सुराग मिले, जिसके बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

अथाई रोड से चार आरोपी गिरफ्तार

थाना भोपा पुलिस ने सोमवार को चोरी की घटना का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को अथाई रोड से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से कोरियर कार्यालय से चोरी किए गए 40 मीशो पैकेट/पार्सल बरामद हुए। इसके अलावा वारदात में प्रयुक्त अथवा घटना से संबंधित एक ई-रिक्शा भी पुलिस ने बरामद किया है।

जानसठ में टला सभासदों का सामूहिक इस्तीफा, होर्डिंग विवाद ने बढ़ाई थी सियासी गर्मी

आरएलडी संगठन मंत्री अजीत राठी, एसडीएम और चेयरमैन की पहल लाई रंग, होर्डिंग समेत अन्य शिकायतों की जांच के आश्वासन पर सभासदों ने टाला इस्तीफा

मुजफ्फरनगर। नगर पंचायत जानसठ में सभासदों के सामूहिक इस्तीफे को लेकर चल रही राजनीतिक हलचल सोमवार को महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई। होर्डिंग विवाद और लगातार की जा रही शिकायतों को लेकर नाराज चल रहे सभासदों ने सामूहिक इस्तीफा देने का ऐलान किया था, लेकिन सोमवार को हुई वार्ता के बाद फिलहाल इस्तीफे का संकट टल गया। आरएलडी के उत्तर प्रदेश संगठन मंत्री अजीत राठी, उपजिलाधिकारी रश्मि लाम्बा और नगर पंचायत चेयरमैन डॉ. आबिद हुसैन की पहल के बाद सभासदों ने अपना फैसला बदल दिया। प्रशासन की ओर से शिकायतों और होर्डिंग विवाद समेत संबंधित मामलों की नियमानुसार जांच और कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद सभासदों ने फिलहाल सामूहिक इस्तीफा नहीं देने पर सहमति जताई।

होर्डिंग विवाद को लेकर बढ़ा था मामला

नगर पंचायत जानसठ में होर्डिंग लगाए जाने और उनसे जुड़े विवाद को लेकर पहले से ही माहौल गर्म था। सभासदों का आरोप है कि एक नामित सभासद द्वारा लगातार शिकायतें की जा रही हैं, जिसके चलते नगर पंचायत के कामकाज में अनावश्यक विवाद की स्थिति पैदा हो रही है। होर्डिंग विवाद सहित विभिन्न शिकायतों को लेकर सभासदों में नाराजगी बढ़ती गई और मामला सामूहिक इस्तीफे तक पहुंच गया। सभासदों ने जिलाधिकारी से मिलकर सामूहिक रूप से इस्तीफा सौंपने का ऐलान किया था। हालांकि, सोमवार को हुई बातचीत के बाद स्थिति बदल गई और सभासदों ने फिलहाल अपना निर्णय टाल दिया।

सुबह सभासदों के बीच पहुंचे अजीत राठी

सोमवार सुबह आरएलडी के उत्तर प्रदेश संगठन मंत्री अजीत राठी सभासदों के बीच पहुंचे। उन्होंने सभासदों से पूरे मामले पर विस्तार से बातचीत की और उनकी नाराजगी का कारण जाना। अजीत राठी ने सभासदों से अपील की कि सामूहिक इस्तीफा देने के बजाय बातचीत और प्रशासनिक स्तर पर समाधान का रास्ता अपनाया जाए। उन्होंने नगर

पंचायत के विकास कार्यों को प्रभावित होने से बचाने और विवाद का समाधान बातचीत के माध्यम से निकालने पर जोर दिया।

चेयरमैन डॉ. आबिद हुसैन भी वार्ता में हुए शामिल

इसके बाद अजीत राठी और नगर पंचायत चेयरमैन डॉ. आबिद हुसैन सभासदों के साथ एसडीएम जानसठ रश्मि लाम्बा से मिले। इस दौरान सभासदों ने अपनी समस्याओं और शिकायतों को एसडीएम के सामने रखा। सभासदों ने विशेष रूप से होर्डिंग विवाद और एक नामित सभासद द्वारा लगातार की जा रही शिकायतों का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि शिकायतों के कारण नगर पंचायत के कामकाज पर असर पड़ रहा है और जनप्रतिनिधियों के बीच अनावश्यक विवाद की स्थिति पैदा हो रही है।

एसडीएम ने जांच और कार्रवाई का दिया भरोसा

सभासदों की बात सुनने के बाद एसडीएम रश्मि लाम्बा ने उन्हें आश्वस्त किया कि सभी शिकायतों की नियमानुसार जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान यदि कोई शिकायत या आरोप सही पाया जाता है तो नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने सभासदों से सामूहिक इस्तीफा नहीं देने की अपील करते हुए नगर पंचायत के विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही। प्रशासन के इस आश्वासन के बाद सभासदों ने अपना रुख नरम किया और फिलहाल सामूहिक इस्तीफा नहीं देने का निर्णय लिया।

जिलाधिकारी को इस्तीफा देने की तैयारी पर लगा विराम

सभासदों ने जिलाधिकारी से मिलकर सामूहिक इस्तीफा सौंपने का निर्णय लिया था। इसको लेकर नगर पंचायत जानसठ की राजनीति में काफी हलचल मच गई थी। माना जा रहा था कि यदि बड़ी संख्या में सभासद इस्तीफा देते हैं तो नगर पंचायत बोर्ड की कार्यप्रणाली पर भी इसका असर पड़ सकता है। लेकिन सोमवार को हुई वार्ता के बाद सभासदों ने फिलहाल यह कदम उठाने से इनकार कर दिया। उन्होंने प्रशासन के जांच के आश्वासन पर भरोसा जताया है।

अजीत राठी की पहल से टला बड़ा राजनीतिक संकट

पूरे घटनाक्रम में आरएलडी के प्रदेश संगठन मंत्री अजीत राठी की पहल अहम मानी जा रही है। उन्होंने सभासदों के बीच पहुंचकर बातचीत की और मामले को बढ़ाने के बजाय समाधान की दिशा में आगे बढ़ने के लिए सहमति बनाई।

नगरपालिका में कथित ठेकेदारी और टेंडर में मिलीभगत के आरोपों की जांच रिपोर्ट को लेकर सभासद ने उठाई आवाज

वार्ड-7 के सभासद मौहम्मद खालिद ने डीएम से शासन के निर्देश पर छह बिंदुओं की अद्यतन जांच रिपोर्ट और प्रमाणित प्रति उपलब्ध कराने की मांग की

मुजफ्फरनगर। नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर से जुड़ी एक पुरानी शिकायत की जांच और उसकी अद्यतन रिपोर्ट को लेकर नगर पालिका के वार्ड नंबर-7 के सभासद मौहम्मद खालिद ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। सभासद ने अपने पत्र में तत्कालीन अधिशासी अधिकारी द्वारा शासन को भेजे गए पत्र, शासन स्तर से मांगी गई छह बिंदुओं पर तथ्यात्मक सूचना और जांच आख्या तथा बाद में जिलाधिकारी कार्यालय को भेजे गए निर्देशों का हवाला देते हुए जांच रिपोर्ट की प्रमाणित प्रति उपलब्ध कराने की मांग की है। सभासद मौहम्मद खालिद ने जिलाधिकारी को दिए पत्र में कहा है कि तत्कालीन अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर द्वारा 6 मई 2025 को नगर विकास अनुभाग, लखनऊ के प्रमुख सचिव को एक पत्र भेजा गया था। पत्र में वार्ड-25 के तत्कालीन सभासद राजीव कुमार शर्मा पर पालिका में कथित रूप से अप्रत्यक्ष ठेकेदारी करने, पालिका के विभिन्न विभागों द्वारा आमंत्रित

निविदाओं में ठेकेदारों से मिलीभगत करने, निविदाओं को प्रभावित करने तथा मनमाफिक निविदा प्राप्त नहीं होने पर शिकायतें करने के आरोपों का उल्लेख किया गया था।

विकास कार्य प्रभावित करने और वित्तीय क्षति का भी लगाया गया था आरोप

सभासद खालिद के अनुसार, तत्कालीन अधिशासी अधिकारी की ओर से शासन को भेजे गए पत्र में यह आरोप भी लगाया गया था कि संबंधित शिकायतों और कथित हस्तक्षेप के कारण पालिका के विकास कार्य प्रभावित हुए तथा नगर पालिका को वित्तीय क्षति होने की स्थिति पैदा हुई। इसी मामले में शासन स्तर से विभिन्न बिंदुओं पर तथ्यात्मक जानकारी और जांच रिपोर्ट मांगी गई थी। खालिद ने अपने पत्र के साथ संबंधित पत्राचार की छायाप्रतियां संलग्न करते हुए जिलाधिकारी से मामले की वर्तमान स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

शासन ने छह बिंदुओं पर मांगी थी तथ्यात्मक सूचना

पत्र के अनुसार, इस मामले में आपके कार्यालय/संबंधित विभाग तथा उत्तर प्रदेश शासन के नगर विकास अनुभाग-2, लखनऊ से छह बिंदुओं पर तथ्यात्मक सूचना एवं जांच आख्या मांगी गई थी। सभासद का कहना है कि शासन स्तर से मांगी गई रिपोर्ट के बावजूद उन्हें अभी तक जांच की अद्यतन स्थिति और रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई गई है।

संयुक्त सचिव ने दो दिन में रिपोर्ट भेजने के दिए थे निर्देश

सभासद मौहम्मद खालिद ने अपने पत्र में श्री देवेश मिश्र, संयुक्त सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, नगर विकास अनुभाग-2, लखनऊ द्वारा 10 जुलाई 2026 को जिलाधिकारी कार्यालय मुजफ्फरनगर को भेजे गए पत्र का भी उल्लेख किया है।

शक्तिवर्धक आयुर्वेदिक दवाओं के नाम पर ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश, दो शातिर गिरफ्तार

यूट्यूब-फेसबुक पर आकर्षक विज्ञापन देकर लोगों को फंसाते थे आरोपी, एडवांस पेमेंट लेने के बाद भेजते थे फर्जी बिल और ऑर्डर स्लिप

मुजफ्फरनगर। सोशल मीडिया पर शक्तिवर्धक और आयुर्वेदिक दवाइयों के आकर्षक विज्ञापन दिखाकर लोगों को अपने जाल में फंसाने वाले साइबर ठगों के गिरोह का मुजफ्फरनगर साइबर क्राइम पुलिस ने पदार्फाश किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरोह के दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से सात मोबाइल फोन, थार रोक्स गाड़ी, तीन एटीएम कार्ड और आयुर्वेदिक दवाइयां बरामद की गई हैं। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सावेज पुत्र इस्लाम निवासी दाहा, थाना दोघट, जनपद बागपत, हाल निवासी बुढ़ाना, मुजफ्फरनगर तथा इस्लाम पुत्र अब्दुल रशीद निवासी दाहा, थाना दोघट, जनपद बागपत, हाल निवासी बुढ़ाना, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है।

'प्रतिबिम्ब' पोर्टल से मिली जानकारी के बाद खुला ठगी का राज

साइबर अपराधियों की निगरानी और गिरफ्तारी के लिए गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विकसित ऑनलाइन पोर्टल 'प्रतिबिम्ब' पर मुजफ्फरनगर से संबंधित कुछ मोबाइल नंबर रिफ्लेक्ट हुए थे। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने इन नंबरों की गहनता से जांच शुरू की तो ऑनलाइन ठगी के

नेटवर्क का पता चला। जांच में सामने आया कि आरोपियों द्वारा यूट्यूब, फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पेज बनाकर शक्तिवर्धक, आयुर्वेदिक और देशी जड़ी-बूटी आधारित दवाओं के विज्ञापन प्रसारित किए जाते थे। विज्ञापनों में कम कीमत, गुप्त उपचार और जल्द लाभ जैसे दावे कर लोगों को आकर्षित किया जाता था।

दवा के नाम पर पहले लेते थे एडवांस रकम

पुलिस जांच के अनुसार, विज्ञापन देखकर जब कोई व्यक्ति दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करता था तो आरोपी खुद को दवा विक्रेता अथवा चिकित्सकीय प्रतिनिधि बताकर ग्राहक का विश्वास जीतते थे। इसके बाद दवा भेजने के नाम पर पीड़ित से अग्रिम भुगतान अपने या अन्य बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिया जाता था। रकम प्राप्त होने के बाद ठगी का अगला चरण शुरू होता था। आरोपी पीड़ित को भरोसे में रखने के लिए फर्जी ऑर्डर कन्फर्मेशन, नकली बिल, ऑर्डर स्लिप और स्क्रीनशॉट तैयार करके व्हाट्सऐप अथवा अन्य माध्यम से भेजते थे। इसके बाद न तो दवा भेजी जाती थी और न ही रकम वापस की जाती थी। जब पीड़ित दोबारा संपर्क करता तो आरोपी मोबाइल नंबर बंद कर देते थे या संपर्क करना बंद कर देते थे।

कई राज्यों से सामने आईं साइबर ठगी की शिकायतें

साइबर थाना पुलिस की जांच में आरोपियों से संबंधित मोबाइल नंबरों पर विभिन्न राज्यों से साइबर क्राइम पोर्टल पर कुल सात शिकायतें दर्ज मिली हैं। पुलिस अब आरोपियों के अन्य मोबाइल नंबरों, बैंक खातों और संभावित लेन-देन की भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस का मानना है कि जांच आगे बढ़ने पर ठगी से जुड़े अन्य मामलों और आरोपियों के नेटवर्क के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ सकती है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से कुल 07 मोबाइल फोन, 01 थार रोक्स गाड़ी नंबर यूके 07 एचजे 7464, तीन एटीएम कार्ड, आयुर्वेदिक दवाइयां बरामद की हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने बताई ठगी की पूरी तरकीब

प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने बताया कि उन्होंने यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया साइटों पर पेज बना रखे थे। इन पेजों पर शक्तिवर्धक और आयुर्वेदिक दवाओं के विज्ञापन चलाए जाते थे। विज्ञापनों में अलग-अलग मोबाइल नंबर दिए जाते थे, ताकि लोगों से संपर्क कर उन्हें अपने जाल में फंसाया जा सके। आरोपी ग्राहक का विश्वास जीतने के बाद दवा के लिए अग्रिम भुगतान लेते थे। रकम मिलने के बाद फर्जी बिल और ऑर्डर से संबंधित स्क्रीनशॉट भेजकर ग्राहक को भरोसे में रखते थे। इसके बाद दवा नहीं भेजते थे और शिकायत करने या दोबारा संपर्क करने पर मोबाइल नंबर बंद कर देते थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर से एक माह चलेगा भाजपा का सेवा संकल्प अभियान

मुजफ्फरनगर में जिला प्रभारी सूर्य प्रकाश पाल ने कार्यक्रमों की दी जानकारी, क्षेत्रीय कार्यकारिणी के नवनियुक्त पदाधिकारियों का हुआ स्वागत

मुजफ्फरनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक ह्यसेवा संकल्प अभियानह्न चलाया जाएगा। अभियान के तहत सेवा, जनकल्याण और जनसंपर्क से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इसी क्रम में मुजफ्फरनगर के गांधी नगर स्थित भाजपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी की अध्यक्षता तथा जिला महामंत्री शरद शर्मा के संचालन में बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला प्रभारी सूर्य प्रकाश पाल ने एक माह तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान के कार्यक्रमों की जानकारी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को दी।

उन्होंने बताया कि अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं कार्यालय में 25 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर से भी जुड़ा है। इस दौरान देशभर में सेवा और जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रम

आयोजित किए जाएंगे।

अभियान के तहत देश के 14 लाख से अधिक आंगनवाड़ी केंद्रों पर पहुंचकर आंगनवाड़ी कार्यकताओं को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। युवाओं को जनसेवा से जोड़ने के लिए ह्यसेवा में मेरा योगदान कार्यक्रम आयोजित होगा। वहीं ब्लॉक स्तर पर 15 दिवसीय सेवा सेतु अभियान चलाया जाएगा, जिसमें विभिन्न सरकारी योजनाओं के अधिकारी दस्तावेज लेकर लोगों की समस्याओं का समाधान कराने और पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करेंगे। इसके अलावा स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर सहित करीब 25 प्रकार के सेवा कार्य आयोजित किए जाएंगे।

जिला मीडिया प्रभारी पवन अरोरा ने बताया कि

बैठक के दौरान भाजपा की क्षेत्रीय कार्यकारिणी में महामंत्री बने रूपेंद्र सैनी, मंत्री नितिन मलिक तथा कार्यकारिणी सदस्य बने रोहिल वाल्मीकि का माला एवं पटका पहनाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ नेता जगदीश पाल अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी ने उनका स्वागत करते हुए पार्टी की सदस्यता दिलाई।

बैठक में जिला पंचायत प्रशासक वीरपाल निर्वाल, नगरपालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, जिला सहकारी बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष रामनाथ ठाकुर, विनित कात्यान, रोसताश पाल, विजय प्रजापति, अंजलि चौधरी, आंचल तोमर, सचिन पावटी, सुनील दर्शन, संजय गर्ग, प्रमेश सैनी, रविकांत पाल, जोगेंद्र गुर्जर, ममता अग्रवाल, अनुज सहरावत, सुरेंद्र कश्यप, दिनेश पुंडीर, विनित चौहान, अमरजीत गुर्जर, रक्षित नामदेव, लवी विकल, पुरोहित उटवाल, अरुण शर्मा, पंकज माहेश्वरी, सर्वेश कुमार उर्फ पिंटू त्यागी,

प्रवीण खेड़ा, दीपक मित्तल, अमित शास्त्री, जगदीश शर्मा, सलीम अहमद, आदेश गौतम, राजू अहलावत, मनन जुनेजा, मनोज कश्यप, हरीश गुप्ता, इंद्र कश्यप, मनोज पांचाल और हरीश गौतम सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कृष्ण-सुदामा प्रसंग ने श्रद्धालुओं को किया भाव-विभोर, दिव्य हवन व भंडारे के साथ श्रीमद्भागवत कथा का समापन

कथा व्यास गंगोत्री तिवारी मृदुल महाराज ने कहा—मित्रता में स्वार्थ नहीं, समर्पण का भाव होना चाहिए

मुजफ्फरनगर। रामपुर स्थित शिव मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के सप्तम एवं अंतिम दिवस कथा व्यास गंगोत्री तिवारी मृदुल महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का मार्मिक प्रसंग सुनाकर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। कथा के दौरान कृष्ण-सुदामा की मित्रता का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि सच्ची मित्रता में स्वार्थ नहीं, बल्कि समर्पण और प्रेम का भाव होना चाहिए। कथा व्यास ने कहा कि सुदामा अत्यंत दीन-हीन अवस्था में होने के बावजूद भगवान श्रीकृष्ण से किसी प्रकार की धन-संपत्ति की अपेक्षा नहीं रखते थे। वहीं द्वारिकाधीश भगवान श्रीकृष्ण ने भी बिना मांगे अपने परम मित्र सुदामा को सुख-सुविधाएं प्रदान कर दीं। कृष्ण-सुदामा का यह प्रसंग आज के मानव समाज के लिए महत्वपूर्ण सीख है।

उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा जैसे धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों का समय-समय पर आयोजन और श्रवण करते रहने से आम जनमानस को आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है तथा सत्मार्ग पर चलने का मार्ग प्रशस्त होता है। श्रीमद्भागवत हमारे सनातन धर्म की महत्वपूर्ण धरोहर है, जिसका श्रवण जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। व्यास जी ने कहा कि जिस कुल-खानदान में एक बार श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होता है, उसके सात पीढ़ियों तक के पूर्वज तृप्त होते हैं और भगवान की कृपा प्राप्त होती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से धर्म, सदाचार और सत्य

के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

कथा के समापन अवसर पर शिव मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने दूर-दराज से कथा श्रवण करने पहुंचे सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता सचिन सिंघल एवं मनीष सिंघल ने व्यास पीठ का विधिवत पूजन किया। इसके बाद दिव्य हवन का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुति देकर विश्व कल्याण एवं सुख-समृद्धि की कामना की। सप्ताहभर चली श्रीमद्भागवत कथा का समापन विशाल भंडारे के साथ हुआ।

भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। इस अवसर पर ठाकुर जगन सिंह, काके सिंह मुखिया, मांगेराम मुढाड, कंवरपाल सिंह, योगेश सिंह, भीम सिंह, शिव अवतार, रामभूल सिंह, प्रदीप राणा, बिट्टू राणा, कालू बाबा, बच्चन रावल, अमित रावल, राजेश शर्मा, पं. ज्योति शर्मा, रामपाल रावल, नीटू रावल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

मुजफ्फरनगर में शिवसेना की सभी इकाइयां भंग, 15 दिन में होगा संगठन का पुनर्गठन

महिला मोर्चा, युवा इकाई समेत सभी संगठनों को तत्काल प्रभाव से किया गया भंग; ललित मोहन शर्मा बोले—शिवसेना को फिर पुराने रंग में लाएंगे

मुजफ्फरनगर। शिवसेना के पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रमुख ललित मोहन शर्मा ने मुजफ्फरनगर जनपद की शिवसेना जिला इकाई, महिला मोर्चा, युवा इकाई सहित सभी इकाइयों को तत्काल प्रभाव से भंग करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि आगामी 15 दिनों के भीतर जनपद में पार्टी संगठन का पुनर्गठन किया जाएगा।

पार्टी संगठन को भंग करने की घोषणा करते हुए ललित मोहन शर्मा ने कहा कि शिवसेना को एक बार फिर पुराने रंग और मजबूत संगठनात्मक स्वरूप में लाया जाएगा।

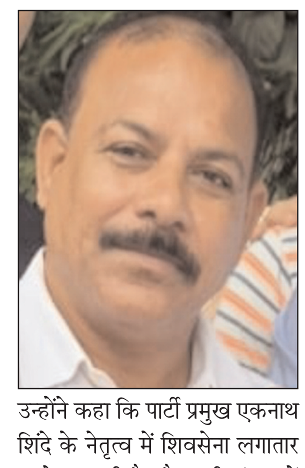

उन्होंने कहा कि पार्टी प्रमुख एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना लगातार आगे बढ़ रही है और बड़ी संख्या में युवा वर्ग के बीच लोकप्रिय हो रही है।

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में पार्टी से सक्रिय, निष्ठावान और समर्पित कार्यकताओं को जोड़ा जाएगा तथा उनके माध्यम से जनपद में नए सिरे से संगठन का गठन किया जाएगा। उन्होंने कार्यकताओं से पार्टी को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मंडल प्रमुख शरद कपूर, शिवसेना जिला प्रमुख बिट्टू सिखेड़ा, मुकेश त्यागी, देवेंद्र चौहान, उज्ज्वल पंडित, नरेंद्र ठाकुर, संजीव वर्मा, गौरव गर्ग, सोनू पालीवाल आदि मौजूद रहे।

हरतालिका तीज पर कैसे बनाएं मिट्टी के शिव-पार्वती

हरतालिका तीज का व्रत महिलाओं के लिए बेहद अहम होता है। इस दिन महिलाएं 16 श्रृंगार करके अपने पति की सुरक्षा और उनकी लंबी आयु की कामना करने के लिए भगवान शिव संग माता पार्वती की पूजा करती हैं। पूजा के लिए महिलाएं इस दिन मिट्टी के शिव-पार्वती की मूर्ति भी बनाती हैं। साथ ही, हरतालिका तीज के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति को सुंदर मंडप में स्थापित करके उनकी पूजा करती हैं।

आवश्यक सामग्री

- **मिट्टी**–आप बाजार से विशेष रूप से मूर्ति बनाने वाली मिट्टी या घर में उपलब्ध मिट्टी का उपयोग कर सकते हैं।
- **पानी**– मिट्टी को गूंथने के लिए साफ पानी।
- **चौकी**– मूर्ति बनाने के लिए एक साफ और समतल सतह जरूरी है।
- **चाकू या नुकिली चीज**– मूर्ति को आकार देने के लिए।
- **सजावटी सामान**– मूर्ति को सजाने के लिए आप फूल, पत्ते, या अन्य सजावटी सामान का उपयोग कर सकते हैं।

मिट्टी के शिव–पार्वती बनाने की विधि

- शिव–पार्वती की मूर्ति बनाने के लिए सबसे पहले आप मिट्टी तैयार करें। इसके लिए मिट्टी को पानी के साथ अच्छी तरह गूंथ लें, ताकि वह नरम और मॉडलिंग के लिए उपयुक्त हो जाए।
- इसके बाद, मिट्टी का एक बड़ा गोला बनाएं।
- गोले को लंबा और चौड़ा करके शिव–पार्वती का धड़ बनाएं।
- इसके बाद, मिट्टी के छोटे–छोटे दो गोले लेकर उनके सिर, हाथ और पैर बनाएं।
- अब, चेहरे पर आंख, नाक, होंठ आदि का आकार बनाएं।
- अब मिट्टी के थोड़े से हिस्से को लेकर उसे लंबाई में सांप की तरह बना दें और इस शिव के गले में घुमा कर लगा दें।
- इसके अलावा, आप चाहें तो बगल में त्रिशूल और हाथों में एक डमरू भी लगा सकते हैं।
- अंत में, मूर्ति को हवादार जगह में सूखने के लिए रख दें।
- आप चाहें तो सूखी हुई मूर्ति को प्राकृतिक रंगों से रंग भी सकते हैं। शिव को नीला या हरा रंग और पार्वती को लाल या गुलाबी रंग दे सकते हैं।
- बस आपकी मिट्टी के शिव–पार्वती तैयार हैं, अब आप हरतालिका तीज पर उनकी विधि अनुसार पूजा कर सकते हैं।

कम बजट की लाइटवेट जॉर्जेट साड़ी के ये डिजाइंस हरतालिका तीज पर आपको देंगे परफेक्ट फेस्टिव लुक

हरतालिका तीज के लिए कम बजट में हल्की जॉर्जेट साड़ियों के डिजाइन से पाएं परफेक्ट फेस्टिव लुक। जानें शेवरॉन, लेहरिया, चुनरी, पोल्का डॉट्स और मल्टी कलर प्रिंट्स की साड़ियों के साथ ब्लाउज़, ज्वेलरी, मेकअप और ड्रेपिंग के बेहतरीन सुझाव।

उमस के मौसम में हल्के–फुल्के कपड़े ही मन को भाते हैं। खासतौर पर तीज त्योहार के अवसर पर भी ऐसे ही कपड़े तलाशते हैं, जो हल्के हों और आरामदायक हों। हरतालिका तीज के मौके पर भी अगर आप हल्की और फेस्टिव लुक वाली साड़ी पहनने के बारे में सोच रही हैं, तो आप खूबसूरत और कम बजट वाली हल्की जॉर्जेट साड़ी पहन सकती हैं। आपको बता दें कि जॉर्जेट साड़ियां हल्की और आरामदायक होती हैं, इनमें आपको एक से बढ़कर एक वेराइटी देखने को मिल जाएंगी। अगर आप भी त्योहार पर शानदार साड़ी लुक पाना चाहती हैं, तो एक बार इस लेख में दिखाए गए जॉर्जेट साड़ी के पैटर्न और डिजाइंस देखकर अपने लिए एक नई और अच्छी जॉर्जेट साड़ी खरीद सकती हैं और उसे स्टाइल करने के टिप्स भी जा सकती हैं। इस लेख में हम विभिन्न प्रिंट्स की जॉर्जेट साड़ियों के डिजाइंस और उनके साथ सही ब्लाउज, ज्वेलरी, मेकअप और ड्रेपिंग स्टाइल के सुझावों पर चर्चा करेंगे।

शेवरॉन प्रिंट जॉर्जेट साड़ी

शेवरॉन साड़ी में हॉरीजॉन्टल और वर्टिकल लाइंस पड़ी होती हैं, ऐसी साड़ी में अधिकतर काली सफेद धारियां होती हैं। अगर आप हरतालिका तीज पर सबसे अलग नजर आना चाहती हैं, तो आपको एक बार ऊपर दिखाई गई तस्वीर पर गौरफरमाना चाहिए। इस तरह की साड़ी के साथ आप सादा या मेटैलिक ब्लाउज पहन सकती हैं। एक प्लेन या हल्के वर्क वाले ब्लाउज को इस साड़ी के साथ पहन कर आप सभी को अपनी ओर आकर्षित कर सकती हैं।

फैशन टिप्स– इस साड़ी के साथ आपको मिनिमलिस्टिक ज्वेलरी पहननी चाहिए। सिल्वर या गोल्ड प्लेटेड चूड़ियां, एक सादी चेन, और छोटे झुमके इस साड़ी के साथ बहुत अच्छे लगेंगे। हल्का मेकअप इस प्रिंट के साथ सबसे अच्छा लगता है। आप न्यूड लिपस्टिक के साथ लाइट आईशैडो लगाकर अपने लुक को एलिवेट कर सकती हैं। शेवरॉन प्रिंट साड़ी को क्लासिक ड्रेप में पहना जा सकता है। इससे यह प्रिंट ज्यादा अच्छा लगता है।

लेहरिया प्रिंट जॉर्जेट साड़ी

राजस्थान की फेमस लेहरिया साड़ी में भी आपको बाजार में बहुत सारी वेराइटी और प्रिंट देखने को मिल जाएंगे। ये साड़ियां 250 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक में आपको अलग–अलग पैटर्न और प्रिंट में मिल जाएंगी। आप इन्हें भी फेस्टिवल में पहन सकती हैं और खूबसूरत लुक पा सकती हैं।

फैशन टिप्स– लेहरिया प्रिंट साड़ी के साथ एक फुल–स्लीव्स या थ्री–फोर्थ स्लीव्स वाला ब्लाउज अच्छा लगता है। अमूमन लेहरिया प्रिंट वाली साड़ी में गोल्डन बॉर्डर होता है, तो आप गोल्डन या कॉपर ब्रोकेड वाला ब्लाउज इसके साथ पहन सकती हैं। इस प्रिंट के साथ गोल्डन ज्वेलरी आपको पहननी चाहिए। इससे आपको अच्छा एथनिक औश्र ट्रेडिशनल लुक मिलेगा। आप चाहें तो इसके साथ हैवी झुमका भी पहन सकती हैं। लेहरिया प्रिंट के साथ आप बोल्ड लिपस्टिक और लाइट स्मोकी आई मेकअप ट्राई कर सकती हैं। लेहरिया प्रिंट साड़ी को ड्रेप करते समय ध्यान दें कि लहरें एकसार दिखें।

चुनरी प्रिंट जॉर्जेट साड़ी

चुनरी प्रिंट में भी आपको बहुत सारे पैटर्न और डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। इस तरह का प्रिंट अपने आप में ही फेस्टिव लुक देता है। इसमें आपको हैवी और लाइट दोनों वेट की साड़ियां मिल जाएंगी। आप एक सिंपल सी 250 रुपये की साड़ी खरीद कर उसे अपने हिसाब से किसी अच्छे कारीगर से कढ़वा भी सकती हैं।

फैशन टिप्स– चुनरी प्रिंट साड़ी के साथ सिंपल या फिर स्टाइलिश नेकललाइन वाला ब्लाउज बहुत अच्छा लगेगा। आप इस ब्लाउज पर साड़ती के एक टुकड़े से फिल भी लगवा सकती हैं।इस प्रिंट के साथ आप रंग–बिरंगे स्टोन वाली ज्वेलरी का चयन कर सकती हैं। इससे आपके लुक को खूबसूरत अंदाज मिलेगा। चुनरी प्रिंट साड़ी के साथ रेड लिपस्टिक और हल्का मेकअप ट्राई करें। स्किन टोन के अनुसार सॉफ्ट और नैचुरल मेकअप आप पर अच्छा लगेगा। चुनरी प्रिंट साड़ी को फ्लोई स्टाइल में ड्रेप करें। प्लीट्स को सही से सेट करें ताकि प्रिंट अच्छा दिखे।

पोल्का डॉट्स जॉर्जेट साड़ी

पोल्का डॉट्स बहुत ही क्लासिक प्रिंट होता है। साड़ी में यह और भी ज्यादा अच्छा और ट्रेडिशनल लगता है। अगर आप भी इस त्योहार पर ऐसा अच्छा एथनिक लुक पाना चाहती हैं, तो आपको भी इस तरह की साड़ी में बहुत सारी वेराइटी मिल जाएगी।

फैशन टिप्स– पोल्का डॉट्स साड़ी के साथ एक प्लेन या हल्के डॉट्स वाला ब्लाउज आप पहन सकती हैं। पोल्का डॉट्स वाली साड़ी के साथ लाइट वेट ज्वेलरी आप पहन सकती है, एक स्टड पहन कर भी आप अपना लुक पूरा कर सकती हैं। पोल्का डॉट्स साड़ी के साथ आप लाइट मेकअप और न्यूड लिप्स का चयन करें। पोल्का डॉट्स साड़ी को ड्रेप करते समय इसे एक क्लासिक या स्लीक ड्रेप दे और पल्लू में प्लेट्स बना लें।

हरतालिका तीज के मौके पर प्लेन सलवार-सूट को फैंसी बनाने के लिए दुपट्टे के इन डिजाइंस को करें ट्राई

स्टाइलिश दिखना हम सभी को पसंद होता है। वहीं तीज–त्योहार के मौके पर हम ट्रेडिशनल लुक के कपड़ों को पहनते हैं। आजकल की बात करें तो प्लेन और सिंपल डिजाइन के सलवार–सूट को पहनना बेहद पसंद किया जाने लगा है। त्योहार की बात करें तो हरतालिका तीज आने वाली है। इस मौके पर सूट के साथ में ज्यादातर वर्क वाले या फैंसी दुपट्टों को स्टाइल किया जाने लगा है। तो आइये देखते हैं दुपट्टे के लेटेस्ट डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन दुपट्टों को स्टाइल करने के लिए आसान टिप्स–

लहरिया दुपट्टा डिजाइन

लाइट वेट में फैंसी दुपट्टा स्टाइल करना चाहती हैं तो इस तरह के लहरिया डिजाइन वाले दुपट्टे आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेंगे। आप चाहें तो घर में रखी पुरानी साड़ी की मदद से भी दुपट्टे को अपनी पसंद की लेंथ से कटवाकर इसमें गोटा–पट्टी वाली गोल्डन या कलरफुल लेस को लगवा सकती हैं। इस तरह से आप पुरानी साड़ी को भी रीसायकल कर पाएंगी और ज्यादा पैसे खर्च किए बिना लाइट वेट में फैंसी लुक पाएंगी।

मल्टी–कलर दुपट्टा डिजाइन

मल्टी कलर में आजकल कढ़ाई वर्क वाले पाकिस्तानी स्टाइल दुपट्टे चलन में है। इसमें बात अगर डिजाइन की करें तो रंगकाट पैटर्न आजकल सबसे ज्यादा स्टाइल किया जा रहा है। पार्टी वियर लुक के लिए इसे आप सिल्क सूट के साथ में स्टाइल कर सकती हैं। आप चाहें तो इसमें अलग से सीक्वेन भी लगवा सकती हैं। वहीं अगर आप और ज्यादा दुपट्टे को फैंसी बनाना चाहती हैं तो लेस वर्क जैसे गोटा–पट्टी के कई डिजाइंस आपको देखने को मिल जाएंगे।

मिरर वर्क दुपट्टा डिजाइन

मिरर वर्क दुपट्टे देखने में बेहद चमकदार और फैंसी लुक देने का काम करते हैं। इसमें आपको कई तरह के डिजाइंस और कलर कॉम्बिनेशन भी मिल जाएंगे। पाकिस्तानी से लेकर फुलकारी दुपट्टे में आपको इसके हैवी कढ़ाई वाले डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। बात अगर स्टाइलिंग की करें तो इसे आप किसी भी तरह के प्लेन सूट के साथ में पहन सकते हैं। इसके साथ में आप चांदबाली इयररिंग्स को कैरी कर सकती हैं।

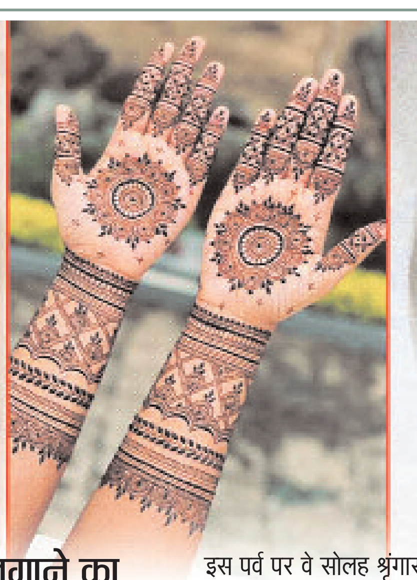

केवल 5 मिनट में मेहंदी की ये सुंदर डिजाइंस हाथों पर लगाएं

त्योहार पर मेहंदी लगाने का वक्त नहीं मिल रहा है, मगर लगाने का मन भी हो रहा है तो आप भी लेख में दिखाए गए मेहंदी डिजाइंस को हाथों पर 5 मिनट में लगवा सकती हैं।

त्योहारों की झड़ी लगी हुई है। एक के बाद एक त्योहार आ रहे हैं। कजरी तीज का त्योहार अभी कुछ दिन पहले ही निकला है और अब हरतालिका तीज भी आने ही वाली है। यह महिलाओं का त्योहार है और इस पर्व पर वे सोलह श्रृंगार भी करती हैं। मेहंदी की बिना महिलाओं का श्रृंगार कहां पूरा होता है। ऐसे में अगर आप भी हरतालिका तीज पर हाथों पर कम समय में और आसानी से लगने वाली मेहंदी डिजाइन तलाश रही हैं, तो इस लेख में दिखाई गई मेहंदी डिजाइंस को देखें और जानें कि आप इन्हें कैसे हाथों पर कम समय में लगवा सकती हैं।

मिनिमल बेल मेहंदी डिजाइन

मिनिमल मेहंदी का क्रेज आजकल महिलाओं में बहुत देखा जा रहा है और इस तरह की मेहंदी को हाथों में लगाने में ज्यादा समय नहीं लगता है। आप बेल मेहंदी को भी मिनिमल अंदाज दे सकती हैं।

सिंपल बेल मेहंदी डिजाइन

आप हरतालिका तीज पर अपने हाथों को सुंदर दिखाने के लिए आप सिंपल बेल मेहंदी डिजाइन को लगा सकती हैं। इसमें कलाई पर जाल का डिजाइन क्रिएट किया जाता है। फिर फूल, पत्तियों और कोन डिजाइन बनाकर डिजाइन को क्रिएट किया जाता है। अब इसमें अलग–अलग डिजाइन और शेड करते हैं। उंगलियों पर सिंपल पत्तियों का डिजाइन क्रिएट करें। इससे आपका हाथ अच्छे लगेंगे। इस तरह की बेल को बनाने में आपको सिर्फ 15 मिनट का समय लगेगा।

मंडला आर्ट मेहंदी डिजाइंस

आपके हाथ छोटे हों या बड़े, पतले हों या मोटे हरतालिका तीज पर मंडला आर्ट मेहंदी डिजाइन आपके हाथों पर बहुत ही अच्छी लगेगी। इसे बनाने में आपको ज्यादा वक्त भी नहीं लगेगा। आप हथेली के बीचों–बीच गोल आकार में रेखा खींच कर अंदर और बाहर छोटी–छोटी आकृतियां बनाकर अपने मेहंदी डिजाइन को पूरा कर सकती हैं। बेस्ट बात तो यह है कि इस मेहंदी डिजाइन के साथ उंगलियों और कलाई पर थोड़ी घनी मेहंदी लगा सकती हैं। वहीं आपके पास समय कम हो तो केवल हथेली के बीच मेहंदी लगाकर भी मेहंदी को कंप्लीट कर सकती हैं।

जल मेहंदी डिजाइंस

जाल मेहंदी लगाना आसान है। इसके लिए आपको तय करना होगा कि आप फूलों, लकीरों या डॉट्स किसका जाल बनाना चाहती हैं। इसके बाद पूरे हाथों में वैसी ही जाल डिजाइन बनाएं और बाद में उस जाल को छोटी–छोटी डिजाइंस से भरें। इस तरह की मेहंदी में आप हथेली और उंगलियों में एक जैसी डिजाइन बना सकती हैं। आपको ज्यादा भरे–भरे हाथ चाहिए तो आप हाथों के आगे और पीछे दोनों तरफ जाल बनवा सकती हैं। अगर आपके हाथ छोटे और मोटे हैं, तो इस तरह की मेहंदी डिजाइन आपके हाथों को पतला और लंबा दिखाएगी।

पवित्र प्रतीक वाली डिजाइंस

शुभ अवसर और त्योहार पर आप भी हाथों में पवित्र हिंदू प्रतीकों वाली मेहंदी डिजाइन लगा सकती हैं। यह न केवल दिखने में अच्छी लगेगी बल्कि अवसर के हिसाब से आपके हाथों को अच्छे लुक भी देगी। आप ओम, स्वास्तिक या त्रिशुल भी बनवा सकती हैं। यह सभी चिन्ह 5 मिनट से भी कम समय में बन सकते हैं। आप दोनों हाथों में अलग–अलग चिन्ह वाली मेहंदी डिजाइन भी लगा सकती हैं। अगर आपको थोड़ी हैवी मेहंदी डिजाइन पसंद है, तो छोटी–छोटी आकृतियों से हाथों को फिल कर सकती हैं।

गोल टिक्की मेहंदी डिजाइंस

हरतालिका तीज पर अगर आपको मेहंदी लगवानी है, मगर आपके पास समय नहीं हैं, तो आप खुद से घर पर गोल टिक्की मेहंदी डिजाइन लगा सकती हैं। यह बहुत ही आसान होती है और इसे आप खुद से लगा सकती हैं। आप हाथों के बीच में बड़ी सी गोल टिक्की बनाएं और उसे आस–पास डॉट से हाथों को सजाएं। ऐसा करने से मेहंदी डिजाइन बहुत ही अच्छी लगती है और यह बहुत जल्दी लगती है। आप अपने दोनों हाथों में एक जैसी डिजाइन बनाकर उंगलियों की टिप को मेहंदी से कवर कर सकती हैं।

कमल के फूल वाली मेहंदी डिजाइंस

कमल का फूल हिंदू धर्म में सुख और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। अगर आप हाथों में केवल कमल का फूल ही बना लें, तब भी आपकी मेहंदी डिजाइन बहुत खूबसूरत लगेगी। वहीं उंगलियों को आप जाल मेहंदी डिजाइन से कवर कर सकती हैं। हरतालिका तीज पर इस तरह की मेहंदी डिजाइन बहुत ही कम समय में लग जाती हैं और दिखने में भी बहुत सुंदर लगती हैं।

नपेंगे अफसर; सीएम बोलीं- दिल्लीवालों की सुरक्षा से समझौता नहीं

दिल्ली में पांच मंजिल वाली इमारतें होंगी सील

नई दिल्ली, एजेंसी। सत्य निकेतन में बिल्डिंग गिरने से छह लोगों की मौत के बाद दिल्ली सरकार ने अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई तेज करने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निर्देश दिए हैं कि नियमों का उल्लंघन कर बनाए गए पांच मंजिल वाले अवैध बिल्डिंगों को तत्काल सील किया जाए। साथ ही सत्य निकेतन और आसपास के क्क्ष व अन्य भवनों की सघन जांच भी होगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार सुबह दोबारा सत्य निकेतन घटनास्थल का दौरा किया और वहां सुरक्षा व्यवस्था व चल रही कार्रवाई की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने निर्देश दिए कि नियमों का उल्लंघन कर बनाई गई पांचवीं मंजिल वाले भवनों को तुरंत सील किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्लीवासियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। लापरवाही मिलने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। भी कहा है कि चार मंजिल से ज्यादा के अवैध निर्माण तत्काल सील किए जाएंगे। ऐसे निर्माण को अनुमति देने या समय पर कार्रवाई नहीं करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उनके खिलाफ तत्काल बर्खास्तगी तक की कार्रवाई का प्रावधान बताया गया है। ये निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के पास है और छात्रों के लिए यहां बड़ी संख्या में पीजी और किराये के आवास हैं। अधिकारियों के मुताबिक, समय के साथ कई संपत्तियों में अतिरिक्त कमरे और मंजिलें जोड़ी अधिकारियों के मुताबिक स्न्रनियमों के तहत पांचवीं मंजिल की अनुमति नहीं थी।

4 मंजिल से ज्यादा के अवैध निर्माण होंगे सील

सत्य निकेतन हादसे के मामले में भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। जांच में अगर किसी एमसीडी अधिकारी की लापरवाही या भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सरकार के निर्देश के बाद सत्य निकेतन और आसपास के इलाके में बने पीजी और दूसरे भवनों की सघन जांच की जाएगी। निर्माण नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित भवन को सील करने समेत अन्य कार्रवाई की जाएगी। भवन के गिरने से छह लोगों की मौत हुई, वह करीब 55 वर्ग गज के प्लॉट पर बना था।

डॉक्टरों से मारपीट करने वाले नेताओं को हिरासत में लो, सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की घटना पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र में राजनीतिक दलों के सदस्यों द्वारा डॉक्टरों के साथ मारपीट की बढ़ती घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की। सर्वोच्च अदालत ने सरकार को सख्त निर्देश दिया है कि डॉक्टरों पर हमला करने वाले ऐसे राजनेताओं को तुरंत हिरासत में लिया जाए।

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी महाराष्ट्र के पालघर जिले के अस्पताल में शिवसेना नेताओं द्वारा डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों के साथ की गई मारपीट के एक दिन बाद आई है।

पालघर के रिलीफ अस्पताल में हंगामा– जानकारी के मुताबिक, यह घटना रविवार तड़के रिलीफ अस्पताल में हुई। दही हांडी उत्सव के दौरान घायल हुए एक व्यक्ति को अस्पताल से डिस्चार्ज देने के मुद्दे पर अस्पताल के गलियारों में अचानक विवाद और हंगामा शुरू हो गया। अस्पताल के एक कर्मचारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, शिवसेना के जिला प्रमुख कुंदन संखे, शहर प्रमुख राहुल घरत और अन्य लोगों ने अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में प्रवेश किया और डॉक्टरों के साथ बहस करने लगे। स्थिति तब और बिगड़ गई जब पार्टी के कुछ सदस्य अस्पताल के इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में भी जबरन घुस गए।

सुरक्षित हवा अभी दूर

26 साल की प्रदूषण से जंग में दिल्ली को थोड़ी राहत, पीएम 2.5 घटकर 97 माइक्रोग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रदूषण के खिलाफ दिल्ली की करीब ढाई दशक पुरानी लड़ाई ने हवा को कुछ राहत जरूर दी है, लेकिन मंजिल अभी दूर है। वर्ष 2000 में राष्ट्रीय राजधानी का वार्षिक औसत पीएम 2.5 लगभग 90.8 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था। अगले दशक में प्रदूषण लगातार बढ़ा और 2010 में करीब 126.9 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। इसके बाद उतार-चढ़ाव के बीच इसमें कमी आई और 2025 में वार्षिक औसत करीब 97 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया। यानी सबसे खराब दौर के मुकाबले सुधार हुआ है, लेकिन हवा अब भी राष्ट्रीय मानक (40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) से

करीब ढाई गुना प्रदूषित है।

हाल के पांच सालों के आंकड़े बताते हैं कि सुधार एक सीधी रेखा में नहीं हुआ। 2021 में पीएम 2.5 का औसत 105 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था, जो 2022 में घटकर 98 हुआ। 2023 में यह फिर 100 और 2024 में 105 तक पहुंच गया। 2025 में इसमें गिरावट आई और स्तर 97 माइक्रोग्राम रहा। 2018 के बाद कोविड प्रभावित 2020 को छोड़कर यह सबसे कम वार्षिक औसत था।

26 साल की यह तस्वीर बताती है कि दिल्ली की हवा में कुछ सुधार जरूर हुआ है, लेकिन प्रदूषण का संकट खत्म नहीं हुआ। पिछले पांच वर्षों में उठाए गए कदमों ने कुछ राहत दी है, खासकर 2025 के आंकड़ों में इसका संकेत मिलता है। मगर 97 माइक्रोग्राम का औसत भी यह साफ करता है कि दिल्ली को सुरक्षित हवा तक पहुंचने के लिए अभी लंबी दूरी तय करनी है।

पिछले पांच साल में बदला प्रदूषण से लड़ने का तरीका

इस अवधि में सबसे बड़ा संस्थागत बदलाव 2021 में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के गठन के रूप में हुआ। इसके साथ प्रदूषण नियंत्रण को सिर्फ दिल्ली की समस्या मानने के बजाय पूरे एनसीआर के स्तर पर देखने की कोशिश हुई। वाहनों, औद्योगिक इकाइयों, निर्माण एवं सड़क की धूल, कचरा और पराली जलाने जैसे स्रोतों पर अलग–अलग कार्रवाई के साथ साझा दिशा–निर्देश लागू किए गए। वाहनों से निकलने वाले धुएं को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा, पुराने वाहनों पर सख्ती, सार्वजनिक परिवहन को स्वच्छ ईंधन की ओर ले जाने और एनसीआर में अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के प्रवेश पर चरणबद्ध पाबंदियों जैसे कदम उठाए गए।

न निजीकरण होगा, न महत्व घटेगा', निजी भागीदारी विवाद पर इसरो का स्पष्टीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंतरिक अनुसंधान संगठन ने रविवार को एक स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि न तो इसका निजीकरण किया जाएगा और न ही इसका महत्व कम होगा। एक्स पर एक पोस्ट में, अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि निजी क्षेत्र की भागीदारी को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की अगली पीढ़ी पर मजबूती से ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाती है, जबकि इंडस्ट्री परिपक्व तकनीकों और क्षमताओं को बड़े पैमाने पर विकसित करती है। यह घटनाक्रम तब हुआ 9 कर्मचारी संघों ने 4 सितंबर को अंतरिक्ष एजेंसी के चेयरमैन वी. नारायणन को पत्र लिखकर, इसके मैन्युफैक्चरिंग और ऑपरेशनल कामों को निजी संस्थाओं को सौंपने के

प्रस्ताव पर आधिकारिक स्पष्टीकरण मांगा। वे 21 अगस्त को इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर के चेयरमैन पवन गोयनका द्वारा की गई टिप्पणियों का जिक्र कर रहे थे। पोस्ट में कहा कि उन क्षेत्रों में इसकी भूमिका धीरे-धीरे मजबूत होगी जहां इसकी वैज्ञानिक विशेषज्ञता सबसे ज्यादा मायने रखती है। फ्रंटियर ऋष्ठ, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, मानव अंतरिक्ष उड़ान, अगली पीढ़ी के लॉन्च सिस्टम, डीप-स्पेस और ग्रहों के मिशन और रणनीतिक राष्ट्रीय क्षमताएं। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि वह अत्याधुनिक तकनीकों का विकास जारी रखेगी, जिसमें संचार, नेविगेशन और पृथ्वी अवलोकन के लिए एडवांस्ड पेलोड, सेंसर, प्रोपल्शन सिस्टम और अन्य महत्वपूर्ण तकनीकें शामिल हैं। सिस्टम को इंडस्ट्री के माध्यम से बड़े पैमाने पर तैयार किया जा सकता है। परिपक्व लॉन्च वाहनों, नियमित उपग्रहों और अन्य स्थापित सिस्टम का उत्पादन उचित प्रतिस्पर्धी प्रक्रियाओं के माध्यम से इंडस्ट्री या द्वारा किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

पॉलिमर तकनीक का कराया पेटेंट, बिना केमिकल नष्ट होंगे जीवाणु

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के शोधकर्ताओं ने ऐसी रसायन-मुक्त जीवाणुरोधी सतह का पेटेंट कराया है, जो हानिकारक रसायन के इस्तेमाल के बिना जीवाणुओं को खत्म कर सकती है। इसका उद्देश्य दुनियाभर में उभर रही एक गंभीर समस्या यानी रोगाणुरोधी प्रतिरोध या एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस (एएमआर) से निपटना है। एएमआर वह स्थिति है, जिसमें बीमारी फैलाने वाले जीवाणु सुपरबग में बदल जाते हैं और पारंपरिक उपचारों के प्रति प्रतिरोधी

हो जाते हैं। एएमआर दुनियाभर में स्वास्थ्य क्षेत्र की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है। प्रोफेसर परशुरामन स्वामीनाथन के अनुसार यह तकनीक किसी रासायनिक प्रक्रिया पर आधारित नहीं है, बल्कि इसमें विशेष रूप से तैयार की गई नैनो पालिमर का इस्तेमाल किया गया है। ये नैनो संरचनाएं जीवाणु के संपर्क में आने पर उनकी कोशिका दीवार को तोड़कर उन्हें नष्ट कर देती हैं। उन्होंने पीटीआई से कहा, ये सतह मानव कोशिकाओं के जुड़ने और बढ़ने के लिए सुरक्षित हैं, लेकिन जीवाणु पर ये गंभीर दबाव डालती हैं, जिससे उनकी कोशिका दीवार टूट जाती है और वे नष्ट हो जाते हैं। इस शोध के परिणाम पत्रिका 'एसीएस एप्लाइड बायोमेटेरियल्स' में प्रकाशित हुए हैं। स्वामीनाथन ने कहा, रसायनों या दवाओं के इस्तेमाल के बजाय हमने सतह को ही इस तरह तैयार किया है कि वह जीवाणु को भौतिक रूप से नष्ट कर सके। यह तरीका जीवाणु में दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित होने के खतरे को काफी कम करता है। शोधकर्ताओं ने रिएक्टिव आयन एचिंग (आरआइई) नाम की लो-प्रेशर प्लाज्मा प्रोसेस का इस्तेमाल कर एंटीबैक्टीरियल सतहें बनाईं। इस प्रक्रिया से सिलिकॉन की सतह पर एक खास तरह की घनी परत बनती है। यह परत जीवाणु की कोशिकाओं तक दबाव को प्रभावी ढंग से पहुंचाने में मदद करती है जिससे नैनो संरचनाओं की जीवाणु को नष्ट करने की क्षमता बढ़ जाती है। अनुसंधानकर्ताओं की टीम ने तीन अलग-अलग प्रकार के जीवाणुओं पर इस सतह का परीक्षण किया, जिसमें 'ग्राम-पॉजिटिव' और 'ग्राम-नेगेटिव' दोनों तरह के जीवाणु शामिल थे।

नरेला की एक फैक्ट्री में युवती से दरिंदगी, दुष्कर्म का आरोपी बुजुर्ग ठेकेदार गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में नरेला इलाके में स्थित एक फैक्ट्री में काम करने वाली 20 वर्षीय युवती से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने 66 वर्षीय लेबर कॉन्ट्रैक्टर को गिरफ्तार किया है। घटना करीब 5-6 दिन पुरानी है। वहीं, शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में दो संदिग्धों की भूमिका खंगाली जा रही है। पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश की रहने वाली युवती करीब एक महीने से फैक्ट्री में काम कर रही थी और वहीं रह रही थी। आरोप है कि 1 सितंबर की रात करीब 11 बजे फैक्ट्री परिसर में उसके साथ दुष्कर्म किया गया। शिकायत के बाद पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज किया और जांच शुरू की।

वहीं, जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि फैक्ट्री में काम करने वाले एक व्यक्ति ने कथित घटना का वीडियो भी बनाया था। उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। पुलिस वीडियो की जांच कर रही है और उसे बनाने वाले व्यक्ति की भूमिका भी पता लगा रही है। पुलिस ने पीड़िता की काउंसलिंग कराई है। जांच में सामने आए साक्ष्यों और बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि वारदात के समय फैक्ट्री में कौन-कौन लोग मौजूद थे। वहीं, छानबीन के दौरान युवती ने पुलिस को बताया कि उसे कोई नशीला पदार्थ खिलाया गया था।

क्लासरूम में बिछाए गए गद्दे

पीजी जाने से डर रहे छात्र, डीयू ने किया कॉलेजों में ही रुकने का इंतजाम

नई दिल्ली, एजेंसी। सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना के बाद पीजी में लौटने से डर रहे छात्रों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय ने वैकल्पिक व्यवस्था की है। साउथ कैंपस के कई कॉलेजों में जरूरतमंद छात्र-छात्राओं के ठहरने का इंतजाम किया गया है। यहां गद्दे और भोजन जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध कराने की तैयारी है। हादसे के बाद कई छात्र क्क्ष में वापस जाने को लेकर डरे हुए हैं और उनके सामने रहने की समस्या खड़ी हो गई है। ऐसे छात्रों की मदद के लिए डीयू ने साउथ कैंपस के कई कॉलेजों को अस्थायी ठहराव की व्यवस्था करने के लिए सक्रिय किया है। डीयू साउथ कैंपस की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी के मुताबिक, साउथ कैंपस क्षेत्र में करीब 25 कॉलेज हैं। सत्य निकेतन के आसपास छह-सात कॉलेज हैं, इसलिए इन्हें प्रभावित छात्रों की मदद के लिए तैयार किया गया है। श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज, राम लाल आनंद कॉलेज, मैत्रेयी कॉलेज और जीसस एंड मैरी कॉलेज समेत कई कॉलेजों में छात्रों के रुकने की व्यवस्था की गई है। जरूरत पड़ने पर छात्र-छात्राएं कॉलेज के क्लासरूम में रात भी गुजार सकेंगे। क्लासरूम में गद्दे बिछाए गए हैं। डीयू प्रशासन ने सभी संबंधित कॉलेजों से सत्य निकेतन हादसे से प्रभावित छात्रों की संख्या और जिन्हें तत्काल ठहरने की जरूरत है, उनकी जानकारी मांगी है। इसके आधार पर छात्रों को संबंधित कॉलेजों में जगह दी जाएगी। प्रो. रजनी अब्बी ने कहा कि फिलहाल छात्रों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रशासन उनकी हर संभव मदद कर रहा है। श्री वेंकटेश्वर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. वी. रवि ने बताया कि कॉलेज अपने छात्रों के अलावा जरूरत पड़ने पर दूसरे संस्थानों की छात्राओं को भी ठहराने के लिए तैयार है। कॉलेज में बिस्तर और भोजन जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी है।

सुरक्षा को देखते हुए श्री वेंकटेश्वर कॉलेज और आर्यभट्ट कॉलेज ने सोमवार को कॉलेज बंद रखने का फैसला किया है। दोनों संस्थानों की ओर से नोटिस जारी कर इसकी जानकारी दी गई है। यह फैसला आसपास के क्क्ष में रहने वाले छात्रों के बीच बनी असुरक्षा की भावना को देखते हुए लिया गया है।

बांग्लादेश में छिपे शाहबाज अंसारी सिंडिकेट का गुर्गा ऋषभ कपूर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश में छिपे कुख्यात अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्कर शाहबाज अंसारी सिंडिकेट के एक और गुर्गे ऋषभ कपूर को दिल्ली

पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस ने ऋषभ कपूर की निशानदेही पर तुर्किये की दो ग्लाक पिस्टल और 13 कारतूस बरामद किए गए हैं। यह वसंत विहार में रहता था और एक सिक्योरिटी गार्ड एजेंसी चलाता था। लॉरेंस बिश्नोई के मामा का संभालता था काम पुलिस का दावा है कि यह बीते दिनों गिरफ्तार किए गए अंसारी सिंडिकेट के गुर्गे और कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के मामा दीपक खत्री का सारा काम संभालता था। इसके खिलाफ धमकी देने और चीटिंग के पहले के दो मामले दर्ज हैं। एक मामला 2014 और दूसरा 2018 का है। अंसारी सिंडिकेट पर दिल्ली पुलिस यूएपीए भी लगा चुकी है।

5 राज्यों में फरवरी-मार्च 2027 में हो सकते हैं विधानसभा चुनाव, जनगणना की तारीखों में बदलाव से मिला संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और गोवा, इन चार राज्यों में जनगणना का काम आगे बढ़ा दिया गया है, जबकि पांचवें राज्य मणिपुर में जनगणना का पहला चरण टाल दिया गया है। इन फैसलों से यह लगभग तय हो गया है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का अगला दौर अगले साल फरवरी-मार्च में होगा। कार्यकाल सबसे पहले 13 मार्च 2027 को खत्म हो रहा है। गोवा विधानसभा का कार्यकाल 14 मार्च, पंजाब विधानसभा का कार्यकाल 16 मार्च, उत्तराखंड का 18 मार्च और उत्तर प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल 22 मई को खत्म होगा। इन पांचों राज्यों में 2022 में एक साथ चुनाव हुए थे, लेकिन यूपी विधानसभा की पहली बैठक 22 मई 2022 को हुई थी। चूंकि 2027 में भी इन राज्यों में एक साथ चुनाव होंगे, इसलिए चुनाव आयोग के पारंपरिक तरीके से यानी सबसे पहले खत्म होने वाली विधानसभा (मणिपुर, 13 मार्च) के कार्यकाल से पहले चुनाव पूरे कराने की संभावना है।

42 करोड़ के डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी मामले में सीबीआई का एक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीआई ने डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी के तीन मामलों में पांच और लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें पीड़ितों से कथित तौर पर 42 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की गई थी। इन मामलों में अब तक गिरफ्तार लोगों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। ये गिरफ्तारियां साइबर अपराध के खिलाफ सीबीआई के राष्ट्रव्यापी अभियान 'ऑपरेशन चक्र-छह' के तहत की गई हैं, जिसका उद्देश्य डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी में शामिल नेटवर्क पर कार्रवाई करना है। सीबीआई की प्रवक्ता बीना यादव ने रविवार को बताया कि नवीनतम गिरफ्तारियां 20 राज्यों में 89 स्थानों पर छापेमारी के बाद हुईं। हाल में गिरफ्तार किए गए पांच आरोपित कथित तौर पर ठगी की रकम प्राप्त करने, उसे विभिन्न खातों में छिपाने और आगे भेजने में शामिल थे। मध्य प्रदेश के इटारसी निवासी संकेत बस्तवार और पंकज दामाडे ने कथित तौर पर एक बैंक खाते का इंतजाम किया, उसमें डिजिटल अरेस्ट के जरिये ठगी की रकम प्राप्त की और धनराशि को अलग-अलग खातों में भेजने में भूमिका निभाई, ताकि रकम के स्रोत का पता लगाना मुश्किल हो सके। अन्य तीन आरोपितों-नई दिल्ली निवासी आरिफ उर्फ किंग भाई, हरीश पुरुषोत्तम यादव उर्फ हैरी और गाजियाबाद निवासी शशांक सिंह उर्फ रवि ने कथित तौर पर एक बैंक खाता मुहैया कराया, जिसका उपयोग पीड़ित से पैसे प्राप्त करने के लिए किया गया। बाद में कई खातों के जरिये रकम को इधर-उधर किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादकः अनिल रॉयल

फोनः (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

डॉ. ए.के. द्विवेदी को अंतरराष्ट्रीय होम्योपैथिक जर्नल के संपादकीय मंडल में मिली जिम्मेदारी

भोपाल। होम्योपैथी चिकित्सा, शोध और जनजागरूकता के क्षेत्र में मध्य प्रदेश के लिए यह गौरवपूर्ण उपलब्धि है कि प्रो. (डॉ.) अश्विनी कुमार द्विवेदी कोइंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ होम्योपैथिक केस रिपोर्ट्स के संपादकीय मंडल में वर्ष 2026 से 2031 तक के लिए सदस्य नियुक्त किया गया है। डॉ. ए.के. द्विवेदी वर्ष 2015 से लगातार केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार से जुड़े हुए हैं और देश में होम्योपैथी के क्षेत्र में होने वाले शोध एवं अकादमिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। जर्नल के संपादकीय मंडल में उनकी नियुक्ति उनके अकादमिक एवं शोध कार्यों के मूल्यांकन के बाद हुई है। इस जिम्मेदारी के तहत वे शोध-पत्र, समीक्षा लेख और रोग-प्रकरण रिपोर्ट के मूल्यांकन सहित शोध कार्यों से जुड़े चिकित्सकों एवं विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने में योगदान देंगे। डॉ. ए.के. द्विवेदी के अनुसार, यह उपलब्धि व्यक्तिगत सम्मान के साथ-साथ मध्य प्रदेश की होम्योपैथी चिकित्सा और शोध के लिए भी महत्वपूर्ण अवसर है। इसका समुचित लाभ सम्पूर्ण प्रदेश के होम्योपैथी चिकित्सा संस्थानों से जुड़े चिकित्सकों, शिक्षकों एवं छात्रों को मिलेगा। उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध कार्य से जुड़ने और अपने शोध को व्यापक मंच तक पहुंचाने के अवसर मिलेंगे। डॉ. द्विवेदी द्वारा चलाए जा रहे एनीमिया जागरूकता अभियान को मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। अभियान के माध्यम से एनीमिया, पोषण, संतुलित खान-पान और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान की सराहना करते हुए प्रदेश के अन्य जिलों में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की मांग और सुझाव सामने आ रहे हैं। इससे एनीमिया के प्रति जनजागरूकता को व्यापक स्तर पर बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। डॉ. द्विवेदी की शोध, चिकित्सा शिक्षा और जनजागरूकता से जुड़ी गतिविधियों को प्रदेश में होम्योपैथी के विकास की दिशा में सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

समाप्ति की ओर किसान आंदोलन? मंत्रियों के साथ सकारात्मक बातचीत के बाद मोर्चे को लेकर लेंगे फैसला

मोहाली, एजेंसी। मोहाली-चंडीगढ़ बार्डर पर पिछली 1 सितंबर से चल रहा किसानों का धरना

सोमवार को 7वें दिन में पहुंच गया है। इससे पहले रविवार को पंजाब सरकार के दो मंत्रियों व किसान नेताओं के बीच मीटिंग पंजाब भवन चंडीगढ़ में हुई। सूत्रों के अनुसार मीटिंग पाजिटिव रही और कई मांगों को जो पंजाब सरकार के तहत पूरी हो सकती है उनमें से कई को मान लिया गया। सरकार की ओर से कृषि मंत्री गुरमीत सिंह मुंडिया और सेहत मंत्री डॉ. बलबीर सिंह मीटिंग में हाजिर हुए जबकि किसानों की कई जत्थेबंदियों के नेता पहुंचे। सरकार की ओर से किसानों को आश्वासन । गया कि एक महीने के अंदर विधान सभा का विशेष सत्र बुला कर पानी के मसले पर बात की जाएगी।बाकी केंद्र से पूरी होने वाली मांगों को लेकर केंद्र से बातचीत का आश्वासन मंत्रियों ने किसान नेताओं को दिया। सोमवार को किसान जथेबन्दीयों के नेता आपस में मीटिंग करेंगे। उसके बाद स्टेज से सरकार-किसानों के बीच हुई मीटिंग के बारे बताया जाएगा। इस दौरान पंजाब सरकार का कोई नुमाइंदा जो मांगों को पंजाब सरकार ने माना है उसका लिखित मसौदा लेकर मोर्चे में पहुंच सकता है। कुल मिला कर आज बार्डर पर लगा किसानों का मोर्चा खत्म हो सकता है। किसान नेता राकेश टिकैत रविवार को किसान मोर्चे में पहुंचे। लेकर सेक्शन 78,79,80 रद्द करने, किसानों का पूरा कर्ज़ माफ़ करने, फसलों का दाम स्वामीनाथन रिपोर्ट के हिसाब से तय करने, बिजली बिल 2025 और बीज बिल 25 वापस लेने, गन्ने का दाम 500 रुपये प्रति क्विंटल करने, लैंड पुलिंग स्कीम रद्द करने सहित कई अन्य मांगों को लेकर मोहाली में पक्का मोर्चा लगाया गया है।

देर रात जुबली हिल्स इलाके के एक होटल में मारपीट

हैदराबाद के पब में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प, 2 घायल; पुलिस ने दर्ज किए तीन मामले

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के जुबली हिल्स में एक पब में दो गुटों के बीच मारपीट हो गई। इस झड़प के दौरान दो लोग घायल हो गए और पब व पार्किंग में खड़े वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा।

पुलिस ने मारपीट करने वाले दोनों गुटों और तय समय सीमा के बाद पब का संचालन करने वाले प्रबंधन ('कारा कारा' पब) के खिलाफ कुल तीन अलग-अलग मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना शनिवार की देर रात जुबली हिल्स इलाके के एक होटल में मौजूद पब में हुई, जब पब के अंदर दोनों गुटों में झड़प हुई तो स्थिति हिंसक हो गई। बहस के दौरान जब पब की संपत्ति में

तोड़फोड़ की गई, तो बाउंसरों ने बीच-बचाव किया।हालांकि, जब ये गुट पार्किंग एरिया की ओर बढ़े तो स्थिति फिर से बिगड़ गई। पार्किंग लॉट में बड़ी संख्या में लोग हिंसक झड़प करते देखे गए, जहां खड़ी कारों को नुकसान पहुंचाया गया और लोगों के साथ मारपीट की गई। इस झड़प के दौरान तेलंगाना कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव के भाई अरविंद यादव भी वहां मौजूद थे।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि दो मामले झड़प में शामिल गुटों के खिलाफ दर्ज किए गए, जबकि एक मामला पब 'कारा कारा पब' - के मैनेजमेंट के खिलाफ तय समय के बाद भी पब चलाने के लिए दर्ज किया गया। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें लोगों का एक समूह एक व्यक्ति को धक्का देकर जमीन पर गिराते और बहस के दौरान उसे बार-बार पीटते हुए दिख रहा है।

यूपी में प्रॉपर्टी टैक्स प्रणाली में बड़ा बदलाव, प्रदेश भर में सिर्फ 'ई-नगर सेवा' पोर्टल पर होगा काम

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश के सभी निकायों में प्रॉपर्टी टैक्स (संपत्ति कर) निर्धारण और बिल जमा करने की प्रक्रिया बदल दी गई है। इसके साथ ही जलकर, सीवर कर और नामांतरण प्रक्रिया में भी बदलाव हो जाएगा। अभी तक नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में हाउस टैक्स निर्धारण और ल जमा करने के लिए अलग-अलग साफ्टवेयर हैं। जैसे लखनऊ नगर निगम में केंद्र के एनआइसी (नेशनल इनफार्मेशन सेंटर) पर काम होता है तो अन्य निकायों में एनआइसी से जुड़े साफ्टवेयर पर प्रॉपर्टी टैक्स के निर्धारण से लेकर बिल जमा हो रहे हैं।

शासन ने चार सितंबर को आदेश जारी कर नगरीय निकायों के पृथक ऑनलाइन प्रॉपर्टी टैक्स प्रक्रिया को बंद करने को कहा है। अब नए आदेश से सरकारी ई-नगर सेवा पोर्टल का उपयोग होगा। इस आदेश के बाद सभी निकायों में प्रॉपर्टी टैक्स से जुड़े डाटा को ट्रांसफर की प्रक्रिया चालू हो गई है जिसमें 10 से 15 दिन लग सकते हैं। वैसे अभी तक सभी निकायों में ट्रेड लाइसेंस से लेकर अन्य पंजीकरण व टैक्स जमा करने का काम ई-नगर सेवा पर ही हो रहा है, सभी व्यवस्था को सरकारी पोर्टल पर लाकर पारदर्शी बनाए जाने का प्रयास है। इससे डाटा के लीक होने की संभावनाएं नहीं रहेंगी। स्थानीय निकाय निदेशालय के निदेशक अनुज कुमार झा की तरफ से चार सितंबर को सभी नगर आयुक्तों, नगर पालिका और नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी को भेजे आदेश में कहा गया है कि निकाय अलग से ऑनलाइन प्रॉपर्टी टैक्स के साफ्टवेयर को बंद कर दें और संबंधित अभिलेख, डाटा, सेवा संबंधी सूचनाएं ई-नगर सेवा पोर्टल एकीकृत प्रणाली से संचालित की जाए। साथ ही नागरिकों को भी जागरूक किया जाए कि वह भी ई-नगर सेवा पोर्टल एकीकृत प्रणाली का ही उपयोग करेंगे।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का ऑफिस शिफ्ट करने को 6.17 करोड़ रुपये आवंटित, आरटीआई में खुलासा

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु सरकार ने मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को सचिवालय से स्थानांतरित कर नामक्कल कविंगर मलिगाई की 10वीं मंजिल पर ले जाने के लिए 6.17 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है। यह जानकारी सूचना के अधिकार के तहत सामने आई है। सार्वजनिक (भवन) विभाग ने 23 अगस्त को दायर एक आरटीआई आवेदन के जवाब में यह आधिकारिक खुलासा किया है। सार्वजनिक सूचना अधिकारी और कार्यकारी अभियंता द्वारा दिए गए जवाब के अनुसार, सीएमओ के स्थानांतरण और संबंधित निर्माण कार्यों के लिए 6.17 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि मंजूर की गई है। इस वित्तीय आवंटन के सामने आने के बाद से राज्य सचिवालय परिसर के भीतर प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर होने वाले खर्च को लेकर सवाल उठने लगे हैं। दूसरी ओर, विपक्षी नेताओं के हमलों और कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर राज्य के मंत्री अरुण राज ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री विजय विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन और अन्य विधायकों द्वारा उठाए गए सभी सवालों के जवाब खुद देंगे। उन्होंने वर्तमान सरकार के कार्यकाल में कानून-व्यवस्था के बिगड़ने के सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। अरुण राज ने उदयनिधि स्टालिन की उन टिप्पणियों की भी तीखी आलोचना की, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि द्रमुक शासन के दौरान कानून-व्यवस्था बेहतर थी।

गोदामों से 4 लाख की दवाएं जब्त

बेंगलुरु हॉकी क्लब में मिलीं एक्सपायर्ड ड्रिंक्स

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के दो बिना लाइसेंस वाले स्टोरेज गोदामों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए ?4,02,352 मूल्य की दवाएं जब्त की हैं। विभाग के अनुसार, यह कार्रवाई नियमों के गंभीर उल्लंघन और बिना वैध ड्रग लाइसेंस के दवाओं के अवैध भंडारण एवं वितरण से जुड़ी सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर की गई। इस सिलसिले में पहली छापेमारी अनेकल तालुक के थट्टानहल्ली स्थित मेसर्स अमेजन सेलर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के परिसर में की गई। राज्य खुफिया शाखा के सहायक औषधि नियंत्रक मनोहर के नेतृत्व में अधिकारियों ने यहां से ?2,45,352 मूल्य की दवाएं जब्त कीं।

वहीं, दूसरी कार्रवाई देवनहल्ली के एयरोस्पेस स्थित अमेजन केंद्र पर की गई, जहां बैंगलोर ग्रामीण की औषधि निरीक्षक विभा के नेतृत्व में टीम ने बिना लाइसेंस वाले परिसर से ?1,57,000 की दवाएं बरामद कीं। विभाग ने इसे अवैध दवा भंडारण के खिलाफ त्वरित और समन्वित कार्रवाई बताया है। इस मामले में अमेजन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। औषधि जब्ती के अलावा, खाद्य सुरक्षा विभाग ने शनिवार को ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी क्षेत्र के तहत आने वाले बेंगलुरु हॉकी क्लब का भी औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों को क्लब परिसर में खाद्य सुरक्षा, लेबलिंग, स्वच्छता और कीट नियंत्रण से जुड़े गंभीर उल्लंघन मिले। निरीक्षण के दौरान क्लब के स्टोर में 40 बोतलें एक्सपायर्ड सॉफ्ट ड्रिंक्स की पाई गईं। इसके साथ ही, वहां रखी सोडा की बोतलों पर एफएसएसएआई द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार लेबल नहीं लगे थे। रिपोर्ट में भोजन पकाने और भंडारण क्षेत्रों में भारी अस्वच्छता दर्ज की गई। अधिकारियों ने रसोई में कीट-पतंगों का प्रकोप पाया, जिससे खाद्य सामग्री के दूषित होने का गंभीर खतरा बना हुआ था। इन कमियों को देखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रभाग ने सभी एक्सपायर्ड और गैर-मानक लेबल वाले उत्पादों को तुरंत जब्त कर लिया और क्लब के खाद्य व्यवसाय संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी किया। मानक अधिनियम 2006 तथा लाइसेंसिंग एवं पंजीकरण विनियम 2011 के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

'डाकू के गांव' से 'डॉक्टर का गांव'

नीट पास कर कलिमुल्लाह ने बदली बंगाल के मुख्यापाड़ा की पहचान

कोलकाता, एजेंसी। कभी जिस गांव की पहचान डकैती की घटनाओं से जुड़ी थी, अब उसी गांव के लोग उसकी नई पहचान का सपना देख रहे हैं। वर्षों तक 'डाकू के गांव' के नाम से बदनाम बांकुड़ा के ओंदा ब्लॉक के पुलिसोल के मुख्यापाड़ा में अब उम्मीद की एक नई कहानी लिखी जा रही है। इस बदलाव के केंद्र में हैं इसी गांव के कलिमुल्लाह मंडल, जिन्होंने नीट में सफलता हासिल कर एमबीबीएस में दाखिला लिया है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि अब उनके गांव को 'डाकू के गांव' नहीं, बल्कि 'डॉक्टर के गांव' के रूप में जाना जाएगा। मुख्यापाड़ा निवासी कलिमुल्लाह बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रहे हैं। नीट में सफलता के बाद उन्होंने बांकुड़ा सम्मिलनी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में दाखिला लिया। राज्य स्तर पर उन्होंने करीब आठ हजार की रैंक हासिल की है। साधारण परिवार से आने वाले कलिमुल्लाह की इस उपलब्धि से उनके माता-पिता के साथ पूरा गांव उत्साहित है। कलिमुल्लाह के पिता बू अली मंडल एग्री मैकेनिकल विभाग के सेवानिवृत्त

कर्मचारी हैं, जबकि मां ममिना मंडल गृहिणी हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद बेटे ने अपनी पढ़ाई जारी रखी। बांकुड़ा के बंग विद्यालय से उन्होंने 440 अंक हासिल कर उच्च माध्यमिक परीक्षा पास की। इसके बाद ऑनलाइन माध्यम से नीट की तैयारी की और सफलता हासिल की। कलिमुल्लाह कहते हैं कि डॉक्टर बनने के बाद उनका पहला लक्ष्य अपने गांव के गरीब और जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। वह उनका मुफ्त इलाज करना चाहते हैं। साथ ही, अपनी तरह संसाधनों की कमी से जूझ रहे विद्यार्थियों के लिए भी कुछ करना चाहते हैं। उनका कहना है कि उन्होंने खुद ऑनलाइन पढ़ाई के जरिए नीट की तैयारी की है, इसलिए अवसर के अभाव में किसी प्रतिभाशाली छात्र-छात्रा की पढ़ाई रुकनी नहीं चाहिए।

यूपी, राजस्थान सहित देश के 22 राज्यों में बारिश का अलर्ट, पहाड़ी राज्यों में लैंडस्लाइड की चेतावनी

लखनऊ/पटना/जयपुर, एजेंसी। देश के कई राज्यों में झमाझम बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने 7 सितंबर के लिए दिल्ली-यूपी-बिहार समेत देश के 22 राज्यों में भारी बारिश और आंधी तूफान की चेतावनी जारी की है। इस दौरान 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं। पहाड़ी राज्यों में लैंडस्लाइड की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, मछुआरों को समुद्र से दूर हटकर सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह दी गई है। पूर्वी राज्यों में आकाशीय बिजली गिर सकती है। मौसम विभाग ने आज देश के जिन 22 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है, उनमें राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, गुजरात, महाराष्ट्र, असम, त्रिपुरा और मेघालय शामिल हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग

के अनुसार, सात सितंबर तक मानसून के सक्रिय रहने की उम्मीद है। उसके बाद तेजी से मौसम में परिवर्तन के साथ मानसून की सक्रियता कम हो सकता है। अभी प्रदेश में हो रही वर्षा के चलते तापमान में तेजी से कमी आई है। गुरुग्राम और फरीदाबाद में दो से तीन डिग्री का ही अंतर रह गया है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार आने वाले दिनों में अभी तेज वर्षा की चेतावनी जारी की है।

ब्रिटेन से सबसे ज्यादा सैलानी पहुंचे; अमेरिका दूसरे नंबर पर

विदेशी पर्यटकों की पसंद बना हिमाचल प्रदेश

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की वादियां देश ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोप के सैलानियों की भी पसंद बनती जा रही हैं। प्रदेश में आने वाले विदेशी पर्यटकों के आंकड़े इस बढ़ते रुझान की तस्वीर पेश कर रहे हैं। पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग के अनुसार पिछले तीन वर्षों और 2026 में एक अगस्त तक प्रदेश में कुल 7,59,05,479 पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया है। इनमें 2,64,824 विदेशी पर्यटक शामिल हैं। विदेशी पर्यटकों के मामले में ब्रिटेन सबसे आगे है। उक्त अवधि में ब्रिटेन से 49,029 सैलानी हिमाचल पहुंचे। इसके बाद अमेरिका से 26,207 और ऑस्ट्रेलिया से 15,226 पर्यटक आए। जर्मनी से 9,283, फ्रांस से 8,417 और कनाडा से 7,323 पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया।

इससे साफ है कि हिमाचल अब विदेशी पर्यटकों के लिए केवल प्राकृतिक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि

पुरानी यादों और पारिवारिक इतिहास से जुड़ा गंतव्य भी बन रहा है। डलहौजी सहित प्रदेश के अन्य पुराने हिल स्टेशनों में भी ब्रिटिश दौर की विरासत विदेशी सैलानियों के आकर्षण का केंद्र रहती है। पर्यटन विभाग के आंकड़े बताते हैं कि हिमाचल का आकर्षण अलग-अलग देशों के पर्यटकों के बीच बना हुआ है। प्राकृतिक सौंदर्य के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक और औपनिवेशिक विरासत विदेशी सैलानियों को यहां आने के लिए आकर्षित कर रही है। दूसरे स्थान पर है। आस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस, कनाडा और स्विट्जरलैंड जैसे देशों से भी पर्यटकों की अच्छी संख्या हिमाचल पहुंच रही है।

ब्रिटिश दौर की यादें भी जुड़ी

ब्रिटेन से आने वाले कुछ सैलानियों के लिए हिमाचल का रिश्ता केवल पहाड़ों की खूबसूरती तक सीमित नहीं है। शिमला, डलहौजी और प्रदेश के अन्य पुराने पर्यटन स्थलों से ब्रिटिश दौर की कई यादें जुड़ी हैं। ऐसे में कुछ विदेशी पर्यटक अपने पूर्वजों से जुड़े स्थानों, पुराने भवनों और उन क्षेत्रों को देखने के लिए भी हिमाचल का रुख करते हैं, जहां उनके परिवार के सदस्य कभी रहे या काम कर चुके हैं। पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहां के पुराने भवन, चर्च, कब्रिस्तान, ऐतिहासिक रास्ते और ब्रिटिशकालीन विरासत उनके लिए पर्यटन के साथ इतिहास को करीब से जानने का अवसर भी उपलब्ध कराते हैं।

इंडी गठबंधन का नेतृत्व करेंगे राहुल गांधी', विजय को पीएम चेहरा बनाने की खबरों को कांग्रेस ने किया खारिज

त्रिशूर, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को कहा कि 2029 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी विपक्षी गठबंधन इंडी का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने उन खबरों को सिर से खारिज किया जिनमें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और टीवीके (तमिलगा वेत्री कझगम) नेता सी. जोसेफ विजय को विपक्षी गठबंधन का प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाए जाने की बात कही गई थी। वेणुगोपाल ने कहा कि टीवीके की ओर से ऐसी कोई मांग नहीं की गई है। उन्होंने कहा- 'कोई भी ऐसी भ्रम की स्थिति नहीं पैदा करनी चाहिए। राहुल गांधी इंडी गठबंधन का चेहरा होंगे।' उनके मुताबिक, छात्रों, किसानों और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर राहुल गांधी के अभियानों को देशभर में व्यापक समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि इंडी ब्लॉक मजबूत है और कुछ राज्यों में सहयोगी दलों के बीच चुनावी प्रतिस्पर्धा के बावजूद गठबंधन आगे बढ़ रहा है। वेणुगोपाल ने विश्वास जताया कि आपसी मतभेदों को सुलझा लिया जाएगा। केरल की राजनीति पर उन्होंने माकपा पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी अपनी गलतियों से सबक नहीं ले रही है। साथ ही उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर देश को अंधकार युग की ओर ले जाने का आरोप लगाया।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका को समझ आ रहा: बच्चों की परवरिश माता-पिता ही बेहतर करेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सरकार एक ऐसी योजना पर काम कर रही है, जिसमें छोटे बच्चों

को पालने के लिए नौकरी छोड़कर घर पर रहने वाले माता-पिता में से किसी एक अभिभावक को वित्तीय मदद दी जाएगी। दरअसल, अमेरिका अब पारंपरिक पारिवारिक मूल्यों की ओर लौट रहा है जिसमें माना जाता है कि छोटे बच्चों की देखभाल डे-केयर के बजाय माता-पिता की निगरानी में होनी चाहिए। ट्रंप प्रशासन ने इस संबंध में बाकायदा योजना का मसौदा भी तैयार कर लिया है। यह योजना मुख्यत: उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पहल का नतीजा है, जो लंबे समय से इसकी वकालत करते रहे हैं कि छोटे बच्चों को डे-केयर के मुकाबले घरेलू माहौल मिलना चाहिए, जो उनके शारीरिक व मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी होता है। मसौदे के मुताबिक, प्रस्तावित योजना का लाभ केवल उन विवाहित जोड़ों पर लागू होगा जिनमें एक जीवनसाथी काम करता है और दूसरा घर पर बच्चों की देखभाल करता है। अविवाहित जोड़े या एकल अभिभावक इसके दायरे से बाहर रहेंगे। योजना को लागू करने के लिए चाइल्ड केयर एंड डेवलपमेंट फंड (सीसीडीएफ) के पैसे का उपयोग किया जाएगा। रूढ़िवादी विचारकों और हेरिटेज फाउंडेशन जैसे संगठनों ने इस कदम का समर्थन किया है। उनका मानना है कि यह नियम व्यावसायिक डे-केयर और घर पर बच्चों की परवरिश करने वाले माता-पिता के बीच भेदभाव को खत्म करेगा। व्हाइट हाउस और उपराष्ट्रपति कार्यालय की ओर से इस पर अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन नियम को अंतिम रूप दिए जाने से पहले इसे जनता की प्रतिक्रिया के लिए ऑनलाइन जारी किया जाएगा। चाइल्ड केयर सब्सिडी फंड से उन कामकाजी माता-पिता या पढ़ाई/ट्रेनिंग कर रहे अभिभावकों को सब्सिडी मिलती है, जिनकी पारिवारिक आय उनके राज्य की औसत आय के 85 से कम हो। यह मदद 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए मिलती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सीसीएस फंड से मदद पाने वाले परिवारों में करीब 80 परिवार एकल कामकाजी माता-पिता हैं, जिनमें सबसे ज्यादा संख्या अकेली मांओं की है। ट्रंप प्रशासन को इस बदलाव के लिए कांग्रेस की मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी और इसे अगले वर्ष तक लागू किया सकता है। प्रस्तावित बदलाव पर बाल देखभाल विशेषज्ञों और आलोचकों का कहना है कि यदि पैसा बढ़ाए बिना नए दायरे में घर पर रहने वाले माता-पिता को भी शामिल किया गया तो मुश्किल हो जाएगी क्योंकि फंड पहले से ही सीमित है।

यमन में फिर भड़की जंग: हूतियों और सेना में भीषण लड़ाई, चार दिन में 117 लोगों की हुई मौत

एडेन, एजेंसी। पश्चिमी प्रांतों ताइज और होदेइदाह में यमनी सरकारी सेना और हूती समूह के बीच चार दिनों से भीषण झड़प चल रही है। इसमें अबतक कम से कम 117 लोग मारे गए हैं। यह जानकारी मेडिकल अधिकारियों ने दी। पश्चिमी तट के मोर्चे पर सरकारी सेना के साथ मौजूद एक वरिष्ठ मेडिकल अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर शिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि गुरुवार को लड़ाई शुरू होने के बाद से सरकारी सेना के 54 सैनिक मारे गए हैं। कई अन्य घायल हुए हैं। वहीं, पश्चिमी होदेइदाह प्रांत में हूती -नियंत्रित अस्पतालों के दो मेडिकल सूत्रों ने बताया कि इसी दौरान हूती समूह के 63 सदस्य मारे गए, जिससे दोनों पक्षों की कुल मरने वालों की संख्या 117 हो गई। यमनी सरकार के लड़ाकू विमानों ने शुक्रवार को होदेइदाह और ताइज के पश्चिमी प्रांतों में हूती -नियंत्रित इलाकों पर हमले किए। ये हमले रणनीतिक बाब अल-मंदाब जलडमरूमध्य के पास हूती समूह के बड़े हमले का सामना कर रही जमीनी सेना की मदद के लिए किए गए थे। अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि ये हवाई हमले ऐसे समय में किए गए जब दोनों प्रांतों में कई मोर्चों पर जबरदस्त लड़ाई चल रही थी।

युद्ध का खर्च निकालने के लिए यूक्रेन में पोर्नोग्राफी को लीगल करने की तैयारी

कीव, एजेंसी। रूस के साथ जारी युद्ध के बीच यूक्रेन अपने रक्षा बजट को बढ़ाने के लिए एक अजीबो-गरीब कदम उठाने पर विचार कर रहा है। यूक्रेनी सांसद यारोस्लाव जेलेजनियाक द्वारा पेश किए गए एक नए विधेयक के तहत देश में पोर्नोग्राफी को कानूनी दायरे में लाने की योजना है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, यूक्रेनी सांसद और संसद की वित्त समिति के अध्यक्ष यारोस्लाव जेलेजनियाक द्वारा समर्थित इस विधेयक में कहा गया है कि एडल्ट इंडस्ट्री को कानूनी दायरे में लाने से देश को लगभग 25 मिलियन डॉलर का टैक्स (रेवेन्यू) मिल सकता है। इस टैक्स का उपयोग सेना के लिए 30,000 युद्धक ड्रोन खरीदने में किया जा सकता है।

यूक्रेन में वर्तमान कानूनों के तहत एडल्ट कंटेंट (अश्लील सामग्री) का निर्माण, भंडारण या वितरण पूरी तरह से गैरकानूनी है, जिसके लिए 7 साल

तक की जेल का प्रावधान है। इसके बावजूद, पुलिस भ्रष्टाचार की आड़ में यह उद्योग लगातार फल-फूल रहा है।

यूक्रेन के टैक्स अधिकारियों ने हाल ही में एडल्ट कंटेंट क्रिएटर्स से टैक्स वसूलना शुरू किया है। हालांकि, इससे क्रिएटर्स के सामने एक अजीब और हास्यास्पद धर्मसंकट खड़ा हो गया है- संसद की वित्त समिति के अध्यक्ष यारोस्लाव जेलेजनियाक ने इस स्थिति को रेखांकित करते हुए कहा, ÷ये महिलाएं या तो टैक्स न देकर अपराध करती हैं, या टैक्स देकर खुद को अश्लीलता कानून के तहत फंसा लेती हैं। यह एक बेहद हास्यास्पद और दुखद स्थिति है।

कुछ लोगों ने अपनी आय घोषित करने के बाद कीव से पत्र प्राप्त किए, जिनमें उन पर कर चोरी के साथ-साथ अवैध रूप से वयस्क सामग्री का उत्पादन करने का आरोप लगाया गया था। गौरतलब है कि रूस के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण से पहले, यूक्रेनी अधिकारी एडल्ट एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को काफी हद तक नजरअंदाज कर दिया करते थे। लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है।

20,000 डॉलर की रिश्वत: जनरल प्रॉसिक्यूटर कार्यालय के खुलासे के अनुसार, तीन अलग-अलग क्षेत्रों के अधिकारियों ने पुलिस कार्रवाई से बचाने के लिए करीब 20,000 डॉलर तक की रिश्वत ली थी। फेनिक्स इंटरनेशनल के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2023 में 7,900 से अधिक यूक्रेनियन ने इस प्लेटफॉर्म के जरिए 131 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई की।

सुपरहीरो अंदाज में दिखे डोनाल्ड ट्रंप: सीमा पर दीवार लगाकर रोके अवैध अप्रवासी, व्हाइट हाउस ने जारी किया वीडियो

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राजनीति में अब सुपरहीरो का तड़का भी लग गया है। व्हाइट हाउस ने सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर ग्रीन लैंटर्न थीम पर एक एआई वीडियो जारी किया है। वीडियो में ट्रंप को हरे रंग की रोशनी और सुपरहीरो जैसी ताकत के साथ दिखाया गया है, जो ग्रीन लैंटर्न के मशहूर पावर रिंग से प्रेरित है। व्हाइट हाउस के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर वीडियो साझा किया। इसके साथ ही लिखा, 'तेज धूप में हो या अंधेरी रात में, कोई बुराई मेरी नजर से नहीं बच पाएगी। जो लोग बुराई की ताकत की पूजा करते हैं, वे मेरी शक्ति से सावधान रहें। ग्रीन लैंटर्न की रोशनी!' वीडियो में ट्रंप एक चमकती अंगूठी उठाते और एक चमकदार हरी सीमा दीवार बनाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो प्रशासन की आव्रजन नीतियों का संकेत है। इसके बाद वे अपनी शक्तियों का उपयोग अमेरिकी विनिर्माण और सैन्य प्रयासों को बढ़ाने के लिए करते हैं। बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 31 अगस्त को एक वीडियो साझा किया था। इसमें वे खर्ग आईलैंड पर जोरदार धमाकों होते नजर आ रहे थे। वीडियो साझा करते हुए ट्रंप ने दावा किया कि द्वीप को 'टुकड़े-टुकड़े' किया जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि 'खर्ग आईलैंड के टुकड़े-टुकड़े किए जा रहे हैं।' हालांकि, उन्होंने इसके अलावा हमले को लेकर कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। ट्रंप के पोस्ट में दिखाई गई तस्वीरों में खर्ग आईलैंड पर बड़े धमाके होते नजर आ रहे हैं। खार्ग द्वीप ईरान का एक प्रमुख ऊर्जा केंद्र है, जो 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल के हमलों के साथ युद्ध शुरू होने से पहले देश के लगभग 90 तेल निर्यात का संचालन करता था।

चांद हमारा है: अमेरिकी झंडे के साथ शेयर की तस्वीर, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया नया दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि चंद्रमा अमेरिका का है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर चंद्रमा की एक तस्वीर पोस्ट की, जिस पर 'चंद्रमा हमारा है' लिखा था। उन्होंने तस्वीर के साथ अमेरिकी झंडा भी लगाया। चंद्रमा की तस्वीर पोस्ट करने से कुछ मिनट पहले, ट्रंप ने अमेरिकी अंतरिक्ष बल की नई काली वर्दी की एआई-जनरेटेड तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने रंगों का वर्णन 'स्पेस ग्रे, मिडनाइट ब्लैक, सिल्वर ग्रे और सैटिन ब्लैक' के रूप में किया। वर्दी में कंधे और कॉलर पर प्रतीक चिन्ह, आस्तीन पर पैच और एक बेल्ट थी। वहीं, ट्रंप ने एक अन्य पोस्ट में न्यू मैक्सिको का नाम बदलकर ' न्यू अमेरिका' रखने का भी सुझाव दिया। उन्होंने पोस्ट किया, 'कई लोगों ने न्यू मैक्सिको का नाम बदलकर। न्यू अमेरिका रखने का सुझाव दिया। उस संभावित रूप से अविश्वसनीय राज्य के लोगों के लिए यह कितना अधिक प्रतिष्ठित और सुंदर नाम होगा। वाह, मुझे यह बहुत पसंद आया।' व्हाइट हाउस ने इस विचार का समर्थन किया। एक पोस्ट में 'मेक्सिको' को काटकर उसकी जगह 'अमेरिका' लिखा हुआ दिखाया गया था। न्यू मेक्सिको की गवर्नर मिशेल लुजान ग्रिशम ने फॉक्स न्यूज पर जवाब देते हुए कहा कि राज्य का नाम विवाद का विषय नहीं है यह संयुक्त राज्य अमेरिका के अस्तित्व में आने से पहले से ही हमारा है।' उन्होंने कहा कि ट्रंप ईंधन की बढ़ती कीमतों जैसे मुद्दों से अमेरिकियों का ध्यान भटकाना चाहते हैं। न्यू मेक्सिको को यह सुझाव देने से पहले एक आदेश जारी किया गया था।

इंटरनेशनल एयर शो में भाग लेने मिस्र पहुंची वायुसेना की सारंग टीम, दुनिया देखेगी सामर्थ्य

काहिरा, एजेंसी। भारतीय वायु सेना की फेमस सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम अल अलामीन इंटरनेशनल एयर शो के दूसरे संस्करण में हिस्सा लेने के लिए मिस्र पहुंच गई है। यह टीम आठ से दस सितंबर तक होने वाले एयर शो में अपनी करतब दिखाएगी।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह प्रदर्शन पायलटों के कौशल के साथ भारत के स्वदेशी एयरोस्पेस सामर्थ्य को दर्शाएगा। इसमें सारंग टीम अपना प्रसिद्ध डॉल्फिन लीप और नया स्पॉट स्टॉल टर्न जैसे हैरतअंगेज हवाई करतब दिखाएगी। इस इंटरनेशनल एयर शो में वैश्विक वायु सेनाएं और विशेषज्ञ जुटेंगे।

स्वदेशी रूप से निर्मित ध्रुव हेलीकॉप्टरों से लैस भारतीय वायु सेना की सारंग टीम दुनिया की एकमात्र ऐसी एरोबेटिक टीम है, जो पांच हेलीकॉप्टरों के साथ हवाई प्रदर्शन करती है। यह टीम कठिन फॉर्मेशन मैन्युवर, कम दूरी पर उड़ान

और एक साथ किए जाने वाले हवाई प्रदर्शन के लिए जानी जाती है। इसके प्रदर्शन में पायलटों के असाधारण कौशल और अनुशासन के साथ भारत के स्वदेशी एयरोस्पेस उद्योग की क्षमताएं भी देखने को मिलती है। यह भागीदारी न केवल अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय वायु सेना के लिए एक और बड़ी उपलब्धि है, बल्कि भारत और मिस्र के बीच रक्षा संबंधों को भी एक नई मजबूती देगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह प्रदर्शन पायलटों के कौशल के साथ भारत के स्वदेशी एयरोस्पेस सामर्थ्य को दर्शाएगा। इसमें सारंग टीम अपना प्रसिद्ध डॉल्फिन लीप और नया स्पॉट स्टॉल टर्न प्रस्तुत करेगी। इस अंतरराष्ट्रीय एयर शो में वैश्विक वायु सेनाएं और विशेषज्ञ जुटेंगे।

बांग्लादेश में तेजी से फैल रहा डेंगू, अस्पतालों पर बढ़ा दबाव; इस साल 117 लोगों की मौत

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में डेंगू का प्रकोप बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इस साल अब तक 42,590 लोग अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं और 117 लोगों की मौत हो चुकी है। सितंबर महीने में मामलों में आए अचानक उछाल ने अस्पतालों पर भारी दबाव डाल दिया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि आने वाले हफ्तों में यह मच्छर जनित बीमारी और भी गंभीर रूप ले सकती है। बांग्लादेश की स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कम से कम 4 डेंगू मरीजों की मौत हुई है और 1,558 अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जो इस साल एक दिन में अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

डेंगू एक ऐसी बीमारी है जो बुखार, गंभीर सिरदर्द और जानलेवा जटिलताओं का कारण बन सकती है। हाल के हफ्तों में इसके मामलों में भारी वृद्धि हुई है, जिसने 2023 में बांग्लादेश में आए अब तक के सबसे घातक डेंगू प्रकोप की चिंताएं फिर से पैदा कर दी हैं।

यह नया संकट ऐसे समय में आया है जब देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पहले से ही खसरे के राष्ट्व्यापी प्रकोप से जूझ रही है। इस साल खसरे के कारण लगभग 1,000 बच्चों की मौत हो चुकी है, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं पर भारी दबाव है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सितंबर का महीना अगस्त से भी ज्यादा खतरनाक साबित

हो सकता है। गौरतलब है कि इस साल अगस्त में ही डेंगू के सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए गए थे।

जहांगीरनगर विश्वविद्यालय के चिकित्सा कीटविज्ञानी प्रोफेसर कबीरुल बशर ने कहा कि यदि मौजूदा रुझान जारी रहा, तो इस महीने अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या 30,000 के पार जा सकती है।

मौसम की स्थिति भी अक्टूबर तक संक्रमण को बढ़ावा देने वाली है। उन्होंने कहा कि अभी डेंगू अपने पीक पर नहीं पहुंचा है। अगर यही स्थिति रही तो सितंबर इस साल डेंगू संक्रमण का सबसे खराब महीना बन सकता है। अस्पतालों में बेड की भारी कमी मरीजों की बेतहाशा बढ़ती संख्या के कारण अस्पतालों में बेड की भारी कमी हो गई है। 32 वर्षीय जाहिद हसन के लिए यह बीमारी तब एक व्यक्तिगत त्रासदी बन गई जब उनके चार साल के बेटे को तेज बुखार हुआ और उसे डेंगू होने की पुष्टि हुई। बच्चे की हालत बिगड़ने पर हसन उसे तीन सरकारी अस्पतालों में ले गए, लेकिन कहीं भी कोई बेड खाली नहीं मिला।

हसन ने बताया कि मैं बहुत डरा हुआ था। एक पिता के रूप में, यह देखना असहनीय था कि मेरे बच्चे की हालत बिगड़ रही है और मुझे नहीं पता था कि कहां भर्ती कराया जाए। बाद में एक रिश्तेदार की मदद से उन्हें एक निजी अस्पताल में बेड मिला।

बच्चे को 7 बैग खून और प्लाज्मा चढ़ाया गया, तब जाकर उसे छुट्टी मिली। हसन ने कहा कि वे दिन हमारे लिए एक बुरे सपने की तरह थे। उनका बेटा अभी भी काफी कमजोर है और धीरे-धीरे ठीक हो रहा है। ढाका में डेंगू मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टर, प्रोफेसर तारेक आलम ने बताया कि डेंगू के मरीजों की हालत बुखार उतरने के बाद तेजी से बिगड़ सकती है। इस दौरान प्लाज्मा का रिसाव, ब्लड प्रेशर कम होना, शॉक और गंभीर ब्लीडिंग जैसी जटिलताएं पैदा हो सकती हैं।

समुद्र से न्यूक्लियर फ्यूल निकालने के लिए चीन ने बनाया केमिकल ट्रैप, अमेरिका भी रह गया हैरान

बीजिंग, एजेंसी। महासागरों को भविष्य के न्यूक्लियर फ्यूल के एक असीमित स्रोत के रूप में इस्तेमाल करने की वैश्विक कोशिशों में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, चीनी शोधकर्ताओं ने एक ऐसा अभूतपूर्व मटीरियल विकसित किया है।

जो समुद्र के पानी से यूरेनियम निकालने में अमेरिकी ऊर्जा विभाग द्वारा तय किए गए लक्ष्य से आठ गुना अधिक तेजी से काम करता है। यह तकनीक ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए भविष्य में एक गेम-चेंजर साबित हो सकती है।

चिंगदाओ स्थित चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज की टीम ने प्राकृतिक समुद्री पानी के सैंपल का इस्तेमाल करते हुए इस नए मटीरियल का परीक्षण किया। इस परीक्षण में उन्होंने प्रति ग्राम मटीरियल से 50.4एमजी तक यूरेनियम निकालने में सफलता प्राप्त की, जो कि अमेरिका द्वारा स्थापित 6एमजी प्रति ग्राम के पिछले बेंचमार्क से कहीं अधिक है। शोधकर्ताओं ने इस नए मटीरियल को नाम दिया है। इसकी आणविक संरचना

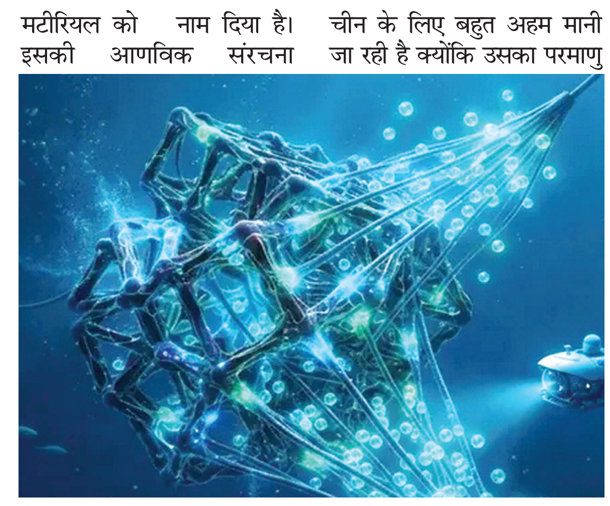

बिल्कुल एक स्पंज जैसी है, जिसमें फॉस्फेट ग्रुप मौजूद होते हैं। ये फॉस्फेट ग्रुप रासायनिक रूप से यूरेनियम को मजबूती से जकड़ लेते हैं। बाद में इसे मिलीमीटर आकार की छोटी गोलियों में बदल दिया गया ताकि इसका रखरखाव और इस्तेमाल आसान हो सके। इन बीड्स ने प्रति ग्राम 22.55एमजी यूरेनियम निकाला और इन्हें सात बार दोबारा इस्तेमाल करने पर भी इनकी क्षमता में कोई कमी नहीं आई। यह तकनीक विशेष रूप से चीन के लिए बहुत अहम मानी जा रही है क्योंकि उसका परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम बहुत तेजी से विस्तार कर रहा है, जबकि उसका घरेलू यूरेनियम उत्पादन मांग के मुकाबले काफी कम है। वर्ल्ड न्यूक्लियर एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में चीन ने अपनी खदानों से लगभग 1,600 टन यूरेनियम का उत्पादन किया था, जबकि उसके रिएक्टरों को लगभग 13,000 टन ईंधन की जरूरत थी। इस भारी अंतर के कारण चीन को यूरेनियम के आयात पर अत्यधिक निर्भर रहना पड़ता है।

दुनिया के नक्शे पर भारत के वोट से तिलमिलाया पाकिस्तान: कश्मीर पर फिर अलापा पुराना राग

इस्लामाबाद, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में दुनिया के नक्शे को लेकर आए एक प्रस्ताव पर भारत के समर्थन के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच बयानबाजी फिर तेज हो गई है। भारत ने 4 सितंबर को अपनाए गए प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया था। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इस वोट का मकसद केवल दुनिया के नक्शों में महाद्वीपों के आकार को ज्यादा सही तरीके से दिखाने के सिद्धांत का समर्थन करना था। भारत ने यह भी साफ किया कि प्रस्ताव का जम्मू-कश्मीर, लद्दाख या किसी अंतरराष्ट्रीय सीमा के राजनीतिक दर्जे से कोई लेना-देना नहीं है। इसके बावजूद अगले ही दिन पाकिस्तान ने भारत के रुख को निशाना बनाया और जम्मू-कश्मीर पर अपने पुराने दावे दोहरा दिए। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 4 सितंबर को दुनिया के नक्शे में महाद्वीपों के आकार को ज्यादा सही तरीके से दिखाने से जुड़ा प्रस्ताव अपनाया। इसका उद्देश्य ऐसे नक्शों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है, जिनमें अलग-अलग महाद्वीपों का क्षेत्रफल वास्तविक आकार के अनुपात में ज्यादा सही नजर आए। भारत ने इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने

अपने वोट की व्याख्या में समान क्षेत्रफल वाले नक्शों के सिद्धांत को समर्थन देने की बात रखी। यानी भारत का वोट किसी राजनीतिक सीमा या विवादित क्षेत्र के समर्थन में नहीं था। भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का प्रस्ताव किसी खास विश्व नक्शे को मंजूरी नहीं देता। न ही यह किसी खास नक्शा बनाने की पद्धति या राष्ट्रीय सीमाओं के चित्रण को मान्यता देता है। विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि प्रस्ताव में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं, विवादित क्षेत्रों या स्थानों के नाम से जुड़े राजनीतिक नक्शों पर कोई फैसला नहीं किया गया है। भारत ने साथ ही अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को लेकर रुख को स्पष्ट, लगातार एक जैसा और गैर-परक्राम्य बताया। ऐसे में भारत के अनुसार इस प्रस्ताव को जम्मू-कश्मीर के दर्जे से जोड़ना सही नहीं है। भारत के स्पष्टीकरण के एक दिन बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सज्जाद हैदर खान ने भारत के दावे को खारिज कर दिया। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर की स्थिति को लेकर भारत के रुख को बेबुनियाद बताया। उसने कहा कि भारत की कथित एकतरफा कार्रवाई और जम्मू-कश्मीर पर उसका नियंत्रण क्षेत्र की स्थिति को नहीं बदल सकता। पाकिस्तान ने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एजेंडे में लंबे समय से लंबित विवाद बताया और इस मुद्दे पर अपने पुराने रुख को दोहराया। पाकिस्तान के बयान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का हवाला देते हुए कहा गया कि जम्मू-कश्मीर का अंतिम फैसला वहां के लोगों की इच्छा के आधार पर होना चाहिए।

होर्मुज पूरी तरह बंद है: रजाई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसिन रजाई ने होर्मुज जलडमरूमध्य की मौजूदा स्थिति को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को सीधे खारिज किया है। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी से बातचीत में रजाई ने कहा कि होर्मुज पूरी तरह बंद है और ट्रंप का यह कहना कि जलडमरूमध्य खुला है, 'बहुत बड़ा झूठ' है। उनके मुताबिक जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही बेहद सीमित रह गई है। रजाई ने यह भी कहा कि अमेरिका अगर ईरान को धमकी देना या उस पर हमला करना बंद कर देता है, तो ईरान होर्मुज को खुला रखने के लिए तैयार होगा। रजाई ने कहा कि होर्मुज बंद किए जाने से पहले इस रास्ते से 100 से ज्यादा जहाज गुजरते थे। इन जहाजों के जरिये 10 करोड़ टन से ज्यादा सामान का परिवहन होता था। अब उनके दावे के मुताबिक केवल सात से आठ जहाज ही इस क्षेत्र से गुजर रहे हैं और इनमें ईरान की जरूरी वस्तुएं ले जाने वाले जहाज शामिल हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका से जुड़े कुछ जहाज चोरी-छिपे इस क्षेत्र से गुजरने की कोशिश करते हैं, जिन्हें ईरानी बल पहचानकर निशाना बनाते हैं। रजाई के अनुसार अमेरिका पांच से छह जहाजों को इस क्षेत्र से निकालने की कोशिश करता है और इन पर हमला किया जाता है। रजाई ने कहा कि आने वाले दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर एक नया प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया जाएगा। उनके मुताबिक यह क्षेत्र उस जगह से शुरू होगा, जिसे ईरान अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी की रेखा बता रहा है और यह फारस की खाड़ी के कुछ हिस्सों तक फैलेगा। ईरान ने साफ चेतावनी दी है कि नए घोषित क्षेत्र में प्रवेश करने वाले किसी भी जहाज को प्रतिबंधों की सूची में डाल दिया जाएगा।

टी20 में अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड?

- 2024 में दो सुपर ओवर से निकला था नतीजा

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस सीरीज में टीम इंडिया का पलड़ा भारी माना जा रहा है, लेकिन अफगानिस्तान का रिकॉर्ड भी पिछले कुछ समय में इस फॉर्मेट में कमाल का रहा है। हालांकि, टी20 इंटरनेशनल में भारत का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के खिलाफ अब तक कमाल का रहा है। दोनों देशों के बीच अब तक कुल 9 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से 8 मैचों में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है। वहीं, एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। यानी अफगानिस्तान को क्रिकेट के सबसे

छोटे फॉर्मेट में भारत के खिलाफ अब तक जीत नसीब नहीं हो सकी है। साल 2024 में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला गया टी20 इंटरनेशनल मुकाबला टाई जरूर रहा था। इस मैच का नतीजा दो सुपर ओवर खेले जाने के बाद निकला था, जहां टीम इंडिया आखिर में बाजी मारने में सफल रही थी। टी20 में भारत और अफगानिस्तान की आखिरी भिड़ंत विश्व कप 2024 में हुई थी, जहां भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 47 रनों से जीत दर्ज की थी। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में इन भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेंगी निगाहें

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम इस सीरीज में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। आइए आपको उन भारतीय खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिनके प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी।

वैभव सूर्यवंशी: इंग्लैंड और फिर जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रहे वैभव को अफगानिस्तान के खिलाफ भी मौका दिया गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज के प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी। वैभव अफगानिस्तान के स्पिनर्स के खिलाफ किस अप्रोच से खेलते हैं यह देखना दिलचस्प होगा। जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी टी20 में वैभव ने 81 रनों की दमदार पारी खेली थी। वह दलीप ट्रॉफी में भी अच्छी फॉर्म में नजर आए हैं।

जसप्रीत बुमराह: अफगानिस्तान के खिलाफ ब्रेक के बाद टीम में वापसी कर रहे जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन पर हर किसी की नजरें रहेंगी। बुमराह ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। बुमराह अगर अपनी लय में नजर आए, तो वो अफगानिस्तान के बल्लेबाजों के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकते हैं।

संजू सैमसन: इंग्लैंड के खिलाफ फ्लॉप शो के बाद संजू सैमसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में टीम में जगह नहीं दी गई है। ऐसे में संजू के ऊपर इस सीरीज में खुद को फिर से साबित करने का दबाव होगा। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में सैमसन सिर्फ 5 रन ही बना सके थे। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ वह दो मुकाबलों में 28 रन ही बना सके थे।

रवि बिश्नोई: जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज में रवि बिश्नोई का प्रदर्शन दमदार रहा था। विकेट चटकाने के साथ-साथ बिश्नोई काफी किफायती भी रहे थे। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर बिश्नोई के प्रदर्शन पर हर किसी की निगाहें होंगी। बिश्नोई इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन करके भारत की टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे।

नीतीश कुमार रेड्डी: अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में नीतीश कुमार रेड्डी के पास खुद को बतौर ऑलराउंडर साबित करने का बढ़िया मौका होगा। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि नीतीश इंजरी से लौटने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं।

यूएस ओपनः एम्मा नवारो ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

कलिनस्काया को सीधे सेटों में दी मात

न्यूयॉर्क । अमेरिका की एम्मा नवारो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए चौथे दौर के मुकाबले में एना कलिनस्काया को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। नवारो ने मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा और कलिनस्काया को वापसी का ज्यादा मौका नहीं दिया। पहले सेट को 6-4 से जीतने के बाद उन्होंने दूसरे सेट में और आक्रामक खेल दिखाया और 6-2 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। 25वीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह उनके करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। अब वह फ्लशिंग मीडोज में 2024 वाले अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करेंगी, जब वह पहली बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। नवारो ने पहला सेट जीतने के बाद पूरे आत्मविश्वास के साथ खेल दिखाया। दूसरे सेट में उन्होंने 5-1 की बड़ी बढ़त बनाई। एना कलिनस्काया ने एक बार सर्विस ब्रेक लेकर वापसी की कोशिश की, लेकिन वह मैच का रुख नहीं बदल सकीं। इसके बाद नवारो ने आठवें गेम में फिर से कलिनस्काया की सर्विस तोड़ी और सिर्फ 1 घंटा 21 मिनट में 6-4, 6-2 से मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया। खास बात यह रही कि कलिनस्काया इससे पहले नवारो के खिलाफ दोनों मुकाबले जीत चुकी थीं, लेकिन इस बार अमेरिकी खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हिसाब बराबर कर दिया। यह नवारो के करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। इससे पहले वह विंबलडन 2024, यूएस ओपन 2024 और ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुकी हैं।

इस जीत के बाद एम्मा नवारो का अगला मुकाबला उनकी हमवतन खिलाड़ी और तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला से होगा। पेगुला का रिकॉर्ड नवारो के खिलाफ काफी मजबूत रहा है। दोनों के बीच अब तक चार मैच हुए हैं और पेगुला ने सभी में जीत हासिल की है। दोनों की सबसे हालिया भिड़ंत पिछले महीने सिनसिनाटी टूर्नामेंट में हुई थी, जहां पेगुला ने नवारो को 7-5, 6-2 से हराया था। ऐसे में

सितसिपास को हराकर शेल्टन ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

न्यूयॉर्क । अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन शानदार फॉर्म में हैं और उनका यूएस ओपन अभियान सही समय पर रफ्तार पकड़ चुका है। आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन ने चौथे दौर के मुकाबले में ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को सीधे सेटों में 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। शेल्टन ने पूरे मैच में आक्रामक खेल दिखाया और सितसिपास को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी और तीनों सेट आसानी से जीते। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन का सामना मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज से होगा। बेन शेल्टन के लिए यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल तक का सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा। टूर्नामेंट के शुरुआती तीन मैचों में उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। टैलन ग्रीकस्पूर, ह्यूबर्ट हरकाज और डेनिस शापोवालोव के खिलाफ उन्हें जीत के लिए चार-चार सेट खेलने पड़े। हालांकि, चौथे दौर में शेल्टन ने अपना सबसे बेहतरीन खेल दिखाया। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने स्टेफानोस सिटसिपास को कोई मौका नहीं दिया और पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। शेल्टन ने सिर्फ 1 घंटा 51 मिनट में जीत हासिल की। बेन शेल्टन ने यूएस ओपन में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह अपने करियर में छठी बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। वहीं, यूएस ओपन में यह दूसरी बार है जब उन्होंने अंतिम आठ में जगह बनाई है। शेल्टन ने 2023 में भी यूएस ओपन में शानदार प्रदर्शन किया था। उस समय वह टूर्नामेंट में सिर्फ दूसरी बार खेल रहे थे, लेकिन सेमीफाइनल तक पहुंचने में सफल रहे थे।

हाल के महीनों में भी शेल्टन का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। विंबलडन के बाद शुरू हुए नॉर्थ अमेरिकन हार्ड-कोर्ट सीजन में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 12-2 का रहा है, जो उनकी शानदार फॉर्म को दिखाता है। इसी दौरान उन्होंने मॉन्ट्रियल में अपना दूसरा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब भी जीता। इसके अलावा, शेल्टन लगातार मजबूत खिलाड़ियों को हराते हुए आगे बढ़ रहे हैं। स्टेफानोस सितसिपास को हराने से पहले भी उन्होंने ऐसे खिलाड़ियों को मात दी, जो कभी एटीपी रैंकिंग के टॉप-10 में रह चुके हैं। स्टेफानोस सिटसिपास भी इस मुकाबले में अच्छे आत्मविश्वास के साथ उतरे थे। उन्होंने यूएस ओपन में मजबूत खिलाड़ियों को हराकर चौथे दौर तक का सफर तय किया था।

दलीप ट्रॉफी

ईशान किशन ने रचा इतिहास

250 रनों की यादगार पारी खेलकर लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

चेन्नई । दलीप ट्रॉफी 2026 का फाइनल मुकाबला ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। खिताबी मुकाबले के दूसरे दिन ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 250 रनों की यादगार पारी खेलकर इतिहास रच दिया है। ईशान ने अपना दोहरा शतक 270 गेंदों में पूरा किया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने रिटायर्ड हर्ट होकर ड्रेसिंग रूम लौटने से पहले 301 गेंदों

का सामना करते हुए 250 रनों की लाजवाब पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान ईस्ट जोन के कप्तान ने 27 चौके लगाए, जबकि 7 छक्के उनके बल्ले से निकले। ईशान अरुण लाल और सबा करीम के बाद ईस्ट जोन की तरफ से दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने। हालांकि, ईशान दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में शतक लगाने वाले ईस्ट जोन के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। ईशान से पहले खिताबी मुकाबले में ईस्ट जोन के लिए सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड ऋद्धिमान साहा के नाम दर्ज था, जिन्होंने 2012 के फाइनल में 170 रन बनाए थे। ईशान ओवरऑल दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में 200 या उससे ज्यादा रनों की पारी खेलने वाले सातवें बल्लेबाज बन हैं।

इसके साथ ही बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज वह दलीप ट्रॉफी के फाइनल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बने हैं।

मोहम्मद शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद मत करो

- पूर्व भारतीय बॉलिंग कोच ने सेलेक्टर्स और हेड कोच से लगाई गुहार

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व बॉलिंग कोच भरत अरुण ने चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर से मोहम्मद शमी के लिए भारतीय टीम के दरवाजे खुले रखने की अपील की है। अरुण का कहना है कि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद सेलेक्टर्स ने इस अनुभवी तेज गेंदबाज को बहुत जल्दी नजरअंदाज कर दिया। शमी ने में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 फाइनल के बाद से टीम इंडिया के लिए कोई मैच नहीं खेला है। जहां प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और गुरनूर बरार जैसे युवा तेज गेंदबाज सभी प्रारूप में जगह बनाने के लिए होड़ में हैं वहीं शमी घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट में लगातार प्रभावित कर रहे हैं और अभी अपना 100वां फर्स्ट-क्लास मैच खेल रहे हैं।

शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद नहीं करनी चाहिए

भरत अरुण ने नेशनल टीम में मोहम्मद शमी की वापसी का समर्थन किया है। 'द इंडियन एक्सप्रेस' से बात करते हुए अरुण ने कहा कि जब तक शमी अच्छा प्रदर्शन करते रहते हैं तब तक उम्र उनके सिलेक्शन में रुकावट नहीं बननी चाहिए। अरुण ने कहा कि उन्हें शमी के लिए दरवाजे बंद नहीं करने चाहिए थे।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने जीता चीन मास्टर्स खिताब

नई दिल्ली। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 का खिताब अपने नाम कर लिया।

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने रविवार (6 सितंबर) को शानदार वापसी करते हुए तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 का खिताब अपने नाम कर लिया। वर्ष 2023 और 2025 के चरणों में उपविजेता रहे सात्विक और चिराग की जोड़ी यहां अपना तीसरा फाइनल खेल रही थी। इस भारतीय जोड़ी ने एक घंटे 10 मिनट तक चले मुकाबले में हे और रेन की दुनिया की पूर्व चौथे नंबर की जोड़ी को 11-21, 21-13, 21-17 से शिकस्त दी। सात्विक ने क्या कहा करियर की 10वीं बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर जीत दर्ज करने के बाद सात्विक ने कहा, 'यहां खेलना हमेशा अच्छा रहा है।

आज हमारी रणनीति काम कर गई

सात्विक ने कहा, 'इस बार भी हम चोट से वापसी के बाद यहां आए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह टूर्नामेंट हमारे लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहा है। मुझे लगता है कि इस पूरे सप्ताह की कहानी भी कुछ ऐसी ही रही। पहले दौर को छोड़ दें तो हमने लगभग हर मुकाबला तीन गेम में खेला है। हम यहां आने से पहले ही अपनी रणनीति तैयार करके आए थे। हम उसे लागू करना चाहते थे। अगर वह काम करता तो बहुत अच्छा और अगर नहीं करता तो हम वापस जाकर फिर से उस पर काम करते। मुझे लगता है कि आज हमारी रणनीति काम कर गई। हमने आखिरकार उस सिलसिले को तोड़ दिया और 2026 में अपना दूसरा खिताब जीता। इस जीत से बहुत खुश हूं।'

रिंकू की टीम ने भुवी की लखनऊ को 94 रनों से हराया

नई दिल्ली। रिंकू सिंह की अगुआई वाली मेरठ मेवरिक्स ने रविवार (6 सितंबर) को भुवनेश्वर कुमार की अगुआई वाली लखनऊ फॉल्कंस को 94 रनों से हराकर यूपी टी20 लीग 2026 का खिताब जीता। मेरठ ने दूसरी बार खिताब जीता। इससे पहले 2024 में माधव कौशिक की कप्तानी में मेरठ ने पहले सत्र का खिताब जीता था। 2025 में भी टीम फाइनल खेली थी।

मेरठ मेवरिक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दिव्यांश जोशी की शतक की मदद से 20 ओवर में 7 विकेट पर 203 रन बनाए। इसके जवाब में लखनऊ फॉल्कंस की टीम 16 ओवर में 109 रन पर आउट हो गई। मेरठ के लिए विशाल चौधरी ने 4 विकेट झटके। इस तरह मेरठ ने लखनऊ की टीम से क्वालिफायर-1 में हार का बदला भी ले लिया।

अभिनंदन सिंह ने 40 रन देकर तीन विकेट लिए- स्वास्तिक चिकारा ने 14 गेंदों पर 18 रन बनाए, जबकि ऋतुराज शर्मा ने 17 गेंदों पर 24 रन बनाए। अक्षय दुबे ने 10 गेंदों पर 15 रन बनाए, जिसमें दो छक्के शामिल थे। यश गर्ग 21 गेंदों पर 16 रन बनाकर नॉट आउट रहे। लखनऊ फाल्कंस के लिए अभिनंदन सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने चार ओवर में 40 रन देकर तीन विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार, विप्रज निगम और अजीत वर्मा ने एक-एक विकेट लिया।

दिव्यांश जोशी ने 40 गेंद पर ठोके 105 रन

मेरठ मेवरिक्स के लिए दिव्यांश जोशी ने सिर्फ 40 गेंदों पर 12 चौकों और 7 छक्कों की मदद से जबरदस्त 105 रनों की पारी खेली। उनकी जबरदस्त पारी 262.5 के शानदार स्ट्राइक रेट से आई, जिसने मेवरिक्स को 200 के स्कोर के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। मेरठ ने पूरी पारी में 10.2 रन प्रति ओवर के रनरेट से रन बनाए रखा। इससे लखनऊ फाल्कंस के सामने मुश्किल लक्ष्य रखा।

भारत को 2021 में हराने के बाद शुरू हुई बर्बादी

- पाकिस्तानी टीम की बदहाली पर बोले मोहम्मद यूसुफ

नई दिल्ली। मोहम्मद यूसुफ ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की बदहाली का कारण 2021 टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मिली जीत को बताया। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि पांच साल पहले भारत के खिलाफ मिली 10 विकेट की जीत का पाकिस्तान टीम पर बुरा असर पड़ा। खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। हर कोई पाकिस्तान का कप्तान बनने के बारे में सोचने लगा। मोहम्मद यूसुफ ने समा टीवी पर कहा, '2021 में भारत के खिलाफ जो मैच हमने जीता, उससे हमें बहुत नुकसान हुआ। क्योंकि उस जीत के बाद खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें आगे क्या करना है। जब आप अच्छा परफॉर्म कर रहे हों, तो आपको विनम्र रहना चाहिए।